3 | राजधानी
संजय सिंह की जमानत याचिका खारिज

6 | अभिमत
अनुच्छेद 370 पर अदालत का फैसला

10 | राष्ट्रीय
कश्मीर में आतंकवाद मृत्युशय्या पर: सिन्हा

11 | विदेश
प्राग विवि में गोलीबारी चौदह लोगो की मौत

RNI NO.DELHIN/2012/48369
वर्ष 12 अंक 49
नई दिल्ली, शनिवार, 23 दिसंबर, 2023
पृष्ठ 12 मूल्य ₹ 3
नगर संस्करण

नई दिल्ली, लखनऊ, रायपुर और फरीदाबाद से प्रकाशित

पायनियर

www.dailypioneer.com

पारिवारिक इमरजेंसी के कारण भारत लौटे कोहली

स्पोर्ट्स-12

एकजुट विपक्ष में सीटों के बंटवारे पर खींचतान

दीपक कुमार झा। नई दिल्ली

● तृणमूल कांग्रेस आम आदमी पार्टी जनता दल-यू, राजद राकांपा, समाजवादी पार्टी ने आम चुनावों के मद्देनजर सीटों के बंटवारे पर सौदेबाजी शुरू

पिछले छह महीनों में विभिन्न शहरों में 'चाय और कॉफी' पर चार दौर की बैठकों के बाद कांग्रेस के नेतृत्व वाले इंडिया गठबंधन के प्रमुख घटकों के बीच 2024 के लोकसभा चुनावों के लिए सीट बंटवारे, आवंटन की वास्तविक चुनौती शुरू हो गई है। समझा जाता है कि तृणमूल कांग्रेस, आम आदमी पार्टी, जनता दल (यू) और राजद, राकांपा, समाजवादी पार्टी ने आगामी आम चुनाव में नरेंद्र मोदी की रथयात्रा का मुकाबला करने के लिए गठबंधन की सारथी मानी जाने वाली सबसे पुरानी पार्टी के साथ 'सौदेबाजी' शुरू कर दी है।

बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की पार्टी जद (यू) द्वारा व्यक्त की गई नाराजगी की पृष्ठभूमि में पूर्व कांग्रेस प्रमुख राहुल गांधी ने नीतीश तक पहुंचने की कोशिश की, लेकिन पूर्व व्यस्तताओं के कारण बातचीत नहीं हो सकी। राहुल की यह प्रतिक्रिया जेडीयू के लोकसभा सांसद सुनील कुमार पिंटू द्वारा बुधवार को दिल्ली में इंडिया गठबंधन की बैठक पर कटाक्ष करने के तुरंत बाद आई और कहा गया कि 'पिछली बैठकों की तुलना में जहां अच्छे नाश्ते परोसे गए थे, इस बार यह केवल चाय, कॉफी और बिस्कुट के साथ खत्म हो गई।' सूत्रों ने कहा कि राहुल गांधी नीतीश से बात नहीं कर सके क्योंकि वह एक बैठक में थे और जब नीतीश ने वापस बुलाया तो राहुल पार्टी बैठक के बीच में थे। सूत्रों ने पायनियर को बताया कि हालांकि कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने शुक्रवार को नीतीश कुमार से बात की है। सूत्रों ने कहा कि नीतीश की आकांक्षा बड़े विपक्षी समूह का प्रधानमंत्री पद का उम्मीदवार बनने की है क्योंकि उन्होंने ही सबसे पहले पहल की थी और जून में पटना की बैठक में सभी को एक साथ लाया था, लेकिन इस सप्ताह की बैठक में टीएमसी और आप ने कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे को आगे कर दिया गया। खड़गे ने हालांकि इस मुद्दे पर कुछ बोलने से इनकार कर दिया और कहा कि हमारा ध्यान चुनाव में अधिक से अधिक सीटें जीतने पर है। 19 दिसंबर को नीतीश कुमार के साथ बैठक में शामिल हुए होने वाले जदयू के राष्ट्रीय महासचिव संजय कुमार झा ने कहा कि नीतीश ने जनवरी तक सीट-बंटवारे की व्यवस्था को अंतिम रूप देने की आवश्यकता पर जोर दिया था।

हालांकि, उन्होंने उन रिपोर्टों का खंडन किया कि जदयू के वरिष्ठ नेता उन्हें इंडिया का संयोजक नामित करने में गठबंधन की अनिच्छा से 'नाराज' हो गए थे और अपना विरोध दर्ज कराने के लिए बैठक के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस में शामिल नहीं हुए थे। दूसरी ओर, नीतीश ने शुक्रवार को पटना में अपने डिप्टी सीएम तेजस्वी यादव के साथ बैठक की, जहां माना जाता है कि दोनों ने सहयोगियों के बीच सीट बंटवारे पर चर्चा की है, हालांकि राजद नेताओं ने कहा कि यह बिहार मंत्रिमंडल के विस्तार के संबंध में था। हालांकि राहुल ने लोकसभा चुनाव के लिए महाराष्ट्र में सीट बंटवारे पर संभवत: एनसीपी प्रमुख शरद पवार के साथ बैठक की। जंतर-मंतर पर संयुक्त विपक्ष के विरोध प्रदर्शन के बाद राहुल पवार के साथ उनके 6, जनपथ स्थित आवास पर गए। दोनों नेताओं के बीच कुछ समय के लिए बातचीत हुई और पता चला कि उन्होंने लोकसभा चुनाव के लिए महाराष्ट्र विकास अघाड़ी के सहयोगियों शिव सेना (यूबीटी), कांग्रेस और राकांपा के बीच सीट बंटवारे पर चर्चा की। पवार विपक्षी गठबंधन में वाम दलों, पीजेंट्स एंड वर्कर्स पार्टी और वंचित बहुजन अघाड़ी जैसे छोटे दलों को शामिल करने के इच्छुक हैं क्योंकि राज्य में उनके पास कुछ खास ताकत है। राकांपा के दिग्गज नेता महाराष्ट्र में सीट बंटवारे को जल्द अंतिम रूप देने के इच्छुक हैं ताकि लोकसभा चुनाव के प्रचार के लिए गठबंधन की संयुक्त रैलियां आयोजित की जा सकें। दूसरी परेशानी पंजाब से है जहां सत्तारूढ़ पार्टी आप अगले साल का आम चुनाव लड़ने के लिए कांग्रेस के साथ गठबंधन करने को तैयार नहीं है - जिसे उसने पिछले साल के विधानसभा चुनाव में हराया था। हालांकि समाजवादी पार्टी ने हाल ही में समाप्त हुए शीतकालीन सत्र के दौरान विपक्षी एकता में भाग लिया, लेकिन सीट बंटवारे पर कांग्रेस के साथ उसका मतभेद रहेगा।

संभावित चुनाव पूर्व गठबंधन वार्ता में बंगाल कांग्रेस के नेता टीएमसी से 6-8 सीटें चाह रहे हैं, ऐसे सहयोग की संभावनाएं लगातार अनिश्चित होती जा रही हैं। 2019 के आम चुनावों में टीएमसी ने 42 में से 22 सीटों पर जीत हासिल की, जबकि भाजपा ने जबरदस्त वृद्धि करते हुए 18 सीटों पर दावा किया। इसके विपरीत, कांग्रेस केवल 2 सीटें ही जीत पाई और आजादी के बाद पहली बार वामपंथियों को एक भी सीट नहीं मिली। अधीर चौधरी, दीपा दासमुंशी, एएच खान चौधरी और शंकर मालाकार सहित पश्चिम बंगाल प्रदेश कांग्रेस कमेटी (पीसीसी) के नेताओं ने पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे और (शेष पेज 9)

इंडिया गठबंधन ने किया लोकतंत्र बचाओ प्रदर्शन

● भाजपा बोली, आंदोलन से बेवकूफ बनाने के दिन चले गए, लोगों को अब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की गारंटी पर है भरोसा

नई दिल्ली में शुक्रवार को जंतर-मंतर पर प्रदर्शन के दौरान कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, राहुल गांधी, शरद पवार और सीताराम येचुरी। फोटो: रंजन डिमरी

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली/पटना/मुंबई/कोलकाता

विपक्षी इंडिया गठबंधन ने हाल ही में समाप्त हुए शीतकालीन सत्र के दौरान संसद से 146 सांसदों के निलंबन के खिलाफ शुक्रवार को देशव्यापी विरोध प्रदर्शन किया और लोगों से देश में लोकतंत्र को बचाने के लिए एकजुट होने का आह्वान किया। नेताओं ने सत्तारूढ़ दल पर विपक्ष की आवाज दबाने का आरोप लगाते हुए 2024 के लोकसभा चुनाव में भाजपा की हार का आह्वान किया।

राष्ट्रीय राजधानी में जहां जंतर मंतर पर विरोध प्रदर्शन का नेतृत्व कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे और उनकी पार्टी के सहयोगी राहुल गांधी, राकांपा प्रमुख शरद पवार सहित शीर्ष विपक्षी नेताओं ने किया, वहीं कोलकाता, मुंबई, लखनऊ, पटना में भारत गठबंधन के सदस्यों द्वारा बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शन किया गया। बेंगलुरु, पणजी, गुवाहाटी, भुवनेश्वर, चेन्नई, रांची और देश के अन्य शहरों में भी प्रदर्शन हुए। वाम दल, द्रमुक, सपा, एनसी, टीएमसी, झामुमो, राजद और विपक्षी गठबंधन के अन्य सदस्यों के नेता विरोध प्रदर्शन में शामिल हुए। वहीं भाजपा ने राहुल गांधी को एक अपरिपक्व और अलोकतांत्रिक नेता बताया और यहां जंतर-मंतर पर इंडिया गठबंधन के विरोध प्रदर्शन को हल्के में लेते हुए कहा कि इस तरह के आंदोलन से लोगों को बेवकूफ बनाने के दिन चले गए हैं क्योंकि अब उन्हें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की गारंटी पर भरोसा है। केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण मंत्री अनुराग ठाकुर ने कहा कि ऐसे संवेदनशील मामले पर सभी सांसदों को एक स्वर में बोलना चाहिए था लेकिन राहुल गांधी जैसे नेता इसके बजाय झूठे आरोप लगा रहे हैं।

ठाकुर ने राहुल गांधी को अपरिपक्व और अलोकतांत्रिक बताते हुए कहा, 'इंडिया गठबंधन की पार्टियों ने लोगों के मुद्दों और महत्वपूर्ण विधेयकों पर संसद में चर्चा में भाग नहीं लिया और ऐसा लगता है कि हाल के विधानसभा चुनावों में उन्हें मिली हार के बाद उन्होंने अपना मानसिक संतुलन खो दिया है। जंतर-मंतर पर विरोध प्रदर्शन में (शेष पेज 9)

गणतंत्र दिवस पर मैक्रों होंगे मुख्य अतिथि

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों 26 जनवरी को गणतंत्र दिवस पर आयोजित होने वाली परेड में मुख्य अतिथि होंगे। इसी के साथ वह छठे फ्रांसीसी नेता बन जाएंगे जिन्हें भारत ने यह सम्मान प्रदान किया है। विदेश मंत्रालय ने कहा कि मैक्रों प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के आमंत्रण पर भारत की यात्रा पर आएंगे। भारत ने इस अवसर पर अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन को आमंत्रित किया था, लेकिन उन्होंने जनवरी, 2024 में यहां आने में असमर्थता जताई। माना जा रहा है कि बाइडन के भारत आने में असमर्थता की वजह जनवरी के अंत या फरवरी की शुरुआत में स्टेट ऑफ द यूनियन संबोधन, उनकी दोबारा राष्ट्रपति पद के लिए दावेदारी और हमास-इजराइल संघर्ष पर अमेरिका का और ध्यान केंद्रित करना है। विदेश मंत्रालय ने एक बयान में कहा, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के न्योते पर फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों 75वें गणतंत्र दिवस समारोह के मुख्य अतिथि के तौर पर भारत आएंगे। मंत्रालय ने कहा, रणनीतिक साझेदार के रूप में, भारत और फ्रांस कई क्षेत्रीय और वैश्विक मुद्दों पर उच्च स्तर पर समान रुख साझा करते हैं। इस वर्ष, हम भारत-फ्रांस रणनीतिक साझेदारी की 25वीं वर्षगांठ मना रहे हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 14 जुलाई को पेरिस में आयोजित बैस्टिल डे परेड में सम्मानित अतिथि के रूप में भाग लिया था। यह कार्यक्रम फ्रांस के राष्ट्रीय दिवस समारोह का हिस्सा है। वहीं, मैक्रों सितंबर में नई दिल्ली में आयोजित जी20 शिखर सम्मेलन में हिस्सा लेने आए थे। गणतंत्र दिवस समारोह के लिए मैक्रों को भारत का आमंत्रण रक्षा और सुरक्षा, स्वच्छ ऊर्जा, व्यापार और निवेश और नई प्रौद्योगिकियों सहित विभिन्न क्षेत्रों में दोनों देशों के प्रगाढ़ होते संबंध के बीच आया है। रक्षा मंत्रालय ने जुलाई महीने में ही फ्रांस से (नौसेना के इस्तेमाल के लिए) 26 राफेल लड़ाकू विमान खरीदने को मंजूरी दी थी, जिनकी तैनाती देश में ही निर्मित विमानवाहक पोत आईएनएस विक्रांत पर की जाएगी। फ्रांस लड़ाकू विमान खरीदने के लिए शुरुआती निविदा का जवाब पहले ही दे चुका है। भारत अपने गणतंत्र दिवस समारोह में शामिल होने के लिए हर साल विश्व नेताओं को आमंत्रित करता है। कोविड-19 महामारी के मद्देनजर 2021 और 2022 में गणतंत्र दिवस पर किसी को भी बतौर मुख्य अतिथि आमंत्रित नहीं किया गया था। राष्ट्रपति मैक्रों गणतंत्र दिवस समारोह में शामिल होने वाले छठे फ्रांसीसी नेता होंगे। वर्ष 2023 के गणतंत्र दिवस समारोह में मिस्र के राष्ट्रपति अब्देल फतह अल-सिसी मुख्य अतिथि थे। वर्ष 2020 में, ब्राजील के तत्कालीन राष्ट्रपति जेयर बोलसोनारो गणतंत्र दिवस समारोह में बतौर मुख्य अतिथि शामिल हुए थे।

सुरक्षा बलों ने आतंकियों पर कसा शिकंजा

मोहित कंधारी। जम्मू

● आतंकी हमले में चार जवानों के शहीद होने के बाद दहशतर्दों को पकड़ने के लिए तलाशी अभियान तेज, पूरा इलाका घेरा

आतंकियों को पकड़ने के लिए सुरक्षा बलों ने की घेराबंदी।

सुरक्षा बलों की एक संयुक्त टीम ने सेना के वाहनों पर भीषण हमले के पीछे छिपे आतंकवादियों को बाहर निकालने के लिए शुक्रवार को पुंछ जिले के डेरा की गली के घने जंगली इलाके में तलाशी अभियान तेज कर दिया। आतंकवादी किसी भी बड़े प्रतिरोध का सामना किए बिना कार्रवाई स्थल से गायब हो गए।

ऐसा संदेह है कि हमले के पीछे के अपराधी नागरिक क्षेत्र में छिपे हुए थे या उन्होंने सुरक्षित ठिकाने पर शरण ले रखी थी। बृहस्पतिवार को चार सैनिक 'कार्रवाई में शहीद हो गए' और तीन अन्य घायल हो गए जब उच्च प्रशिक्षित विदेशी आतंकवादियों के एक समूह ने उनके वाहनों पर घात लगाकर हमला किया। शुक्रवार देर शाम तक भारतीय सेना ने शहीद जवानों के नाम जारी नहीं किए थे। मामले की जांच शुरू करने से पहले राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) की एक टीम ने भी शुक्रवार को घटनास्थल का दौरा किया।

भारतीय सेना ने भी आतंकवादियों के पदचिन्हों का पता लगाने के लिए हेलीकॉप्टरों और खोजी कुत्तों का उपयोग करके हवाई निगरानी शुरू की। आतंकवादियों को क्षेत्र से भागने से रोकने के लिए अतिरिक्त बलों को मौके पर भेजा गया है। इस बीच, सुरक्षा एजेंसियों ने 'दुस्साहसिक' हमले के पीछे आतंकवादियों को शरण देने वालों और मददगारों की पहचान करने के लिए 20 निवासियों को पूछताछ के लिए हिरासत में लिया। राजौरी और पुंछ के सीमावर्ती जिलों में सेना के जवानों पर आतंकवादी हमलों में हालिया वृद्धि ने पहले ही सुरक्षा प्रतिष्ठान में खतरे की घंटी बजा दी है। हाल के चार हमलों में, अप्रैल 2023 से राजौरी और पुंछ जिलों में कार्रवाई में कुल 19 सैन्यकर्मी मारे गए। खुफिया एजेंसियों के हालिया आकलन के मुताबिक राजौरी और पुंछ के सीमावर्ती जिलों में दो दर्जन से अधिक आतंकवादी सक्रिय हैं और उन्होंने घने जंगली इलाके में शरण ले (शेष पेज 9)

एनसीआर में पहुंचा कोविड सरकार बोली, घबराएं नहीं

● नोएडा में कोरोना के नए वैरिएंट जेएन-1 से पीड़ित अधेड़ मिला

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

देश के विभिन्न हिस्सों में कोविड के नए वैरिएंट जेएन-1 के हो रहे प्रसार की चिंता के बीच राष्ट्रीय राजधानी के एनसीआर क्षेत्र में कई महीनों के बाद पहली बार नोएडा निवासी 54 वर्षीय पुरुष का पॉजिटिव मामला सामने आया है।

वहीं भारत में एक ही दिन में 640 नए संक्रमणों की वृद्धि देखी गई और शुक्रवार को केरल शीर्ष पर रहा। डब्ल्यूएचओ की पूर्व मुख्य वैज्ञानिक डॉ सौम्या स्वामीनाथन ने कहा कि नए वैरिएंट को 'सामान्य सर्दी' के रूप में खारिज नहीं किया जाना चाहिए और चेतावनी देते हुए कहा कि इस बार इसे हल्के में न लें।

आधिकारिक सूत्रों ने कहा कि उनका बयान सीओवीआईडी-19 उप-संस्करण जेएन-1 के बाईस मामलों का पता चलने के बीच आया है, जिनमें से 21 मामले गोवा से और एक अन्य केरल से सामने आए हैं। केरल में अब तक 265 ताजा कोविड-19 संक्रमण और (शेष पेज 9)

पीएम ने पदाधिकारियों को दिए जीत के गुरुमंत्र

● मिशन 2024 के लिए भाजपा के राष्ट्रीय पदाधिकारियों की दो दिवसीय बैठक शुरू

राजेश कुमार। नई दिल्ली

नई दिल्ली में भाजपा के राष्ट्रीय पदाधिकारियों की बैठक में भाग लेने पहुंचे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का स्वागत करते भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा।

2024 के लोकसभा चुनावों से पहले, भाजपा के राष्ट्रीय पदाधिकारियों ने आगामी चुनावों के लिए पार्टी की रणनीति पर विचार-विमर्श करने और उसे तैयार करने के लिए शुक्रवार को बैठक की।

दो दिवसीय बैठक की अध्यक्षता भाजपा प्रमुख जेपी नड्डा ने की और इसमें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष, विभिन्न राज्यों के प्रभारी और राज्यों के संगठन महासचिवों सहित अन्य लोग शामिल हुए। भाजपा के राष्ट्रीय पदाधिकारियों ने हाल ही में पांच राज्यों में संपन्न विधानसभा चुनावों के नतीजों पर भी चर्चा की। सूत्रों ने कहा, पदाधिकारियों को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कार्यकर्ताओं द्वारा की गई कड़ी मेहनत और तीन राज्यों में उत्कृष्ट जीत के लिए नेतृत्व की सराहना की और उल्लेख किया कि आने वाले दिनों में उन्हें और अधिक मेहनत करनी होगी।

सूत्रों ने बैठक में मोदी के हवाले से कहा, प्रत्येक वोट, प्रत्येक सीट राष्ट्र के विकास की गति को बनाए रखने के लिए मूल्यवान है। सभी को विकसित भारत यात्रा को आगे बढ़ाना चाहिए।' वह शनिवार को पार्टी के राष्ट्रीय मुख्यालय में फिर से पार्टी नेताओं को (शेष पेज 9)

दिल्ली-एनसीआर में बीएस-3 पेट्रोल, बीएस-4 डीजल वाहनों पर रोक

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

● प्रदूषण बढ़ने के कारण अनावश्यक निर्माण कार्य, प्रदूषण फैलाने वाले चारपहिया वाहनों पर लगा प्रतिबंध

केंद्र ने दिल्ली-राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) में खराब होती वायु गुणवत्ता के बीच गैर जरूरी निर्माण कार्यों और बीएस-तीन पेट्रोल एवं बीएस-चार डीजल चालित चार पहिया वाहनों पर प्रतिबंध लगाने का शुक्रवार को आदेश दिया।

क्षेत्र में प्रदूषण से निपटने की रणनीति बनाने वाले वैधानिक निकाय वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग (सीएक्यूएम) ने एक आदेश जारी कर कहा कि हवा की कम गति के साथ कोहरे और धुंध सहित मौसम संबंधी प्रतिकूल स्थितियां दिल्ली के दैनिक औसत वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) में अचानक वृद्धि का प्रमुख कारण हैं। दिल्ली का समग्र एक्यूआई शुक्रवार सुबह से लगातार बढ़ रहा है। यह पूर्वाह्न 10 बजे 397 और शाम चार बजे 409 था। सीएक्यूएम ने चरणबद्ध प्रतिक्रिया कार्य योजना(जीआरएपी) के तीसरे चरण के तहत प्रतिबंधों को फिर से लागू करते हुए दिल्ली-एनसीआर में गैर-जरूरी निर्माण कार्यों, पत्थर तोड़ने और खनन पर प्रतिबंध लगाने का आदेश दिया है। राष्ट्रीय सुरक्षा से संबंधित निर्माण कार्यों, राष्ट्रीय महत्व की परियोजनाओं, स्वास्थ्य सेवाओं, रेलवे, मेट्रो रेल, हवाई अड्डों, अंतरराज्जीय बस अड्डों, राजमार्गों, सड़कों, फ्लाईओवर, ओवरब्रिज, बिजली पारेषणों, पाइपलाइन, स्वच्छता और जल आपूर्ति को इस प्रतिबंध से छूट दी गई है।

तृतीय चरण के जीआरएपी के तहत दिल्ली, गुरुग्राम, फरीदाबाद, गाजियाबाद और गौतमबुद्धनगर में बीएस-तीन पेट्रोल और बीएस-चार डीजल चालित चार पहिया वाहनों के संचालन पर भी प्रतिबंध लगाया गया है। जीआरएपी केंद्र की वायु प्रदूषण नियंत्रण योजना है, जो सर्दियों के मौसम के दौरान क्षेत्र में लागू की जाती है। आदेश में आगे कहा कि जीआरएपी के चरण-तीन के अनुसार आठ सूत्री कार्य योजना आज से पूरे एनसीआर में तत्काल प्रभाव से लागू है। इस 8-सूत्रीय कार्य योजना में विभिन्न एजेंसियों और एनसीआर और डीपीसीसी के प्रदूषण नियंत्रण बोर्डों द्वारा कार्यान्वित/सुनिश्चित किए जाने वाले कदम शामिल हैं।

ग्रेडेड रिस्पांस एक्शन प्लान (जीआरएपी) के चरण-तीन के तहत प्रतिबंधों को फिर से लागू करते हुए, सीएक्यूएम ने दिल्ली-एनसीआर में गैर-जरूरी निर्माण कार्य, पत्थर तोड़ने और खनन पर प्रतिबंध लगाने का आदेश दिया। राष्ट्रीय सुरक्षा या रक्षा से संबंधित निर्माण कार्य, राष्ट्रीय महत्व की परियोजनाएं, स्वास्थ्य सेवा, रेलवे, मेट्रो रेल, हवाई अड्डे, अंतरराज्यीय बस टर्मिनल, राजमार्ग, सड़क, फ्लाईओवर, ओवरब्रिज, बिजली पारेषण, पाइपलाइन, स्वच्छता और जल आपूर्ति को प्रतिबंध से छूट दी गई है। दिल्ली सरकार का परिवहन विभाग जल्द ही इस संबंध में एक अधिसूचना जारी करेगा। ग्रैप-3 प्रतिबंधों में दिल्ली-एनसीआर क्षेत्र में गैर-आवश्यक निर्माण गतिविधियों, बीएस -3 पेट्रोल और बीएस -4 डीजल चार पहिया वाहनों के संचालन पर प्रतिबंध शामिल था। अगर दिल्ली की सड़कों पर ऐसी कोई गाड़ी पाई गई तो 20,000 रुपये का जुर्माना वसूला गया। इसके अलावा, सीएक्यूएम एनसीआर के नागरिकों से क्षेत्र में समग्र वायु गुणवत्ता को बनाए रखने और सुधारने के उद्देश्य से जीआरएपी उपायों के प्रभावी कार्यान्वयन में सहयोग करने और जीआरएपी के तहत नागरिक चार्टर में उल्लिखित चरणों का पालन करने की अपील करता है। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) की रिपोर्ट के (शेष पेज 9)

राहत: तीन महीने में होगी फ्लैट की रजिस्ट्री

औद्योगिक विकास आयुक्त ने बिल्डरों पर जुर्माना लगाने और आवंटन निरस्त करने की चेतावनी दी

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

नोएडा, ग्रेटर नोएडा और यमुना प्राधिकरण में फ्लैट लेने वालों के लिए खुशखबरी है। अब तैयार फ्लैटो की रजिस्ट्री के लिए ज्यादा इंतजार नहीं करना होगा 3 महीने में ही रजिस्ट्री का काम पूरा हो जाएगा। दरअसल प्रदेश के औद्योगिक विकास आयुक्त मनोज कुमार सिंह की ओर से भेजे गए एक शासनादेश में तय समय में रजिस्ट्री और अधूरे निर्माण पूरे नहीं करने वाले बिल्डरों पर जुर्माना लगाने और परियोजना का आवंटन निरस्त करने की चेतावनी दी गई है।

3 महीने के भीतर तैयार फ्लैटो की रजिस्ट्री के काम को पूरा करने के लिए डेवलपर या को डेवलपर को प्रति फ्लैट आकलन धनराशि जमा करनी होगी। यह राशि कुल बकाए के 25: जमा की गई राशि से अधिक भी हो सकती है।

धनराशि जमा नहीं करने पर प्राधिकरण परियोजना के साथ संबद्ध वाणिज्यिक संपत्ति को सील कर कब्जे में ले लेगा। संपत्ति का मूल्यांकन कर उसकी राशि के बराबर फ्लैटो की रजिस्ट्री होगी। इस धनराशि के बदले बिल्डरों

को बैंक गारंटी देने की सुविधा भी मिलेगी। इन सभी कार्यों को पूरा करते हुए हर हाल में 3 महीने में रजिस्ट्री पूरी करनी होगी।

नीति आयोग के अमिताभ कांत के नेतृत्व में गठित समिति की सिफ ारिश को यूपी कैबिनेट से पास करने के बाद नोएडा, ग्रेटर नोएडा और यमुना प्राधिकरण को इस बाबत शासनादेश भेजा गया है।

शासनादेश में नोएडा, ग्रेटर नोएडा और यमुना, तीनों प्राधिकरणों को विशेष बोर्ड बैठकों में प्रस्ताव रखते हुए कार्य आगे बढ़ाने के निर्देश दिए गए हैं। निर्देश में को डेवलपर पॉलिसी, पैसों के भुगतान, जीरो पीरियड, परियोजना के समय विस्तार पर स्पष्ट निर्देश दिए गए हैं। जिसका पालन प्राधिकरण को करना होगा। योजना के मुताबिक सबसे पहले कोविड काल के दौरान 2 साल की अवधि के लिए किए गए ब्याज और दंडात्मक ब्याज को घटाते हुए फर्म से बिल्डरों के बकाए की गणना कराई जाएगी। नोएडा, ग्रेटर नोएडा के बिल्डरों को उनके कुल बकाया की राशि से अवगत कराया जाएगा। छूट का लाभ पाने के लिए बिल्डर को 60 दिन के भीतर बकाये की 25 फीसदी राशि प्राधिकरण में जमा करनी होगी।

इसके बाद में नियमों के तहत हर प्रकार से छूट के हकदार होंगे। शासनादेश के अनुसार हर हालत में सभी नोएडा, ग्रेटर नोएडा में तैयार फ्लैटो, ऑक्युपेंसी सर्टिफि केट प्राप्त फ्लैट अथवा फ्लैटो में रह रहे फ्लैट खरीदारों की रजिस्ट्री 3 माह में बिल्डर को करानी होगी। यह सुनिश्चित करने को कहा गया है कि नोएडा, ग्रेटर नोएडा में रजिस्ट्री से पहले टावरों के फायर एनओसी, संरचनात्मक समेत हर प्रकार तय समय से पहले मिल जाए।

नोएडा में किसानों का अर्ध नग्न प्रदर्शन

● दंड बैठक और पुशअप लगाए, 105 गांवों के किसान सड़क पर उतरे

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

नोएडा के सेक्टर-24 में 5वें दिन किसानों ने शुक्रवार को अर्ध नग्न प्रदर्शन किया। सड़क पर दंड बैठक और पुशअप भी लगाए। दरअसल, 105 गांवों आकर यहां लगातार डटे हुए हैं। भारतीय किसान परिषद की देखरेख में प्रदर्शन हो रहा है।

परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष सुखवीर खलीफा ने कहा, किसानों की समस्या का समाधान करो नहीं, तो अब ठीक नहीं होगा। एनटीपीसी पर धरना दे रही महिलाओं की तबीयत भी खराब हुई। इसके लिए जिला स्वास्थ्य विभाग की ओर से डॉक्टरों का एक दल धरना स्थल पर भेज दिया गया है। वहीं, बुजुर्ग महिलाओं की जांच और दवाइयां दी जा रही है। इसमें नोएडा के 81 गांव और दादरी एनटीपीसी से 24 गांव प्रभावित हैं। परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष सुखवीर खलीफा ने कहा कि अगर एनटीपीसी किसानों की समस्या समाधान नहीं करता तो तालाबंदी की जाएगी। किसी भी कर्मचारी को कंपनी के अंदर नहीं जाने दिया जाएगा। किसानों के प्रदर्शन को देखते हुए एनटीपीसी और नोएडा प्राधिकरण दोनों ही स्थानों पर भारी संख्या में पुलिस बल तैनात किया गया है। एनटीपीसी दादरी से प्रभावित महिला किसान विद्या ने बताया कि उनकी कई बीघा जमीन एनटीपीसी में जा चुकी है। उनके पास बस एक मकान है। जमीन के नाम पर कुछ नहीं है। बच्चों को रोजगार नहीं मिला। वो यहां से तब नहीं जाएंगे, जब तक उनको हक नहीं मिलता।

जन प्रतिनिधि भी उनकी नहीं सुन रहे। वोट मांगने के समय सब आते है और आश्वासन देकर जाते है। उसके बाद कोई भी समस्या पूछने तक नहीं आया। बाला करीब 70 साल की है। पिछले दो सालों से प्रदर्शन में शामिल हो रही हैं।

नोएडा में कमर्शियल साइट पर 8वीं मंजिल से लिफ्ट गिरने से नौ लोग घायल

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

कोतवाली सेक्टर-126 क्षेत्र के सेक्टर-125 स्थित कमर्शियल साइट पर शुक्रवार शाम बड़ा हादसा हो गया। यहां पर टावर के आठवें फ्लोर से लिफ्ट टूटकर गिर गई। इस हादसे में नौ लोग घायल हो गए। इन्हें आनन-फानन में नजदीक के प्राइवेट अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां डाक्टरों की देखरख में घायलों का इलाज किया जा रहा है। इस घटना के बाद कमर्शियल साइट पर भीड़ इकट्ठा हो गई है। मौके पर भारी पुलिस बल मौजूद है। घायल होने वालों में कई कर्मचारी है। इनके नाम यशु शर्मा, अभिषेक गुप्ता, अभिषेक पंडित, रजत शर्मा, सागर, शुभम भारद्वाज, अभिजीत, सौरभ और पीयूष कुमार हैं। पुलिस के मुताबिक लोगों के हाथ और पैर में मामूली चोटें आई है।

घटना की जानकारी मिलते ही सेक्टर 126 थाने से पुलिस अधिकारी मौके पर पहुंच गए हैं। जो लोग घायल हुए हैं, वे सभी कंपनी में काम करने वाले कर्मचारी हैं। यह दर्दनाक घटना नोएडा सेक्टर-125 की रिवर साइड टॉवर नाम की बिल्डिंग में हुई।

झुग्गियों पर नगर निगम का चला बुलडोजर

गाजियाबाद। गाजियाबाद में बुलंदशहर इंडस्ट्रियल एरिया के विवेकानंद नगर में झुग्गी झोपड़ियों पर नगर निगम ने बुलडोजर चलाया। सफाई अभियान के नाम पर बुलडोजर की कार्रवाई हुई। इन झुग्गियों को 30 साल पहले बनाया गया था। यहां करीब 1500 परिवार रहते हैं। झुग्गियों के तोड़ने के विरोध में जिलाधिकारी के माध्यम से मुख्यमंत्री को ज्ञापन दिया गया।

मगध विकास समिति के महामंत्री छोटेलाल कनौजिया ने बताया कि गुरुवार को नगर निगम ने बुलंदशहर इंडस्ट्रियल एरिया विवेकानंद नगर में बसी झुग्गियों पर बुलडोजर चला दिया। यहां 30 वर्ष से 1500 परिवार रहते हैं।

मॉल व सार्वजनिक स्थानों पर बरते सावधानी

● फ्लू व कोविड के लक्षण नजर आने पर तुरंत जांच की सलाह

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

जनपद में क्रिसमस और नए साल के जश्न के लिए कार्यक्रमों का दौर शुरू होने जा रहा है, मॉल व अन्य सार्वजनिक स्थलों पर विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन होगा और उसमें भीड़ जुटेगी। ऐसे में कोविड को लेकर सावधानी बरतने की जरूरत है। यह बात मुख्य चिकित्सा अधिकारी सीएमओ डा सुनील कुमार शर्मा ने शुक्रवार को कही। सीएमओ ने कहा सभी लोगों को सतर्क रहने की जरूरत है। किसी भी स्थिति में पैनिक होने के जरूरत नहीं है। उन्होंने कहा 25 दिसंबर को क्रिसमस और नये साल के जश्न में शरीक होने पर कोविड प्रोटोकॉल का पालन जरूर करें। भीड़ में जाने पर एहतियात मास्क लगाएं और आपस में दूरी बनाकर रखें। उन्होंने कहा कि कोविड को लेकर स्वास्थ्य विभाग की सभी तैयारियां पूरी हैं, लेकिन आमजन को भी चाहिए कि वह इसको लेकर सतर्क रहे। सीएमओ ने बताया कि जिला अस्पताल, सामुदायिक व प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों पर कोविड की जांच की सुविधा उपलब्ध है।

फ्लू व कोविड के लक्षण नजर आने पर तुरंत जांच कराएं। डा सुनील शर्मा ने कहा है कि आमतौर पर खांसी-जुकाम होने पर लोग स्वयं केमिस्ट से दवा ले लेते हैं। स्वयं दवा लेने से बचना चाहिए। खांसी.जुकाम व फ्लू जैसे लक्षण नजर आने पर अपने नजदीकी स्वास्थ्य केन्द्र पर जाकर चिकित्सक से परामर्श करें। परामर्श के अनुसार जांच कराएं और उपचार लें। उन्होंने कहा कि किसी तरह के संक्रमण से उन लोगों को बचना चाहिए जो पहले से किसी भी बीमार से पीड़ित है।

28 करोड़ रुपये की धोखाधड़ी के मामले में 90 खातों पर लगाई रोक

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

नोएडा के सेक्टर 22 में स्थित साउथ इण्डियन बैंक के सहायक प्रबंधक द्वारा किए गए धोखाधड़ी मामले में करीब 90 खातों पर रोक लगा दी गई है। यानि उन्हें पूरी तरह से फ्रीज कर दिया गया है।

जांच के दौरान आरोपी सहायक प्रबंधक राहुल शर्मा द्वारा जिन 90 खातों में 28 करोड़ की राशि ट्रांसफर की गई थी उन सभी खातों को फ्रीज कर दिया गया है। आरोपी राहुल शर्मा ने यह रकम सेक्टर 48 स्थित एसोसिएट इलेक्ट्रानिक्स रिसर्च फाउंडेशन कंपनी के खाते से धोखाधड़ी कर अलग अलग 90 खातों में 28.7 करोड़ रुपये ट्रांसफर कर लिए थे। पुलिस इन खाता धारकों का पता लगा रही है। सेक्टर-24 पुलिस लगातार आरोपी सहायक प्रबंधक राहुल शर्मा को गिरफ्तार करने के लिए तलाश कर रही है।

आरोपी बैंक सहायक प्रबंधक राहुल शर्मा जिसको 28.7 करोड़ की धोखाधड़ी के सिलसिले में पुलिस तलाश कर रही है। पुलिस उसके घर के दोनों पतों पर उसकी तलाश में गई थी, लेकिन वहां ताला लगा हुआ था और आरोपी राहुल शर्मा पूरे

● आरोपी की तलाश जारी

परिवार के साथ फरार है। पुलिस को उसके साथ उसके परिवार की भी तलाश है। सूत्रों ने जानकारी दी है कि वह विदेश भाग चुका है। नोएडा कमिश्नरी पुलिस के अन्तर्गत सूत्रों ने आशंका जाहिर की है कि नोएडा के बैंक में 28 करोड़ रुपये का खेला करने वाला बैंक मैनेजर विदेश भाग गया है। पुलिस उसके विरुद्ध लुकआउट नोटिस जारी करने की तैयारी की जा रही है।

संक्षिप्त समाचार

गौतमबुद्धनगर में थाने के लिए ईगल मोबाइल हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया।

केंद्रीय मंत्री ने किया एंबुलेंस पार्किंग सेवा का शुभारंभ

गाजियाबाद। कोरोना के दौरान उल्लेखनीय कार्य करने वाले शहीद भगत सिंह सेवादल ने एनसीआर इकाई का गठन किया है। यह इकाई गाजियाबाद के डासना क्षेत्र में है। संगठन की ओर से यहां एंबुलेंस पार्किंग की सुविधा विकसित की गई है। विश्व हिंदू परिषद के अंतरराष्ट्रीय अध्यक्ष आलोक कुमार और केंद्रीय मंत्री वीके सिंह ने एंबुलेंस पार्किंग सेवा का शुभारंभ किया। इस मौके पर क्षेत्र में ऊंचा तिरंगा भी लगाया गया। इससे पहले शहीद भगत सिंह सेवादल के अध्यक्ष जितेंद्र सिंह शांति ने सभी का स्वागत किया। इस अवसर पर वीके सिंह ने कहा कि कोरोना के दौरान शहीद भगत सिंह सेवादल की ओर से उल्लेखनीय कार्य किए गए। आज भी लोगों को अंतिम संस्कार करने और मरीजों को अस्पताल पहुंचाने के लिए एंबुलेंस की जरूरत पड़ती है इसके लिए शहीद भगत सिंह सेवा दल की मदद ली जा सकती है। इस मौके पर गाजियाबाद से सरदार एसपी सिंह, रविंद्र सिंह जॉली, कमलजीत सिक्का, रमनदीप वालिया, जितेंद्र सिंह सोनू उपस्थित थे।

व्यापारी के अपहरण मामले में तीसरा आरोपी गिरफ्तार

गाजियाबाद। मोदीनगर के गोविन्दपुरी के बिसोखर मार्ग पर एक सप्ताह पूर्व व्यापारी के अपहरण के प्रयास के मामले में फरार चल रहे तीसरे आरोपी को पुलिस ने गुरुवार की देर रात गिरफ्तार कर लिया। पुलिस दो आरोपियों को पहले ही गिरफ्तार कर जेल भेज चुकी है। श्यामसिंह बि?ल्डिंग के पीछे संतपुरा निवासी अचल सिंघल बीते 13 दिसंबर की सुबह पैदल अपनी दुकान जा रहा था। जैसे ही वह बिसोखर मार्ग पर पहुंचा, तभी कार सवार तीन बदमाशों ने अचल को जबरन धक्का देकर कार में बैठाकर भाग निकले। व्यापारी अचल सिंघल ने कार से कूदकर जान बचाई थी। पुलिस ने अज्ञात में रिपोर्ट दर्ज आरोपियों की तलाश शुरू कर दी थी। घटना के अगले के दिन मुठभेड़ के बाद पुलिस ने दो आरोपी बिजेन्द्र पुत्र सुखबीर और विकास सैनी को गिरफ्तार लिया था। मुठभेड़ के दौरान पैर में गोली लगने से बिजेन्द्र घायल हो गया था। तीसरा आरोपी गजेन्द्र फरार हो गया था। एसीपी ज्ञान प्रकाश राय ने बताया कि पुलिस ने फरार चल रहे तीसरे आरोपी गजेन्द्र पुत्र सुखबीर निवासी गांव बिसोखर को भी गिरफ्तार कर लिया। गजेन्द्र और बिजेन्द्र सगे भाई है।

सांसदों के निलंबन के विरोध में सपा का प्रदर्शन

नोएडा। शीतकालीन सत्र के दौरान 142 सांसदों को लोकसभा, राज्यसभा से निलंबित करने के विरोध में नोएडा में समाजवादी पार्टी के कार्यकर्ताओं ने सेक्टर-19 स्थित सिटी मजिस्ट्रेट कार्यालय पर धरना प्रदर्शन कर रोष जताया। सपा ने निलंबित सांसदों का निलंबन तुरंत वापस लिए जाने की मांग की। समाजवादी पार्टी नोएडा महानगर के कार्यकर्ता शुक्रवार सुबह सेक्टर.19 स्थित सिटी मजिस्ट्रेट कार्यालय पहुंचे। सपाइयों ने सिटी मजिस्ट्रेट कार्यालय पर धरना देकर जमकर नारेबाजी की। सपा नोएडा महानगर के महासचिव विकास यादव ने कहा कि मौजूदा शीतकालीन सत्र के दौरान लोकसभा के 95 और राज्यसभा के 46 सांसदों को सिर्फइस बात के लिए निलंबित कर दिया गया कि वह संसद में सुरक्षा चूक के मुद्दे पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मौजूदगी में गृहमंत्री अमित शाह के बयान की मांग कर रहे थे। सांसदों को जवाब देने के बजाय उन्हें निलंबित कर वर्तमान सरकार ने लोकतंत्र का गला घोटने का काम किया है। नोएडा में प्रदर्शन के दौरान उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार विपक्ष मुक्त संसद चाहती है ताकि अहम बिलों को मनमाने ढंग से पारित कर सके।

शुद्धिपत्र

ICICI Bank

दि पायनियर (अंग्रेजी) और दि पायनियर (हिन्दी) में प्रकाशित वाद आईसीआईसीआई बैंक लिमिटेड बनाम प्रशांत चौधरी एवं अन्य, सीएस (सीओएमएम) सं. 1894/22 दिनांक 20 दिसम्बर, 023 हेतु आईसीआईसीआई बैंक के प्रकाशन के संदर्भ में देखें। असावधानीवश त्रुटि के कारण "नोट : ईएमडी राशि का डीडी/पीओ आईसीआईसीआई बैंक लिमिटेड के पक्ष में दिल्ली में देय बनाया जाना है तथा सभी बोलीदाताओं को नीलामी में भाग लेने के लिए मूल डीडी/पीओ स्व-सत्यापित केवाईसी के साथ नीलामी स्थल पर प्रस्तुत करना होगा।" वर्णित नहीं किया गया था।

हम अतएव, आपसे "नोट : ईएमडी राशि का डीडी/पीओ आईसीआईसीआई बैंक लिमिटेड के पक्ष में दिल्ली में देय बनाया जाना है तथा सभी बोलीदाताओं को नीलामी में भाग लेने के लिए मूल डीडी/पीओ स्व-सत्यापित केवाईसी के साथ नीलामी स्थल पर प्रस्तुत करना होगा।" पढ़ने का अनुरोध करते हैं तथा शेष विवरण अपरिवर्तित है।

दिनांक : 22-12-2023 प्राधिकृत अधिकारी
स्थान : दिल्ली/एनसीआर आईसीआईसीआई बैंक लिमिटेड

सार्वजनिक सूचना

आम जनता को एतद्द्वारा सूचित किया जाता है कि श्रीमती कमलेश मेहता पत्नी स्वर्गीय श्री राज तिलक मेहता (जीपीए धारक), ने गाविंदपुरी, कालकाजी, नई दिल्ली-110019 में स्थित, ऊपरी भूतल और द्वितीय तल, छत अधिकार के साथ/बिना, एरिया परिमाप 40 वर्ग गज, संपत्ति सं. 1370-डीई/13 पर निर्मित, गली नं. 13, एरिया परिमाप 40 वर्ग गज, खसरा नंबर 93 मे से, पंजीकृत जनरल पावर ऑफ अटॉर्नी दिनांक 16.10.2005, पुस्तक सं. 04, दस्तावेज सं. 10886 के माध्यम से मालिक हैं श्री सुरिंदर खुराना और श्री राजेश खुराना दोनों पुत्र श्री दर्शन लाल खुराना, के द्वारा निष्पादित पंजीकृत जनरल पावर ऑफ अटॉर्नी दिनांक 16.10.2005 क्रमांक 10886 है सभी व्यक्तियों को एतद्द्वारा सूचित किया जाता हैं कि मोहम्मद मुनीर और श्रीमती शबाना परवीन (ऊपरी भूतल) और श्रीमती शाहिबा और मोहम्मद गुलशाद (द्वितीय तल) उक्त संपत्ति को एसएमएफजी इंडिया क्रेडिट कंपनी लिमिटेड (पूर्व में फुलर्टन इंडिया क्रेडिट कंपनी लिमिटेड) के पास गिरवी रख रहे हैं। यदि किसी व्यक्ति के पास उक्त संपत्ति में कोई प्रभार/हित/अधिकार है या किसी भी प्रकार का विवाद है, तो कृपया अधोहस्ताक्षरी को नीचे दिए गए पते पर लिखित रुप में वर्तमान से 07 दिनों के भीतर सूचित करें।

श्रीमती प्रसून लता, अधिवक्ता
एसजी एसोसिएट्स (लॉ फर्म)
एफएफ18, लोटस पॉन्ड प्लाजा, वैभव खंड, इंदिरापुरम, गाजियाबाद 201014
ईमेल:sgassociatespl@gmail.com,फोन:7011172764, 8130200837

कार्यालय अधिशासी अभियन्ता, निर्माण शाखा
उत्तराखण्ड पेयजल निगम, भीमताल (नैनीताल)
दूरभाष कार्यालयः- 05942-247895 Email eecd.btl@gmail.com

पत्रांक : 5754/535/164 अल्पकालीन निविदा सूचना दिनांक : 22.12.2023

अध्यक्ष, उत्तराखण्ड पेयजल निगम की ओर से अधोहस्ताक्षरी द्वारा निम्नलिखित कार्यो हेतु मोहरबन्द निविदा, दिनांक 09.01.2024 अपरान्ह 3:00 बजे तक आमंत्रित की जाती है, जो उसी कार्यदिवस में अपरान्ह 03:30 बजे उपस्थित निविदादाताओं अथवा उनके अधिकृत प्रतिनिधियों की उपस्थिति में इस कार्यालय में निविदा समिति द्वारा खोली जायेगी। उक्त दिनांकों में अवकाश घोषित होने की स्थिति में निविदा अगले कार्य दिवस को डाली/खोली जायेगी।

क्र0 सं0	विकासखण्ड	योजना का नाम	धरोहर धनराशि (रू0 में)	कार्य पूर्ण करने की अवधि	निविदा प्रपत्र का मूल्य
1	हल्द्वानी	हाथीखाल पेयजल योजना के अन्तर्गत अवशेष कार्य।	38000.00	3 माह	1500+ जी0एस0टी0

नोट :-
1. नियम एवं अन्य शर्तें किसी भी कार्य दिवस में प्रातः 10.00 बजे से सांय 5.00 बजे तक कार्यालय या नोटिस बोर्ड में देखी जा सकती है।
2. ठेकेदार/ फर्म द्वारा **पाईप लाइन कार्य श्रेणी डी एवं उच्चतर श्रेणी** में पंजीकृत होना अनिवार्य है।

अधिशासी अभियन्ता

"जल संचय -जीवन संचय" "कृपया जल स्त्रोतों को प्रदूषित होने से बचाइये"
"जल स्त्रोत बताइये-पेयजल योजना पाइये" "जल स्त्रोतों को प्रदूषित करना दण्डनीय अपराध है"

सांकेतिक कब्ज़े की सूचना

ICICI Bank **शाखा कार्यालय :** आईसीआईसीआई बैंक लिमिटेड, तीसरी मंज़िल, प्लॉट नंबर- 23, न्यू रोहतक रोड, करोल बाग, दिल्ली- 110005.

जबकि

अधोहस्ताक्षरी ने वित्तीय परिसंपत्तियों के प्रतिभूतिकरण एवं पुनर्निर्माण तथा प्रतिभूति हित प्रवर्तन अधिनियम, 2002 के अंतर्गत आईसीआईसीआई बैंक लिमिटेड के प्राधिकृत अधिकारी के रूप में तथा प्रतिभूति हित (प्रवर्तन) नियमावली, 2002 के नियम 3 के साथ पठित धारा 13(12) के अधीन प्रदत्त शक्तियों का उपयोग करते हुए नीचे वर्णित कर्ज़दारों को माँग सूचनाएँ निर्गमित की थीं, जिसमें उक्त सूचना की प्राप्ति की तिथि से 60 दिनों के अंदर सूचना में वर्णित राशि का प्रतिभुगतान करने को कहा गया था।

कर्ज़दार/सह-कर्ज़दार/ज़मानतदार राशि का प्रतिभुगतान करने में विफल रहे हैं, अतएव एतद् द्वारा कर्ज़दार तथा जनसाधारण को सूचित किया जाता है कि अधोहस्ताक्षरदाता द्वारा सांकेतिक अधिग्रहण किया गया है जो कि उक्त अधिनियम की धारा 13(4) के तहत नियम 8 में दर्शाया गया है। संपत्ति तथा अधिग्रहण की तिथि नीचे दर्शाई गई है। एतद् द्वारा विशेष रूप से कर्ज़दार एवं जनसाधारण को संपत्ति के संव्यवहार नहीं करने के लिए सचेत किया जाता है तथा संपत्ति के साथ कोई भी संव्यवहार इसमें वर्णित राशि तथा उस पर आगे ब्याज हेतु आईसीआईसीआई बैंक लिमिटेड के प्रभार के अधीन होगा।

क्र. सं.	कर्ज़दार/ सह-कर्ज़दार का नाम/ ऋण खाता क्र.	संपत्ति का विवरण/ सांकेतिक कब्ज़े की तिथि	डिमांड नोटिस की तिथि/ डिमांड नोटिस में राशि (रु.)	शाखा का नाम
1.	हेमलता चौधरी/ कमलेश/ LBHDI00006238865/ LBRUD00006415560	खसरा नंबर 656के, खेत नंबर 612जी, बियरिंग हाउस विला नंबर 47, ग्राम हलद्वानी तल्ली तहसील हलद्वानी उत्तराखंड- 263141/ दिसंबर 20, 2023	जुलाई 25, 2023 रु. 61,47,159/-	हलद्वानी/ गाज़ियाबाद

उपरोक्त दर्शाए गए कर्ज़दार/सह-कर्ज़दार एवं ज़मानतदारों को सूचित किया जाता है कि इस सूचना के प्रकाशन से 30 दिनों के अंदर राशि का भुगतान करें, अन्यथा 30 दिनों की समाप्ति के पश्चात् अधिग्रहित संपत्ति की नीलामी कर दी जाएगी जो पूर्णतः नियम 8 और 9 प्रतिभूति हित (प्रवर्तन) नियमावली, 2002 के अंतर्गत है।

दिनांक : दिसंबर 22, 2023 प्राधिकृत अधिकारी
स्थान : गाज़ियाबाद आईसीआईसीआई बैंक लि.

नोएडा के मूर्तिकार बनाएंगे मुलायम सिंह की प्रतिमा

नोएडा। नोएडा में रहने वाले सुप्रसिद्ध मूर्तिकार राम वी सुतार अब मुलायम सिंह यादव की प्रतिमा बनाएंगे। आपको बता दें कि बीते सोमवार मुलायम सिंह के पुत्र और समाजवादी पार्टी के प्रमुख अखिलेश यादव ने पद्म भूषण मूर्तिकार राम वी सुतार से नोएडा में मुलाकात की थी और उनसे अपने पिता और उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री मुलायम सिंह यादव की प्रतिमा बनाने का आग्रह किया था।

नोएडा में मुलाकात के दौरान अखिलेश यादव ने मूर्तिकार राम वी सुतार को सैफई आने के लिए भी आमंत्रित किया है। मशहूर मूर्तिकार राम वी सुतार गुजरात में सरदार वल्लभभाई पटेल की स्टैच्यू ऑफ यूनिटी, समेत कई प्रसिद्ध मूर्तियों का निर्माण कर चुके हैं। मूर्ति का क्या प्रारूप होगा और उसका कद कितना बड़ा होगा यह सभी चीजे बाद में तय होगी। राम वी सुतार ने भारत में राजनेताओं से लेकर ऐतिहासिक नायकों तक की इतनी मूर्तियों को बनाने में योगदान दिया है।

निगम की जमीन पर ग्रुप हाउसिंग बनाने वालों पर होगी कार्रवाई: मेयर

● आरोपी कई बिल्डरों को महापौर नोटिस करेंगी जारी

पायनियर समाचार सेवा। गाजियाबाद

मेयर सुनीता दयाल अब सरकारी जमीन पर ग्रुप हाउसिंग के नाम पर जमीन कब्जा करने वाले बिल्डरों के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करने जा रही हैं। बता दें कि इन बिल्डरों में भाजपा के कुछ बड़े नेता भी शामिल हैं। मेयर उन पर भी कार्रवाई का मन बना चुकी हैं। ऐसे बिल्डर जिन्होंने नगर निगम की सरकारी जमीन को कब्जे में लेकर ग्रुप हाउस की योजना तैयार की है उसकी जांच कराई जाएगी।

ऐसे बिल्डर जिन्होंने बदले में निगम को उसकी जमीन वापस नहीं की है उनसे बदले में निगम जमीन लेगा। मेयर सुनीता दयाल ने यह जानकारी दी। मेयर का कहना है कि मुझे पता चला कि कई ऐसे बिल्डर है जिन्होंने नगर निगम की जमीन को अपनी योजना में शामिल किया। इसके लिए नगर निगम के प्रॉपर्टी विभाग से कुछ बिल्डरों ने एनओसी ली। एनओसी लेने के दौरान संबंधित बिल्डरों ने वादा किया था कि वह बदले में जमीन निगम को दी जाएगी। मेयर ने बताया कि जानकारी में आया है कि कई ऐसे बिल्डर है जिन्होंने निगम की जमीन अपनी योजना में शामिल करने के बाद बाद में नगर निगम को बदले में जमीन नहीं दी है। मेयर ने बताया कि यह एक गंभीर मामला है। इसकी जांच कराई जाएगी। जांच के दौरान पता लगाया जाएगा कि कितने बिल्डर है जिन्होंने निगम की जमीन बदले में नहीं दी है। इसके बाद नोटिस जारी कराया जाएगा। मेयर ने कहा कि नगर निगम की बेशकीमती जमीन को बिल्डरों से खाली कराया जाएगा।

आरआरटीएस ने बढ़ाया सौलर एनर्जी की दिशा में एक और कदम

● साहिबाबाद और दुहाई डिपो स्टेशन पर स्थापित अत्याधुनिक सौर ऊर्जा प्लांट का उद्घाटन

पायनियर समाचार सेवा। गाजियाबाद

एनसीआरटीसी के प्रबंध निदेशक विनय कुमार सिंह ने साहिबाबाद और दुहाई डिपो स्टेशन पर स्थापित अत्याधुनिक सोलर पावर प्लांट्स का उद्घाटन किया। इसके साथ एनसीआरटीसी ने सस्टेनेबिलिटी की दिशा में एक और सशक्त कदम उठाया है।

1620 उच्च दक्षता वाले सौर पैनलों से सुसज्जित साहिबाबाद स्टेशन पर स्थापित सोलर पावर प्लांट की कुल क्षमता 729 किलोवाट है। स्टेशन के ऑक्ज़लिरी लोड के लिए लगभग 7.3 लाख प्रति वर्ष की वार्षिक खपत के मुकाबले यह प्लांट प्रति वर्ष लगभग 10 लाख यूनिट बिजली उत्पन्न करेगा। इस उद्घाटन के

साथ, साहिबाबाद स्टेशन एक ग्रीन स्टेशन होने के साथ ही कार्बन नेगेटिव होने की उपलब्धि भी प्राप्त कर लेगा। वहीं दूसरी ओर, 320 सौर पैनलों से सुसज्जित दुहाई डिपो स्टेशन पर स्थापित सोलर पावर प्लांट की इंस्टॉल्ड कैपेसिटी 108 किलोवाट है।

इससे पहले इस साल जुलाई में, दुहाई स्थित आरआरटीएस डिपो में 585 की इंस्टॉल्ड कैपेसिटी के साथ एक सौर ऊर्जा संयंत्र स्थापित किया गया था, जिसके साथ ही यह डिपो एक ग्रीन डिपो बन गया था। इस पहल के साथ एनसीआरटीसी ने सस्टेनेबिलिटी की दिशा में एक बड़ी प्रगति हासिल कर ली है, क्योंकि यह तीनों सोलर पावर प्लांट से प्रति वर्ष कुल लगभग 1600 टन कार्बन डाइऑक्साइड (सीओ2) उत्सर्जन कम होने की उम्मीद है। उत्सर्जन में यह कमी पारंपरिक जीवाश्म ईंधन-आधारित बिजली स्रोतों के बजाय स्वच्छ और हरित सौर ऊर्जा का प्रयोग करके हासिल की गई है। सौर ऊर्जा में की ओर बढ़ाया गया यह कदम, ऑपरेशनल कॉस्ट को अनुकूलित करते हुए कार्बन फुटप्रिंट को कम करने की एनसीआरटीसी की प्रतिबद्धता के अनुरूप है। एनसीआरटीसी द्वारा की जा रही ये सौर पहल, मार्च 2021 में अपनाई गई इसकी सौर नीति के अनुरूप हैं, जिसका लक्ष्य अगले पांच वर्षों में स्टेशनों, डिपो और अन्य सुविधाओं में लगभग 11 मेगावाट की इन-हाउस सौर ऊर्जा उत्पन्न करके ट्रैक्शन और नॉन-ट्रैक्शन उद्देश्यों के लिए नवीकरणीय ऊर्जा की हिस्सेदारी को बढ़ाना है।

स्वच्छ और हरित पर्यावरण की दिशा में योगदान देने के लिए, एनसीआरटीसी ने इंडियन ग्रीन बिल्डिंग काउंसिल (आईजीबीसी) प्रमाणन की उच्चतम रेटिंग प्राप्त करने के लक्ष्य की ओर भी एक कदम आगे बढ़ाया है। इस दिशा में, एनसीआरटीसी को हाल ही में से गाजियाबाद रिसीविंग सब स्टेशन (आरएसएस) और साहिबाबाद आरआरटीएस स्टेशन के लिए प्रतिष्ठित प्रोजेक्ट अवार्ड फॉर आईजीबीसी की सर्वोच्च, प्लैटिनम रेटिंग से सम्मानित किया गया है।

इसके अलावा, हरित ऊर्जा और न्यूनतम जल खपत प्रणाली से सुसज्जित आरआरटीएस, इस हरित परिवहन मॉडल में समग्र यात्री अनुभव को बेहतर बनाएगा और सार्वजनिक परिवहन के अधिक से अधिक उपयोग को भी प्रोत्साहित करेगा।

पायनियर
नई दिल्ली, शनिवार, 23 दिसंबर, 2023

रोहिणी कोर्ट परिसर की हालत पर आतिशी नाराज

30 तक पीडब्ल्यूडी व प्रधान सचिव मिलकर तैयार करें विस्तृत मेंटेनेंस कॉंट्रैक्ट ड्राफ्ट

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

कानून व लोक निर्माण विभाग की मंत्री आतिशी ने रोहिणी कोर्ट काम्प्लेक्स की दयनीय हालत पर नाराजगी जताई है। इस बाबत उन्होंने प्रधान सचिव पीडब्ल्यूडी को निर्देश दिए है कि, 30 दिसंबर तक प्रधान सचिव पीडब्ल्यूडी, क़ानून विभाग के प्रधान सचिव के साथ बातचीत कर कोर्ट परिसर के लिए विस्तृत मेंटेनेंस कॉंट्रैक्ट का ड्राफ्ट तैयार करें।

रोहिणी कोर्ट काम्प्लेक्स में खराब फैसिलिटीज मेंटेनेंस पर जजों और वकीलों से आई रही शिकायतों पर संज्ञान लेते हुए कानून मंत्री ने रोहिणी कोर्ट परिसर का दौरा किया।

इस दौरान मंत्री ने पाया कि, कोर्ट परिसर की हालत दयनीय है। पूरी इमारत में सीलन की बड़ी समस्या है और इस कारण दीवारों और छत से पानी रिस रहा है। सीलन के कारण दीवारें नम और गंदी हो गई है और दीवारों से पेंट और सीमेंट उखड़ रहा है। फॉल्स सीलिंग भी खराब हालत में है, उसके कई पैनल गायब है और तार भी लटक रहे है। कोर्ट रूम और वकीलों के चैम्बर में उचित रखरखाव का अभाव था। कोर्ट परिसर में बिल्डिंग की साफ - सफाई भी एक बड़ा मुद्दा था।

यहाँ शौचालय, विशेषकर महिलाओं के शौचालय, गंदगी से अटेपटे में थे। आतिशी ने इमारत के बेसमेंट का भी निरीक्षण किया, जिसकी हालत बहुत खराब थी। यहाँ बिजली की फिटिंग गायब थी, सीढ़ियां टूटी हुई और अंधेरा था। परिसर की इस स्थिति को देखकर मंत्री भड़क गई। उन्होंने कहा कि, रोहिणी कोर्ट कॉम्प्लेक्स का उपयोग बड़ी संख्या में जजो, वकीलों और उनके कर्मचारियों द्वारा किया जाता है। ऐसे में यह सुनिश्चित करना सरकार की जिम्मेदारी है कि इन लोगों को यहाँ अपना काम करने के दौरान किसी असुविधा का सामना नहीं करना पड़े। इस कोर्ट में न्याय की तलाश में,अपने कानूनी मुद्दों को सुलझाने के लिए रोजाना हजारों लोग भी आते हैं। उन्हें भी असुविधा पहुँचाना अमानवीय होगा।

इसलिए, कोर्ट परिसर में बेहतर कोर्ट रूम, चैम्बर्स, स्वच्छ शौचालय जैसी बुनियादी सुविधाएं प्रदान करना और उन्हें ठीक स्थिति में रखना बहुत महत्वपूर्ण है। मंत्री ने कहा कि, नियमों के अनुसार सभी अदालतों में बुनियादी सुविधाएँ मौजूद होनी चाहिए।

यह संयुक्त रूप से पीडब्ल्यूडी और कानून विभाग की जिम्मेदारी है। रोहिणी कोर्ट काम्प्लेक्स के अधिकांश मुद्दों को मेंटेनेंस कॉंट्रैक्ट के रूप में एक व्यापक फैसिटिली मैनेजमेंट सिस्टम जिसमें इमारत की साफ - सफाई, बुनियादी रखरखाव आदि शामिल हो, द्वारा आसानी से हल किया जा सकता है। यहां फैसिलिटी मैनेजर जजों, वकीलों और आम जनता के सामने कोर्ट परिसर में आने वाले दिन-प्रतिदिन के समस्याओं को देखते हुए समाधान कर सकता है।

दिल्ली के बजट को पार कर गया है जल बोर्ड का घाटा : बिधूड़ी

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

- बोले- घाटा 80 हजार करोड़ तक पहुंचने की आशंका, बजट है 73 हजार करोड़ का

नेता प्रतिपक्ष रामवीर सिंह बिधूड़ी ने कहा है कि केजरीवाल सरकार के भ्रष्टाचार और गलत नीतियों के चलते दिल्ली जल बोर्ड का घाटा दिल्ली के कुल बजट जितना हो चुका है। दिल्ली सरकार का वर्ष 2023-24 का कुल बजट 73 हजार करोड़ का था और जल बोर्ड का घाटा भी 73 हजार करोड़ को पार कर चुका है। अभी भी स्थिति संभली नहीं है और जल बोर्ड की कंगाली का आलम यह है कि उसके पास छोटी-मोटी मरम्मत कराने के लिए भी पैसा नहीं है। पिछले सप्ताह ही 537 करोड़ रुपया जारी किया गया है लेकिन केवल ठेकेदारों के ही एक हजार करोड़ से ज्यादा के बिल बकाया पड़े हैं। बिधूड़ी ने कहा कि वर्ष 2013-14 में डीजेबी में 600 करोड़ रुपये सरप्लस थे लेकिन गलत नीतियों और भ्रष्टाचार के कारण नौ सालों में ही जल बोर्ड कंगाली के कगार पर पहुंच गया है।

रामवीर सिंह बिधूड़ी ने कहा कि हाल ही खत्म हुए विधानसभा के सत्र में उन्होंने सरकार से जल बोर्ड के घाटे पर सवाल पूछा था जिसमें यह जवाब आया कि 2022-23 वर्ष में ही दिल्ली जल बोर्ड पर 73196.55 करोड़ रुपया का ऋण हो चुका है। वर्तमान वित्तीय वर्ष यानी 2023-24 में तो यह अवश्य ही 80 हजार करोड़ तक पहुंच चुका होगा। नेता प्रतिपक्ष ने याद दिलाया कि आम आदमी पारर्टी की सरकार ने वर्ष 2023-24 के लिए जो बजट पेश किया था, वह कुल 73760 करोड़ रुपए का था यानी दिल्ली का पूरा बजट भी यदि जल बोर्ड में झोंक दिया जाए, तो भी उसका घाटा पूरा नहीं होगा। उन्होंने कहा कि जल बोर्ड भ्रष्टाचार की एक खान बन चुका है जिसमें जितना भी राजस्व डाल दिया जाए, उसका घाटा उतना ही बढ़ता जा रहा है। इस साल के बजट में डीजेबी के लिए कुल 6342 करोड़ रुपए दिए गए थे। इतने से भी काम नहीं चला। हाल ही में जल मंत्री आतिशी ने हाई कोर्ट के सामने जो शपथ पत्र दाखिल किया है, उसमें कहा गया है कि जल बोर्ड के पास छोटी-मोटी मरम्मत के लिए भी पैसा नहीं है। पिछले सप्ताह 537.1 करोड़ रुपए जल बोर्ड के लिए जारी किए गए हैं लेकिन वह ऊंट के मुंह में जीरे के समान हैं क्योंकि 1021 करोड़ रुपए से ज्यादा बकाया तो उन ठेकेदारों का है जिन्होंने जल बोर्ड के योजनाओं को पूरा करके बिल पेश कर दिए हैं। जल बोर्ड के पास भुगतान के लिए पैसा न होने के कारण उन्होंने आगे काम करना भी बंद कर दिया है।

नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि जल बोर्ड के कार्यकलाप की जांच सीबीआई से कराई जानी चाहिए क्योंकि वर्ष 2017-18 के बाद जल बोर्ड का ऑडिट नहीं हुआ है। तब से बैलेंस शीट भी नहीं बनी है।

हैरानी की बात यह है कि जल बोर्ड को यमुना की सफाई के लिए जो पैसा दिया गया था, वह भी दूसरे प्रोजेक्ट में डायवर्ट कर दिया गया है। जल बोर्ड हर साल पानी के रेट बढ़ा रहा है और जल बोर्ड के उपभोक्ता भी हर साल बढ़ रहे हैं और राजस्व भी बढ़ रहा है लेकिन घाटा लगातार बढ़ता जा रहा है।

दिल्ली जल बोर्ड के कनेक्शन 2014-15 में 18.94 लाख थे और राजस्व 1408 करोड़ रुपए का था। अब कनेक्शन 27.64 लाख हैं और राजस्व 1827 करोड़ का है, लेकिन फिर घाटा क्यों लगातार बढ़ रहा है।

मुख्य साजिशकर्ता की हिरासत पांच जनवरी तक बढ़ी

संसद सुरक्षा चूक

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

अदालत ने संसद सुरक्षा चूक मामले में कथित मुख्य साजिशकर्ता ललित झा की हिरासत शुक्रवार को पांच जनवरी तक के लिए बढ़ा दी। विशेष न्यायाधीश हरदीप कौर ने दिल्ली पुलिस की अर्जी पर आरोपी झा की हिरासत की अवधि बढ़ाई। पुलिस ने अदालत से कहा कि जांच महत्वपूर्ण चरण में है और आरोपी को जांच के लिए विभिन्न स्थानों पर ले जाए जाने की आवश्यकता है।

लोक अभियोजक ने अदालत से कहा कि पूरे षड्यंत्र का पता लगाने और मामले की तह तक जाने के लिए आरोपी से पूछताछ करने की आवश्यकता है। लोक अभियोजक ने कहा, हमें षड्यंत्र में शामिल असल लोगों का पता लगाने की आवश्यकता है। इस मामले की जांच करते हुए इसे समग्रता से देखे जाने की जरूरत है। हमें अपराध का असल मकसद पता करना होगा।

पुलिस ने अदालत से पहले कहा था कि झा इस पूरी घटना का मुख्य साजिशकर्ता है। दिल्ली की एक अदालत ने संसद की सुरक्षा में सेंध मामले में गिरफ्तार चार आरोपियों मनोरंजन डी, सागर शर्मा, अमोल धनराज शिंदे और नीलम देवी की पुलिस हिरासत की अवधि बृहस्पतिवार को पांच जनवरी तक बढ़ा दी थी।

इस बीच एक संबंधित घटनाक्रम में, दिल्ली उच्च न्यायालय ने शुक्रवार को निचली अदालत के उस फैसले पर रोक लगा दी जिसमें पुलिस को निर्देश दिया गया था कि वह संसद की सुरक्षा में चूक के मामले की आरोपी नीलम देवी को प्राथमिकी की प्रति उपलब्ध कराए। पुलिस के वकील ने तर्क दिया कि संवेदनशील मामलों में आरोपी को आयुक्त से संपर्क करना होता है जो प्राथमिकी की प्रति मुहैया कराने के आवेदन पर निर्णय लेने के लिए एक समिति का गठन करता है और यदि इसे अस्वीकार कर दिया जाता है तो आरोपी राहत के लिए अदालत का रुख कर सकता है। दिल्ली पुलिस ने कहा कि निचली अदालत ने आरोपी को प्राथमिकी की प्रति उपलब्ध कराने का पुलिस को निर्देश देकर गलती की है। स्पेशल सेल को संदेह है कि संसद सुरक्षा सेंध मामले में गिरफ्तार छह लोगों में शामिल मनोरंजन डी षड्यंत्र का सरगना था और कुछ बड़ा करके सरकार को संदेश देने के लिए यह साजिश रची गई थी। पुलिस के अनुसार, एक और आरोपी ललित झा ने जांचकर्ताओं को बताया है कि मनोरंजन ने कुछ बड़ा करने के लिए अन्य सदस्यों को प्रेरित किया था और संसद की सुरक्षा में सेंध लगाने की योजना बनाई थी और झा की भूमिका घटना के बात सबूत मिटाने की थी।

केजरीवाल को ईडी ने भेजा तीसरा समन, 3 जनवरी को बुलाया

नई दिल्ली। प्रवर्तन निदेशालय ने आबकारी नीति से जुड़े धनशोधन मामले की जांच के सिलसिले में मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को तीसरा समन जारी किया है।

ईडी ने उनसे तीन जनवरी को पेश होने के कहा है। इससे पहले उन्हें दो नवंबर और 21 दिसंबर को नोटिस जारी किया गया था, लेकिन उन्होंने एजेंसी के सामने पेश होने से इनकार कर दिया था। मुख्यमंत्री फिलहाल विपश्यना के लिए गए हैं।

दूसरे समन पर केजरीवाल ने मामले के जांच अधिकारी को लिखे एक पत्र में कहा था कि व्यक्तिगत पेशी के लिए उनके खिलाफ जारी किया गया नोटिस कानून के अनुरूप नहीं है और इसे वापस लिया जाए।

सिग्नेचर व्यू अपार्टमेंट के लोगों को बेदखली का नोटिस जारी

नई दिल्ली। उत्तर पश्चिमी दिल्ली के मुखर्जी नगर में बने सिग्नेचर व्यू अपार्टमेंट के निवासियों को दिल्ली नगर निगम ने बेदखली का नोटिस जारी किया है, जिसमें उन्हें सोसायटी को इंसानों के रहने के लिए अयोग्य घोषित करते हुए सोमवार तक इसे खाली करने को कहा गया है।

वर्ष 2007-09 में मध्यम आय समूह (एमआईजी) और उच्च आय समूह (एचआईजी) के 336 फ्लैटों के साथ निर्मित इस अपार्टमेंट परिसर को निर्माण संबंधी कुछ मुद्दे के कारण दिल्ली विकास प्राधिकरण (डीडीए) ने ध्वस्त करने का फैसला किया है।

18 दिसंबर को जारी किए गए नोटिस में कहा गया है कि सोसायटी खतरनाक और रहने लायक नहीं है तथा निवासियों को इसे सात दिनों में खाली कर देना चाहिए। एसोसिएशन ने कहा कि वे सोसाइटी खाली करने के लिए तैयार हैं, बशर्ते कि नए फ्लैटों के निर्माण तक उन्हें प्राधिकरण द्वारा किराए का भुगतान किया जाए। खराब गुणवत्ता वाले निर्माण की शिकायतें करने के बाद डीडीए द्वारा नियुक्त सलाहकार की सलाह पर टावर को ध्वस्त करने का निर्णय लिया गया।

संक्षिप्त समाचार

संजय सिंह की जमानत याचिका खारिज

नई दिल्ली। अदालत ने आबकारी नीति घोटाले से संबंधित धन शोधन मामले में आम आदमी पार्टी के नेता संजय सिंह की जमानत याचिका शुक्रवार को खारिज कर दी। विशेष न्यायाधीश एम.के. नागपाल ने राज्यसभा सदस्य सिंह की जमानत याचिका खारिज की। इससे पहले बृहस्पतिवार को अदालत ने अपनी कार्यवाही स्थगित कर दी थी और कहा था कि वह सिंह की जमानत याचिका पर 22 दिसंबर को फैसला सुनाएगी। सिंह की जमानत अर्जी पर बहस के दौरान उनके वकील ने कहा था कि सिंह को रिश्वत देने के बारे में आरोपी से सरकारी गवाह बने दिनेश अरोड़ा और अन्य गवाहों के बयानों में विरोधाभास हैं। ईडी ने सिंह के आवेदन का विरोध करते हुए कहा था कि जांच अभी चल रही है और अगर उन्हें जमानत पर रिहा किया गया तो वह जांच में बाधा डाल सकते हैं, सबूतों के साथ छेड़छाड़ कर सकते हैं और गवाहों को प्रभावित कर सकते हैं। धनशोधन रोकथाम एजेंसी ने सिंह को चार अक्टूबर को गिरफ्तार किया था।

जनवरी में क्लस्टर बेड़े में 200 इलेक्ट्रिक बसें जुड़ेगी

नई दिल्ली। दिल्ली में नए साल में अपने क्लस्टर बेड़े में 200 इलेक्ट्रिक बसें शामिल होगी, जिससे उनकी कुल संख्या 1,500 हो जाएगी। वर्तमान में राष्ट्रीय राजधानी में 1,300 इलेक्ट्रिक बसें संचालित करता है, जिनमें से 500 को इस महीने की शुरुआत में हरी झंडी दिखाई गई थी। परिवहन मंत्री कैलाश गहलौत ने कहा कि दिल्ली इंटीग्रेटेड मल्टी-मोडल ट्रांजिट सिस्टम लिमिटेड (डीआईएमटीएस) क्लस्टर बसों की निगरानी और प्रबंधन करता है। जबकि इलेक्ट्रिक बसें पहले ही डीटीसी बेड़े में शामिल हो चुकी हैं, डीआईएमटीएस को जल्द ही 200 बसें मिलेंगी। सौ बसें पहले ही आ चुकी हैं और बाकी के बैचों में आने की उम्मीद है। हम 100 और बसों के आने की उम्मीद कर रहे हैं और इन्हें जनवरी के मध्य में हरी झंडी दिखाए जाने की संभावना है। नई बसें शहर सरकार के लिए एक और मील का पत्थर साबित होंगी। डीटीसी की मौजूदा 1,300 बसों के साथ, यह विस्तार न केवल दिल्ली की परिवहन प्रणाली को मजबूत करेगा बल्कि योगदान भी देगा। गहलौत ने कहा कि उन्होंने आगे कहा, कुल मिलाकर, लगभग 3,000 इलेक्ट्रिक बसों को क्लस्टर बस बेड़े में शामिल किया जाएगा।

झपटमारी की घटना में घायल महिला की मौत

नई दिल्ली। झपटमारी के दौरान ई-रिक्शा से गिरने वाली महिला ने इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। आरोपी के खिलाफ भारतीय दंड संहिता की धारा 302 के तहत हत्या की धारा प्राथमिकी में जोड़ा जाएगा। पुलिस के मुताबिक,उत्तरी दिल्ली के सिविल लाइन्स इलाके में हुई जब अरुणाचल प्रदेश के रहने वाले केसांग दोरजी ई-रिक्शा में मजनू का टीला से विधानसभा मेट्रो स्टेशन जा रहे थे। एक व्यक्ति आया और दोरजी का बैग छीन लिया, जिसके बाद वह जमीन पर गिर गईं और उनके सिर में चोट लग गई। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने कहा कि महिला के परिवार के सदस्य उसे आगे के इलाज के लिए उत्तराखंड के देहरादून ले गए जहां गुरुवार को उसकी मौत हो गई।

पहलवानों के मुद्दे पर आप ने केंद्र पर साधा निशाना

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

आम आदमी पार्टी ने भारतीय कुश्ती महासंघ के पूर्व अध्यक्ष बृजभूषण शरण सिंह के खिलाफ यौन उत्पीड़न के आरोप लगाने वाली पहलवानों के साथ किए गए बर्ताव को लेकर केंद्र सरकार पर निशाना साधा।

आम आदमी पार्टी के विधायक दुर्गेश पाठक ने कहा कि मीडिया में दिए गए पहलवानों के बयान से उन्हें बहुत दुख हुआ। जिन्होंने देश का नाम रोशन किया, की आंखों में आंसू और सीने में दर्द था। पाठक ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी पहलवानों के पदक जीतने पर उनके साथ खड़ी थी, लेकिन संकट के समय उसने उनका साथ छोड़ दिया। उन्होंने आरोप लगाया, जब वे पदक जीतते हैं, तो पूरी भाजपा अपने होर्डिंग्स लगाती है और यह दिखाने की कोशिश करती है कि केंद्र के प्रयासों के कारण उन्होंने पदक जीते, लेकिन जब वे संघर्ष कर रहे थे, तो कोई उनके साथ नहीं खड़ा था। पाठक ने पहलवानों से कहा कि वह यह लड़ाई लंबी है लेकिन हार बिल्कुल ना मानें। पूरा देश उनके साथ खड़ा है। जब इतिहास लिखा जाएगा तो भाजपा महिलाओं का शोषण करने वाले के साथ खड़ी रही।

ट्रामाडोल की 3.40 लाख टैबलेट जब्त, दो धरे

- नशीली दवाओं को पंजाब के अमृतसर में आपूर्ति करना था

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

स्पेशल सेल ने अंतरराज्यीय ड्रग सिंडिकेट का भंडाफोड़ करते हुए दो तस्करों को गिरफ्तार किया है। दोनों पंजाब के शहरों नशीली दवाई की सप्लाई करते थे।

इन लोगों के कब्जे से ट्रामाडोल की 3,40,490 गोलियाँ जब्त की गई हैं। जिसकी कीमत 2 करोड़ रुपये आंकी गई है। बरामद ट्रामाडोल की गोलियां पंजाब के अमृतसर में आपूर्ति की जानी थी। आरोपियों की पहचान योगेश तुलसानी और अरविंद कुमार शर्मा के रूप में हुई है। पुलिस उपायुक्त इंजीत प्रताप सिंह के अनुसार स्पेशल सेल को मुखबिर से सूचना मिली थी कि दिल्ली एनसीआर में एक अंतरराज्यीय ड्रग सिंडिकेट सक्रिय है और नशीली दवाओं की तस्करी भारी मुनाफा कमाने के लिए प्रतिबंधित इकोट्रोपिक पदार्थ बेचने की फिराक में हैं।

प्रतिबंधित दवाओं की एक बड़ी खेप शालीमार बाग में योगेश के घर पर संग्रहीत और स्टॉक की गई है। स्पेशल सेल की टीम ने छापा मारकर ऑटो में सवार योगेश तुलसानी बरामद कार्टूनों में से दो अलग-अलग कंपनियों के कई छोटे-छोटे डिब्बों में ट्रामाडोल हाइड्रोक्लोराइड की गोलियां बरामद की गईं।

इस बीच, एक अन्य आरोपी, जिसका नाम अरविंद कुमार शर्मा है, आरोपी योगेश तुलसानी को सामान देने के लिए पांच कार्टन में ट्रामाडोल हाइड्रोक्लोराइड गोलियां थी।

खाद्य ट्रकों को खड़ा करने के लिए जगह चिन्हित

- राजीव चौक मेट्रो स्टेशन और सलीमगढ़ खंड के पास खड़े होंगे

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

दिल्ली सरकार ने रात्रिकालीन अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देने की अपनी महत्वाकांक्षी योजना के तहत खाद्य ट्रकों को खड़ा करने के लिए दो स्थानों को चिन्हित किया है। अधिकारियों ने कहा कि खाद्य ट्रकों पर नीति का मसौदा दिल्ली के पर्यटन मंत्री सौरभ भारद्वाज को सौंपी गया है और यह विचाराधीन है।

एक वरिष्ठ सरकारी अधिकारी ने कहा, नीति का मसौदा तैयार कर लिया गया है और दस्तावेज मंत्री को सौंप दिया गया है। मंजूरी मिलते ही इसे सार्वजनिक प्रतिक्रिया के लिए वेबसाइट पर डाला जाएगा। हालांकि, इसमें भूमि के टुकड़ों का उल्लेख नहीं है, क्योंकि विभिन्न एजेंसियों से अभी इनका अधिग्रहण किया जाना है। नीति में कहा गया है कि भूमि का एक चिन्हित टुकड़ा एक रियायती को सौंप दिया जाएगा जो क्षेत्र में खाद्य ट्रक लाएगा। रियायती को विभिन्न एजेंसियों से अनुमति और लाइसेंस प्राप्त करने का काम सौंपा जाएगा, जबकि दिल्ली पर्यटन और परिवहन विकास निगम सुविधा प्रदाता के रूप में कार्य करेगा। दिल्ली सरकार ने पहले इन खाद्य ट्रकों का खड़ा करने के लिए 16 स्थानों की पहचान की थी, लेकिन संबंधित एजेंसियों के विरोध के बाद योजना बाधित हो गई। वरिष्ठ सरकारी अधिकारी ने कहा, मोबाइल या स्थिर खाद्य ट्रक रखने पर चर्चा हुई। कुछ एजेंसियां अनुमति के मुद्दों के कारण मोबाइल खाद्य ट्रक रखने के लिए तैयार नहीं थीं। हमें रात आठ बजे से दो बजे तक खाद्य ट्रक रखने के लिए जगह की भी आवश्यकता है। अधिकारी ने कहा, दिल्ली मेट्रो रेल निगम ने कहा है कि उसकी जमीन पर रात 10 बजे से पहले पार्किंग मुफ्त नहीं है क्योंकि मेट्रो सेवाएं देर तक चलती हैं। खाद्य ट्रकों को खड़ा करने के लिए राजीव चौक मेट्रो स्टेशन और सलीमगढ़ खंड के पास दो स्थानों की पहचान की गई है।

गृह मंत्रालय द्वारा चलाए जा रहे 'वतन को जानो' कार्यक्रम के तहत जम्मू-कश्मीर के 250 स्कूली बच्चों ने लोक कल्याण मार्ग से पटेल चौक तक दिल्ली मेट्रो में यात्रा की। उन्होंने मेट्रो संग्रहालय का भी दौरा किया और उन्हें दिल्ली मेट्रो के बारे में जानकारी दी गई।

भारत को दुनिया का नंबर-1 देश बनाएंगे छात्र : आतिशी

एलजी-शिक्षा मंत्री ने दिल्ली फार्मास्यूटिकल साइंसेज एंड रिसर्च यूनिवर्सिटी के दीक्षांत समारोह में छात्रों को सौंपी डिग्रियां

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

दीक्षांत समारोह में छात्र को डिग्री करते एलजी विनय सक्सेना व शिक्षा मंत्री आतिशी।

उपराज्यपाल विनय कुमार सक्सेना और उच्च शिक्षा मंत्री आतिशी दिल्ली फार्मास्यूटिकल साइंसेज एंड रिसर्च यूनिवर्सिटी के छठें दीक्षांत समारोह में शामिल हुई और 605 ग्रेजुएट छात्रों को डिग्रियां प्रदान कर सम्मानित किया। इस मौके पर उन्होंने छात्रों को प्रोत्साहित करते हुए कहा कि, आप स्टूडेंट्स को इस विवि ने आगे बढ़ने का मौका दिया है।

अब छात्रों की यह जिम्मेदारी है कि अपने शानदार काम के बदौलत वे देश को आगे लेकर जाए और भारत को दुनिया का नंबर-1 देश बनाएं। आतिशी ने कहा कि वर्ष 2015 में जब अरविन्द केजरीवाल की अगुवाई में दिल्ली में सरकार बनी तो सबसे पहले इस फार्मास्यूटिकल इंस्टिट्यूट को देश के पहले फार्मास्यूटिकल यूनिवर्सिटी के रूप में बदला, और आज इसका छठां दीक्षांत समारोह मना रहे है, ये सभी के लिए गर्व की बात है। उन्होंने कहा कि शिक्षा हमेशा आप सरकार की पहली प्राथमिकता रही है, शायद ही देश में कोई दूसरी ऐसी सरकार होगी जिसने पिछले 8 सालों से अपने बजट का लगभग 25 फीसदी शिक्षा को दे रही है। उसी का नतीजा है कि चाहे आज दिल्ली सरकार के स्कूल हो या विश्वविद्यालय उनका नाम न सिर्फ राष्ट्रीय राजधानी में बल्कि देश दुनिया में हो रहा है।

मंत्री ने कहा कि शिक्षा खर्च नहीं है ये देश के बेहतर भविष्य के लिए एक निवेश है। उनकी सरकार आज शिक्षा के क्षेत्र में निवेश कर अपने युवाओं को सशक्त बनाती है, उन्हें शानदार एक्सपोजर प्रदान करती है। उन्हें भरोसा है कि इस देश की सारी समस्याओं का समाधान देश के युवा जरुर कर सकते हैं। यही कारण है कि केजरीवाल सरकार हमेशा शिक्षा को बेहतर बनाने के लिए अपने स्कूलों में, कॉलेजों में निवेश करती है। उन्हें यकीन है कि आने वाले समय में ये स्टूडेंट्स हेल्थ व फार्मास्यूटिकल के क्षेत्र में बहुत शानदार काम करेंगे।

डीपीएसआरयू एक ऐसी यूनिवर्सिटी है जो सिर्फ अपने परिसर तक सीमित नहीं रही है। डीपीएसआरयू की एक पहल दिल्ली की योगशाला' ने योग को दिल्ली के घर-घर तक पहुंचाने का काम किया। शायद ही कोई ऐसी यूनिवर्सिटी होगी जिसने इतना बड़ा आउटरीच प्रोग्राम किया, जिसे न केवल दिल्ली से बल्कि पूरे देश से सराहना मिली है। अब डीपीएसआरयू को देखकर कई और राज्यों ने भी इस प्रकार से योगशाला के कार्यक्रम की शुरुआत की है।

डॉ. शिवशंकर मिश्र की छह पुस्तकों का लोकार्पण

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

डॉ. शिव शंकर मिश्र की पुस्तकों के लोकार्पण के मौके पर साहित्यकार।

आज के साहित्य जगत में शायद ही कुछ ऐसे नाम होंगे, जो समर्पण भाव से बस लिखते चले जाते हैं, जिन्हें सांसारिक लोकप्रियता की चाह नहीं। उन्हें समाज से लेना कुछ नहीं होता.. बस देना ही देना होता है।

रांची निवासी ऐसा ही एक नाम है साहित्यिक दिग्गज डॉ. शिव शंकर मिश्र का, जिनका लगभग पाँच वर्ष पूर्व 23 दिसंबर 2018 को निधन हो गया। निधन के पूर्व उनकी 33 पुस्तकें प्रकाशित हो चुकी थीं। साहित्य अकादेमी में स्व. डॉ. शिवशंकर मिश्रा के 79 वीं जयंती के अवसर पर डॉ. मिश्र की छोटी बेटी अरुणिमा अरुण कमल ने इस दिन को बहुत ही विशेष बना दिया। इस मौके पर डॉ मिश्र की छह लंबित पुस्तकों का विमोचन किया गया। इस आयोजन में प्रमुख वक्ताओं में शिवमंगल सिद्धांतकर, रामकुमार कृषक, मदन कश्यप और डॉ ज्योतिष जोशी थे।

कमलेश भट्ट कमल ने डॉ मिश्र की एक गजल सुनाई। मंच संचालन अरुणिमा ने किया और संचालन के दौरान हिंदी गजल की भूमिका (आलोचना), नीलकंठ निर्गुण (संस्मरण), पत्रहीन नग्न गाछ, गूंजता है आत्मा का ग्राम, चुनी हुई सार्थक गजलें तथा साहित्य के कुछ सार्थक अनुभव पुस्तक पर प्रकाश डाला। इस कार्यक्रम में डॉ मिश्र की पत्नी सुमति मिश्र उपस्थित रही।

मौके पर दूरदर्शन के सेवा निवृत्त महानिदेशक सुधांशु रंजन के साथ-साथ साहित्य जगत से राकेश रेण, डॉ जगदीश व्योम, बलराम, डॉ कुसुमलता सिंह, श्रीज्ञानचंद बागड़ी ने कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई।

किसी को भी सरकारी योजनाओं के लाभ से वंचित नहीं रहने देगी मनोहर सरकार

सरकारी योजनाओं का लाभ दिलाने के लिए लगाए गए कैंप का किया उद्घाटन

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

मुख्यमंत्री मनोहर लाल के ओएसडी जवाहर यादव ने कहा कि मनोहर सरकार किसी को भी सरकारी योजनाओं के लाभ से वंचित नहीं रहने देगी। जवाहर यादव ने कहा कि कांग्रेस सरकार में योजनाओं के लाभ के लिए जारी की गई राशि का मात्र 15 प्रतिशत ही जनता में पहुंचता था, लेकिन अब मनोहर सरकार में लोगों को योजनाओं का 100 प्रतिशत लाभ मिल रहा है।

वे शुक्रवार को मदनपुरी में आयोजित गरीब कल्याण की योजनाओं का लाभ पात्र लोगों को दिलाने के लिए लगाए गए शिविर के उद्घाटन पर बोल रहे थे।

गुरुग्राम के मदनपुरी में सरकारी योजनाओं के लाभ पात्रों के लिए शिविर का उद्घाटन करते जवाहर यादव व शिविर में पहुंचे लोग।

इस कैंप में पहले ही दिन अनेक जरूरतमंदों को पीला राशन कार्ड बनवा गया और अनेक लोगों की पीपीपी व प्रोपर्टी आईडी संबंधी समस्या का समाधान किया गया। जवाहर यादव ने अनेक योजनाओं के संबंध में भी लोगों को जागरूक किया। इस अवसर पर भाजपा सह-मीडिया प्रमुख अरविंद सैनी का स्थानीय लोगों ने पगड़ी बांधकर स्वागत किया।

जवाहर यादव ने उपस्थित लोगों को विश्वास दिलाया कि उनके मोदी-मनोहर सरकार अंत्योदय के लिए काम कर रही है। मुख्यमंत्री मनोहर लाल को प्रदेश के हर व्यक्ति की चिंता है। उनके दिशा निर्देश पर ही प्रदेश भर में योजनाओं का लाभ देने के लिए व्यापक रूप से ऐसे शिविर लगाए जा रहे हैं, ताकि कोई भी व्यक्ति सरकारी योजनाओं के लाभ से वंचित ना रह जाए। उन्होंने घोषणा की कि दो दिवसीय इस शिविर के बाद भी मदनपुरी और आसपास के निवासियों के लिए अगले कुछ दिनों तक न्यू कालोनी स्थित में एक टीम बैठेगी, जो लोगों की समस्याओं का निदान करेगी। इस अवसर पर निवर्तमान पार्षद मधु बतरा, पूर्व पार्षद कंवर भान वधवा, पूर्व पार्षद सुरिंदर नासा, पूर्व पार्षद सुमन अदलखा, पूर्व पार्षद श्याम अदलखा, योगगुरु गोपाल, मदनपुरी आरडब्ल्यूए के प्रधान महिन्द्र सेतिया समेत अनेक लोग मौजूद रहे।

इंश्योरेंस पॉलिसी के नाम पर ठगी करने के तीन आरोपी गिरफ्तार

पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से एक मोबाइल फोन भी बरामद किया

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

इंश्योरेंस पॉलिसी के नाम पर ठगी करने के तीन आरोपियों को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। उनके कब्जे से एक मोबाइल फोन भी बरामद किया गया है। आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज करके अदालत में पेश किया गया। जहां से उन्हें तीन दिन के रिमांड पर लिया गया है।

जानकारी के अनुसार 19 दिसंबर 2023 को एक व्यक्ति ने पुलिस थाना साइबर अपराध पूर्व में शिकायत देकर कहा था कि उसके साथ इंश्योरेंस पॉलिसी के नाम पर ठगी हो गई है। उसके बैंक खाते से 32 हजार रुपये ठग लिये गये हैं। शिकायत की पुष्टि करने के बाद पुलिस थाना साइबर अपराध पूर्व में संबंधित धाराओं के तहत केस दर्ज किया गया। सहायक पुलिस आयुक्त साइबर अपराध विपिन अहलावत के नेतृत्व में निरीक्षक जसवीर प्रबन्धक पुलिस थाना साईबर अपराध पूर्व की पुलिस टीम ने आरोपियों की तलाश शुरू की। तकनीकी सहायता से तीन

आरोपियों को नोएडा से काबू किया गया। आरोपियों की पहचान ऋषि शर्मा निवासी सौरव विहार जैतपुर बदरपुर, दिल्ली, ललित दुबे निवासी गांव पांडेपुर सोइराई जिला गाजियाबाद व सहजाद अली निवासी टी-420 गौतमपुरी जिला नार्थ ईस्ट दिल्ली के रूप में हुई है। आरोपियों से पुलिस पूछताछ में पता चला कि आरोपियों ने पीड़ित के पिता के इंश्योरेंस अकाउंट से पैसे निकलवाने के लिए फोन किया। अपनी बातों में फंसाकर फाइल चार्ज के नाम पर 32000 हजार की ट्रांसफर करवा लिए। इस तरह से उसके साथ ठगी की गई। पुलिस जांच मे यह सामने आया है कि आरोपी विभिन्न प्रकार की इंश्योरेंस पॉलिसी देने व अपडेट करने के नाम पर लोगों के पास कॉल करते हैं और फिर ठगी की वारदात को अंजाम देते है। आरोपी ऋषि व ललित दुबे लोगों के पास पॉलिसी देने के नाम पर फोन करता है। उनको गुमराह करके उनके बैंक खाता से पैसे सहजाद के बैंक खाता में पैसे ट्रांसफर करवा देते है। पीड़ित से ठगी गयी राशि सहजाद के बैंक खाता में ट्रांसफर की गयी थी, जिसके लिए इसे 40 पर्सेंट कमीशन मिलता था। 60 पर्सेंट ऋषि और ललित आपस मे बाट लेते थे। आरोपियों के कब्जा से वारदात मे प्रयोग एक मोबाइल बरामद किया गया है।

महिला को वाट्सअप पर अश्लील फोटो भेजकर परेशान करने के दो आरोपी काबू

गुरुग्राम। महिला के वाट्सअप पर अश्लील फोटो भेजने व फोन करके परेशान करने के दो आरोपियों को पुलिस ने काबू किया है। उनके खिलाफ महिला की शिकायत पर साइबर अपराध थाना मानेसर में केस दर्ज किया गया था। सहायक पुलिस आयुक्त साइबर अपराध विपिन अहलावत के नेतृत्व में निरीक्षक नरेश कुमार प्रबंधक थाना साइबर अपराध मानेसर की पुलिस टीम ने महिला की शिकायत पर जांच-पड़ताल की। पुख्ता सबूतों के आधार पर पुलिस ने इस केस में दो आरोपियों को काबू किया है। आरोपियों की पहचान गब्बर निवासी खजुरिया जिला लखीमपुर (उप्र) व राशीद निवासी सेक्टर-37 गुरुग्राम के रूप में हुई है। आरोपी गब्बर को सीलमपुर दिल्ला से तथा आरोपी राशिद को मोहम्मदपुर जिला गुरुग्राम से काबू किया गया। पुलिस पूछताछ में आरोपियों से पता चला है कि आरोपियों ने शिकायतकर्ता को परेशान करने के लिए शिकायतकर्ता को अश्लील फोटो भेजे थे। आरोपियों के कब्जे से वारदात में प्रयोग किया गया मोबाइल फोन व दो सिम कार्ड बरामद किये गये।

भाजपा के खिलाफ प्रदर्शन करते कांग्रेस के कार्यकारी अध्यक्ष जितेंद्र भारद्वाज के साथ पंकज डावर, वीरेंद्र यादव व अन्य कांग्रेस के वरिष्ठ नेता।

कांग्रेस के 142 सांसदों के निलंबन पर सड़क पर आए गुरुग्राम के कांग्रेसी

कांग्रेसी नेताओं ने कहा लोकतंत्र की हत्या कर रही भाजपा

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

विपक्ष के 142 सांसदों के निलंबन के बाद केंद्र सरकार पर लोकतंत्र की हत्या करने का आरोप लगाते हुए शुक्रवार को कांग्रेस के सैकड़ो कार्यकर्ता सड़कों पर नजर आए कांग्रेस के कार्यकारी अध्यक्ष जितेंद्र भारद्वाज के नेतृत्व में गुड़गांव के कमान सराय स्थित कार्यालय में एकजुट होकर कांग्रेसी नेताओं और कार्यकर्ताओं ने भाजपा सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी और प्रदर्शन किया।

इस अवसर पर वरिष्ठ नेता राव वीरेंद्र बिल्लू, वरिष्ठ नेता पंकज डावर, वरिष्ठ नेता कुलराज कटारिया, वर्धन यादव, पीसीसी सदस्य पंकज भारद्वाज, पूर्व विधायक रामबीर, कुलदीप कटारिया, महेश घोड़ारोप, अमित भारद्वाज, प्रदीप खटाना, मनीष खटाना, युवा नेता अशोक उल्लावास, युवा नेता निशित कटारिया समेत अनेक कार्यकर्ता मौजूद रहे। इस मौके पर कार्यकारी अध्यक्ष जितेंद्र कुमार भारद्वाज ने कहा कि केंद्र में बैठी भाजपा किस तरह लोकतंत्र की हत्या कर रही है देश की जनता देख रही है आज विपक्ष जनता की आवाज संसद में उठाना चाहता है तो यह सरकार आम जनता की आवाज उठाने वाले सांसदों को निलंबित कर देती है। इससे साफ पता चलता है कि आज भाजपा सत्ता के नशे में कितनी चूर है। इस सरकार ने यह साबित कर दिया है कि यह सरकार आम लोगों व गरीबों के लिए कुछ भी नहीं करेगी, भाजपा की सरकार ने देश के एयरपोर्ट देश के रेलवे समेत सेंकड़ों सरकारी संपत्तियों को निजी हाथों में दे दिया है। इस सरकार ने सरकारी नौकरी को खत्म करने का काम किया है। आज बेरोजगारी से पूरे देश का युवा परेशान है। बावजूद इसके यह सरकार आम जनता की समस्याओं पर बात नहीं करना चाहती, जो बात करते हैं उनके खिलाफ ईडी-सीबीआई जैसी एजेंसी लगा दी जाती है।

संक्षिप्त समाचार

पटौदी बार के नवनिर्वाचित सदस्यों का गुरुग्राम में हुआ स्वागत

पटौदी बार के सदस्यों का स्वागत करते गुरुग्राम बार के सदस्य।

गुरुग्राम। गुरुग्राम कोर्ट परिसर में पटौदी जिला बार एसोसिएशन के नवनिर्वाचित सदस्यों का स्वागत किया गया। पटौदी जिला बार एसोसिएशन के उपप्रधान सोमदत्त, सचिव पद पर निर्वाचित शमशेर छिल्लर व सहसचिव पद पर निर्वाचित सुशील भारद्वाज का गुरुग्राम कोर्ट में स्वागत किया गया। अपने स्वागत के लिए उन्होंने सभी अधिवक्ताओं का धन्यवाद किया। उन्होंने कहा जिस कार्य के लिए उन्होंने चुनाव लडा उसको वे अपनी पूरी ईमानदारी से किया जाएगा। इस अवसर पर विनोद कटारिया पूर्व उपप्रधान प्रदीप यादव, आर डी शर्मा, रवि अत्री, एलएन शर्मा, कमलजीत कटारिया, जितेन्द्र सैनी प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

पर्यावरण संरक्षण के लिए निकाली जागरुकता रैली

पर्यावरण के प्रति जागरुकता रैली निकालते बच्चे।

गुरुग्राम। ईली-लिली कंपनी द्वारा संचालित हुमाना पीपल टू पीपल इंडिया संस्था द्वारा झाड़सा क्षेत्र में जागरूकता रैली का आयोजन किया गया। सेंटर के विद्यार्थियों ने साइकिल रैली निकाली। बैनर, पोस्टर, तख्ती लेकर नारे लगाते हुए लोगों को आने वाली पीढ़ी को बेहतर भविष्य देने के लिए पर्यावरण की रक्षा के प्रति जागरूक व प्रेरित किया। रैली कष्णा मंदिर, जैना स्वीट्स के सामने से होकर सेक्टर-39 झाड़सा प्रोजेक्ट ऑफिस में समाप्त हुई रैली का मुख्य उद्देश्य पर्यावरण को बचाना और साइकिल चला कर अपने स्वास्थ्य के प्रति लोगों को सचेत करना रहा। प्रोजेक्ट लीडर नेकराम ने सबको बताया कि बिना प्राकृतिक पर्यावरण के पृथ्वी पर जीवन संभव नहीं है। इसलिए हमें पर्यावरण को स्वच्छ रखने में अपना योगदान देना है। इस दौरान अध्यापक राजा, आशु, हिमानी, माधवी, गुलाम व अक्षय ने सहयोग किया।

स्वास्तिक फाउंडेशन इस बार भी रक्तदान में बनाएगा रिकॉर्ड : बिसरवाल

गुरुग्राम। स्वास्तिक फाउंडेशन की ओर से आगामी 24 दिसम्बर 2023 को सुबह 10 बजे से रक्त दान शिविर का आयोजन किया जा रहा है। इस शिविर की तैयारियों में संस्था के सदस्य जुटे हुए हैं। शीतला माता रोड पर सेक्टर-5 के कोने पर शिवा पार्क में यह शिविर लगाया जाएगा। इस शिविर में खिलाड़ियों का भी सहयोग रहेगा। इस दौरान लोगों का हेल्थ चेकअप भी किया जाएगा। यह शिविर पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी को समर्पित होगा। 25 दिसंबर को उनकी जयंती है। स्वास्तिक फाउंडेशन के संस्थापक अध्यक्ष राज सैनी बिसरवाल व महासचिव राजेश सैनी ने बताया कि इस बार शिविर में अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी अमित व राष्ट्रीय खिलाड़ी सागर इस शिविर के संयोजक होंगे। उन्होंने कहा कि पिछली बार की तरह इस बार भी पर्यावरण रक्षकों द्वारा रक्तदान का नया रिकॉर्ड बनाया जाएगा, ऐसा उनका विश्वास है। उन्होंने आमजन से अपील करते हुए कहा कि रक्त दान के लिए शिविर में अधिक से अधिक संख्या में पहुंचे। रक्तदान शिविर ऐसा शिविर होता है, जिसमें किसी को आमंत्रित करने की आवश्यकता नहीं होनी चाहिए।

विकसित भारत संकल्प यात्रा का 800 से ज्यादा लोगों ने उठाया लाभ

विधायक सत्यप्रकाश जरावता ने दिलाई आत्मनिर्भर और विकसित राष्ट्र की शपथ

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

केंद्र और प्रदेश सरकार द्वारा चलाई जा रही जन कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी देने के लिए विकसित भारत संकल्प यात्रा, जनसंवाद की गाड़ी शुक्रवार को मानेसर सेक्टर-1 स्थित सामुदायिक भवन पहुंची। पटौदी के विधायक सत्यप्रकाश जरावता, नगर निगम मानेसर के अतिरिक्त आयुक्त सतीश यादव व उप-निगम आयुक्त विनोद नेहरा सहित अन्य गणमान्य लोगों ने डबल इंजन की सरकार की योजनाओं की गारंटी वाली गाड़ी का भव्य स्वागत किया। इस दौरान विधायक ने लोगों को 2047 तक भारत को आत्मनिर्भर और विकसित राष्ट्र बनाने की शपथ भी दिलवाई।

मानेसर सेक्टर-1 स्थित सामुदायिक भवन में विकसित भारत संकल्प यात्रा में बच्चे के जन्मदिन पर केक कटवाते विधायक सत्यप्रकाश जरावता।

विकसित भारत संकल्प यात्रा, जनसंवाद कार्यक्रम के दौरान विधायक ने विभिन्न विभागों की ओर से लगाई गई स्टॉल का अवलोकन करते हुए योजनाओं का लाभ लेने पहुंचे आमजनों के साथ संवाद भी किया। महिला एंव बाल विकास विभाग की स्टॉल पर पहुंचकर दो बच्चियों के जन्मदिवस का केक काटकर उन्हें आशीर्वाद भी दिया। विधायक ने अपने संबोधन में कहा कि डबल इंजन की सरकार ने अपने नागरिकों के हितों के लिए बहुत योजनाएं लागू की हुई है। जानकारी के अभाव में लोगों को इन कल्याणकारी योजनाओं का लाभ नहीं मिल पाता। लोग रोजगार में व्यस्त होते है तो सरकारी कार्यालयों में नहीं जा पाते, इसलिए सरकार ने निर्णय लिया कि सरकारी विभागों को ही आमजन के द्वार पर पहुंचा दिया जाए। इसी कड़ी में विकसित भारत संकल्प यात्रा, जनसंवाद को शुरू किया गया है।

सरकारी योजनाओं का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे यही इस यात्रा का मुख्य उद्देश्य है। उन्होंने कहा कि केवल ईमारत और सड़कों का निर्माण करना ही देश का विकास नहीं है, बल्कि सामाजिक, आर्थिक, प्रशासनिक, व्यवहारिक और यांत्रिक आदि समुचा विकास करना प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का लक्ष्य है। भारत विश्व का सबसे युवा देश है। देश में 50 करोड़ आबादी युवा है, इसी युवा शक्ति के बल पर भारत 2047 तक विकसित राष्ट्र बनने के सपने को साकार करेगा।

बिजली समस्याओं को लेकर डीएचबीवीएन के एसई से मिले पूर्व पार्षद बागड़ी

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

वार्ड-10 प्रस्तावित वार्ड-33 के पूर्व निगम पार्षद मंगतराम बागड़ी एवं पूर्व सीनियर डिप्टी मेयर परमिंदर कटारिया ने अपने वार्ड की लंबित मांगों को लेकर शुक्रवार को दक्षिण हरियाणा विद्युत वितरण निगम के अधीक्षण अभियंता श्यामवीर सैनी से मुलाकात की। उन्होंने वार्ड में बिजली आपूर्ति की आधारभूत संरचनाओं की जर्जर स्थिति को लेकर विस्तार से चर्चा की। उन्हें लिखित मांग पत्र भी सौंपा।

मंगत राम बागड़ी ने शिकायत पत्र में कहा गया है कि लक्ष्मण

डीएचबीवीएन के एसई से मुलाकात करते मंगतराम बागड़ी।

विहार में लगे अधिकतर ट्रांसफार्मर असुरक्षित अवस्था में इंस्टॉल किये गए हैं। कई बार गाय तो कभी किसी आदमी को करेंट लगने की घटना होती है। वर्षा के मौसम में यह खतरा और बढ़ जाता है। इसकी घेराबंदी का इंतजाम करना बेहद जरूरी है। बागड़ी ने कहा कि लक्ष्मण विहार फेज-1 एवं फेज-2 की दर्जनों गलियों में बिजली के तार पिछले 3 वर्षों से भी अधिक समय से लटके हुए हैं।

निकाय विभाग के निदेशक ने निगम के पुराने कार्यालय का किया निरीक्षण

नागरिकों की दी जाने वाली सुविधाएं प्राथमिकता से उपलब्ध कराएं

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

शहरी स्थानीय निकाय विभाग के निदेशक डा. यशपाल शुक्रवार को गुरुग्राम पहुंचे। उन्होंने नगर निगम गुरुग्राम के सिविल अस्पताल के सामने स्थित कार्यालय का निरीक्षण किया। मौके पर ही अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश भी दिए।

डॉ. यशपाल ने पुराने कार्यालय में स्थित टैक्स ब्रांच, नागरिक सुविधा केन्द्र सहित अन्य कार्यालयों का निरीक्षण करते हुए वहां पर कार्यरत कर्मचारियों से वार्तालाप करते हुए उन्हें निर्देश दिए कि वे नागरिकों को दी जाने वाली सुविधाएं प्राथमिकता व

गुरुग्राम के पुराने नगर निगम कार्यालय का दौरा करते शहरी स्थानीय निकाय विभाग के निदेशक डा. यशपाल।

तत्परता से उपलब्ध करवाएं। किसी भी नागरिक को कोई परेशानी नहीं होनी चाहिए। यह सुनिश्चित करें कि बेवजह नागरिकों को कार्यालयों के चक्कर ना काटने पड़ें। उन्होंने कहा कि प्रॉपर्टी टैक्स से संबंधित जितनी भी शिकायतें प्राप्त होती हैं, उन्हें प्राथमिकता के आधार पर निपटाया जाना सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने इस कार्य के लिए बनाए गए हेल्प डेस्क पर कार्यरत कर्मचारियों को भी आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। यहां आयोजित बैठक में उन्होंने कहा कि जो कर्मचारी या अधिकारी फाइलों ज्यादा समय तक लंबित रखते हैं, उन पर कार्रवाई की जाए। इसके साथ ही जो बेहतर कार्य कर रहे हैं, उनको सम्मानित किया जाए।

ढोल-नगाड़े, बीनवादक और हरियाणवी गीतों ने जमाया रंग

गुरुग्राम में अंतरराष्ट्रीय गीता महोत्सव का हुआ रंगारंग आगाज

प्रदर्शनी, सांस्कृतिक कार्यक्रमों की धूम रही महोत्सव में

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

शहर के स्वतंत्रता सेनानी जिला परिषद सभागार में शुक्रवार को शीतला माता और श्रीमद्भागवत के मंत्रोच्चारण व यज्ञ-हवन में आहुतियां अर्पित करते हुए उपायुक्त निशांत कुमार यादव ने अंतर्राष्ट्रीय गीता महोत्सव-2023 का शुभारंभ किया। उनके साथ महोत्सव के नोडल अधिकारी व एडिशनल लेबर कमिश्नर कुशल कटारिया, नगराधीश दर्शन यादव, सीएमओ डा. विरेन्द्र यादव व डीआईपीआरओ बिजेंद्र कुमार मौजूद रहे।

जिला परिषद सभागार परिसर पूरी तरह से गीतामय नजर आया। जिला प्रशासन व सूचना, जनसंपर्क, भाषा एवं संस्कृति विभाग के तत्वावधान में आयोजित किए गए इस दो दिवसीय धार्मिक उत्सव में हमारे देश की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत तथा हरियाणा की लोक परंपराओं को दर्शाया गया है। उपायुक्त ने पंडाल में बनाए गए शीतला माता व श्रीकृष्ण भगवान के मंदिर में दीप जलाकर महोत्सव की शुरुआत की। उपायुक्त ने सूचना, जनसंपर्क एवं भाषा विभाग, जीओ गीता, गिव गीता, प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय संस्थान, स्वयं सहायता समूह, खेल विभाग, इलेक्ट्रोपैथी, आयुष विभाग, स्वास्थ्य विभाग, जिला रेडक्रास सोसायटी, जिला अग्रणी बैंक प्रबंधक, वित्तीय साक्षरता, नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा विभाग आदि की स्टालों का अवलोकन किया।

उपायुक्त ने यहां प्रदर्शनी में आयोजित रक्तदान शिविर में रक्तदाताओं को प्रमाण पत्र देकर उनका हौंसला बढ़ाया। जनहित में चलाई जा रही सरकारी योजनाओं का लाभ अधिक से अधिक लोगों को दिलवाए जाने के निर्देश दिए।

गुरुग्राम के सिविल लाइन स्थित स्वतंत्रता सेनानी हॉल में अंतरराष्ट्रीय गीता महोत्सव-2023 में हरियाणवीं सांस्कृतिक कार्यक्रम पेश करते कलाकार।

दर्शकों ने सांस्कृतिक कार्यक्रमों का लुत्फ उठाया

सभागार में मंच पर एडिशनल लेबर कमिश्नर कुशल कटारिया ने दीप प्रज्जवलित कर सांस्कृतिक कार्यक्रमों का शुभारंभ किया। उन्होंने कहा कि गीता को पढने के साथ के इसके उपदेश को अपने जीवन में भी उतारना चाहिए। श्री गणेश वंदना, कत्थक नृत्य, हरियाणवी राग-रागनियां, भजन, एकल नृत्य आदि सांस्कृतिक कार्यक्रमों की छटा देख कर दर्शक भाव-विभोर हो गए। परिसर में ढोल-नगाड़े व बीन कलाकारों की थाप पर छात्र-छात्राओं ने जमकर डांस किया। पारंपरिक वेशभूषा में सजी महिलाओं ने हरियाणवी लोकगीत व नृत्य प्रस्तुत कर दर्शकों का मन मोह लिया।

उपायुक्त निशांत कुमार यादव ने इस आयोजन की सराहना करते हुए जिलावासियों को गीता महोत्सव की बधाई दी। भगवान श्रीकृष्ण ने अर्जुन को जो गीता ज्ञान दिया था, वह आज भी प्रासंगिक है।

केसीएम ओम इंटरनेशनल स्कूल व केसीएम वर्ल्ड स्कूल में मनाया क्रिसमस दिवस

पायनियर समाचार सेवा। पलवल

रसूलपुर रोड पर स्थित केसीएम ओम इंटरनेशनल स्कूल में क्रिसमस मनाया गया। विद्यालय में बैग लैस दिवस पर केजी- 1 से आठवीं तक की सभी कक्षाओं में विद्यार्थियों को अलग-अलग गतिविधियां करवाई गई। कक्षा केजी में रेड कलर डे को सांता क्लॉज बनकर व अनेक प्रकार की नृत्य प्रस्तुति द्वारा सबको प्रफुल्लित व उत्साहवर्धन किया। कक्षा एक व दो में बॉल-बास्केट टॉस गतिविधि द्वारा विद्यार्थियों में एकाग्रता क्षमता का विकास किया गया। कक्षा-तीन व चार में गेसिंग बूथ गतिविधि द्वारा वस्तुओं की पहचान सिखाई गई व उनकी समझ को बढ़ावा दिया गया। कक्षा पांच व छह में बैलून डॉट्स व कप होल्ड गतिविधि द्वारा विद्यार्थियों की निशाने की पकड़ को विकसित किया गया। कक्षा सात व आठ में पोंग चोंग चैलेंज गतिविधि द्वारा बच्चों को एकाग्रता के साथ समानता कैसे बनाएं सिखाया गया। इस अवसर पर कक्षा तीसरी से आठवीं के विद्यार्थियों का फिट इंडिया वीक में हुए खेलों का फाइनल राउंड में खेल खिलाकर संपन्न किया व विजेता विद्यार्थियों को मेडल व सर्टिफिकेट द्वारा सम्मानित किया गया। इन सभी गतिविधियों का उद्देश्य स्कूली शिक्षा के साथ-साथ फिटनेस को भी बढ़ावा देना है। जहां शारीरिक फिटनेस होगी, वहीं विद्यार्थियों का चहुंमुखी विकास होगा। विद्यालय की प्रधानाचार्या डॉ. नम्रता कुंडू ने सभी विद्यार्थियों को अलग-अलग गतिविधियों से संबंधित की जानकारी देते हुए बताया कि हमें शारीरिक व मानसिक दोनों प्रकार से स्वस्थ रहते हुए ज्ञान अर्जित करना है और क्रिसमस पर्व की सभी को शुभकामनाएं देते हुए व सभी धर्मों को समान मानते हुए निरंतर आगे बढ़ने के लिए प्रोत्साहित किया।

वहीं दूसरी तरफ टीकरी ब्राह्मण स्थित केसीएम वर्ल्ड स्कूल में क्रिसमस डे के उपलक्ष्य में विशेष प्रार्थना सभा का आयोजन किया गया। जिसमें नर्सरी कक्षा से दूसरी कक्षा तक के छात्रों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि विद्यालय की प्रधानाचार्या पारुल भारद्वाज रहीं। विद्यालय की संयोजिका ममता महलावत व दीपशिखा ने प्रधानाचार्या को नन्हा पौधा प्रदान कर उनका स्वागत किया तथा सभी ने यीशु मसीह की तस्वीर के सामने मोमबत्ती जलाई व प्रार्थना की। नन्हे छात्रों द्वारा आज के विचार व नए शब्दों की जानकारी के पश्चात यीशु मसीहा के जीवन से संबंधित कुछ कविताएं प्रस्तुत की गई। केजी-1 के छात्रों द्वारा इस अवसर पर गोल्ड बेल्स आर रिंगिंग गीत के बोल पर बहुत ही सुंदर नृत्य की प्रस्तुति दी गई तथा कक्षा दूसरी के छात्रों ने भी सुंदर गीत की प्रस्तुति देकर सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया। केजी2 व कक्षा पहली के छात्रों ने भी इस अवसर पर सांता क्लोस की पोशाक पहनकर नृत्य करते हुए छोटे-छोटे उपहार देकर सभी का मन मोह लिया तथा सांता की घंटी की मधुर ध्वनि से नकारात्मक को दूर करने का संदेश दिया। कार्यक्रम के अंत में प्रधानाचार्या पारुल भारद्वाज ने सभी को क्रिसमस की शुभकामनाएं देते हुए नन्हे बच्चों का उत्साहवर्धन किया तथा इस त्योहार की महत्ता बताते हुए सभी धर्मों को समान समझने की सीख दी। मंच का संचालन शिक्षिका ममता चौहान ने किया तथा संपूर्ण कार्यक्रम का संचालन संयोजिका ममता महलावत की अध्यक्षता में कार्यक्रम का आयोजन किया।

सभी धर्मों एवं कर्मों का समावेश है श्रीमद्भगवद्गीता : दीपक मंगला

-विधायक ने गीता जयंती समारोह का किया विधिवत शुभारंभ

पायनियर समाचार सेवा। पलवल

जिला के नेताजी सुभाषचंद्र बोस स्टेडियम में आयोजित किए जा रहे दो दिवसीय जिला स्तरीय गीता जयंती समारोह का शुभारंभ शुक्रवार को विधायक दीपक मंगला ने बतौर मुख्य अतिथि रीबन काटकर तथा श्रीमद्भगवद्गीता के समक्ष दीप प्रज्ज्वलित कर पूजा आरती करके किया। इसके पश्चात उन्होंने सूचना जनसंपर्क एवं भाषा विभाग की ओर से समारोह स्थल पर लगाई गई गीता पर आधारित प्रदर्शनी का उद्घाटन कर प्रदर्शनी में अंकित गीता श्लोकों को भी पढा। विधायक दीपक मंगला ने समारोह स्थल पर विभिन्न विभागों धार्मिक व सामाजिक संस्थाओं की ओर से लगाई गई स्टालों का अवलोकन किया और स्टालों पर मौजूद कर्मियों अथवा सामाजिक व धार्मिक संस्थाओं के प्रतिनिधियों से संबंधित स्टाल के संबंध में जानकारी भी ली। इस अवसर पर उनके साथ एसडीएम नरेंद्र कुमार, जिला शिक्षा अधिकारी अशोक कुमार बघेल, जिला विकास एवं पंचायत अधिकारी उपमा अरोड़ा भी मौजूद रहीं।

विधायक दीपक मंगला ने जिला स्तरीय गीता महोत्सव समोराह-2023 की सभी को हार्दिक शुभकामनाएं दी। श्रीमद्भगवद्गीता की जयंती को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर आयोजित करने के लिए उन्होंने मुख्यमंत्री मनोहर लाल का धन्यवाद व आभार प्रकट किया। उन्होंने कहा कि प्रदेश के कुरूक्षेत्र जिला में अंतरराष्ट्रीय स्तर के गीता महोत्सव समारोह का आयोजन किया जा रहा है और इसी के साथ-साथ सरकार की ओर से सभी जिलों में भी जिलास्तरीय गीता महोत्सव का आयोजन किया जाता है। उन्होंने कहा कि श्रीकृष्ण ने हरियाणा की पावन धरा पर ही गीता का संदेश दिया था। आज पूरा विश्व गीता के सार का अनुसरण कर आत्मसात हो रहा है। आज के भौतिकवाद के युग में युवा पीढी को समाज की बुराइयों से दूर रहकर गीता के संदेश का अनुसरण करने की अधिक आवश्यकता है। श्रीकृष्ण द्वारा गीता में दिए ज्ञान के मूल सिद्धांत-फल की इच्छा के बिना कर्म करने पर विशेष ध्यान देवें। उन्होंने समारोह में स्टाल के माध्यम से अपनी उपलब्धियों को सभी के समक्ष रखने वाले सभी विभागों, धार्मिक एवं सामाजिक संस्थाओं को भी बधाई दी। उन्होंने श्रीमद्भगवद्गीता की महिमा का वर्णन करते हुए कहा कि जीवन को बदलने में गीता का एक श्लोक ही काफी है। उन्होंने कहा कि श्रीमद्भगवद्गीता को हिंदू समाज में सबसे पवित्र ग्रंथ माना गया है। श्रीमद्भगवद्गीता स्वयं श्री कृष्ण ने अर्जुन को सुनाई थी। कुरुक्षेत्र के युद्ध में जब अर्जुन अपने सगे-संबंधियों को दुश्मन के रूप में सामने देख, विचलित हो जाते हैं और अपने शस्त्र उठाने से इंकार कर देते हैं, तब स्वयं भगवान कृष्ण ने उपदेश दिया।

श्री राम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा में देवी चित्रलेखा को विशेष निमंत्रण

पायनियर समाचार सेवा। पलवल

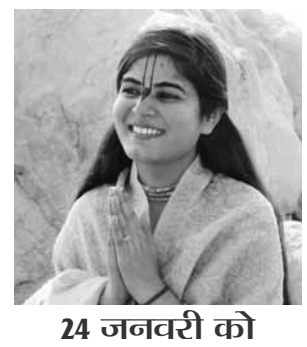

श्री राम मंदिर के भव्य उद्घाटन के लिए गौ सेवा धाम अस्पताल की संचालिका और प्रसिद्ध कथावाचिका देवी चित्रलेखा को श्री राम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा का खास निमंत्रण आया है। उत्तर प्रदेश के अयोध्या में राम मंदिर के भव्य उद्घाटन का हर कोई बेसब्री से इंतजार कर रहा है। यह प्राण प्रतिष्ठा 22 जनवरी 2024 को होगी। इस खास मौके पर धर्मगुरु, कथावाचक, राजनेता से लेकर मनोरंजन जगत एवं खेल जगत के बड़े दिग्गज कलाकार भी शामिल हो रहे हैं। वहीं कथावाचिका देवी चित्रलेखा को खास अतिथि के तौर पर उपस्थित होने के लिए निमंत्रण मिला है। देवी चित्रलेखा ने आगामी समारोह के लिए अपनी शुभकामनाएं दीं और बताया कि 22 जनवरी को होने वाला राम मंदिर का भव्य समारोह प्रभु श्रीराम में आस्था रखने वाले करोड़ों लोगों का 500 वर्ष से ज्यादा का इंतजार है। यह दिन एक नये युग की शुरुआत को सूचित करेगा। देवी चित्रलेखा ने बताया कि सभी सनातन प्रेमी अपने घरों में रहकर ही इस शुभ दिन को हर्षोल्लास से मनाएं और घर पर दीप जलाकर भगवान श्री राम मंदिर के भव्य प्राण प्रतिष्ठा समारोह की खुशियां बांटें।

24 जनवरी को अयोध्या में होनी है प्राण प्रतिष्ठा

आपको बता दें कि कोसी कलां और होडल मध्य स्थित गो सेवा धाम अस्पताल में रह रही गोवंश के पैरों की मिट्टी को भी पूर्व में विश्व हिंदू परिषद की मदद से राम जन्मभूमि को पहुंचाया गया था, जिस पवित्र मिट्टी का उपयोग श्री राम मंदिर के भूमि पूजन में हुआ था। इस समर्थन और अनुभव से भरे समारोह में, देवी चित्रलेखा ने सम्मानित कथावाचक के रूप में संबोधित होने का गर्व किया और आगे बढ़ते हुए कम समय में भव्य व विशाल राम मंदिर निर्माण के लिए देवी चित्रलेखा ने उत्तर प्रदेश के मुखिया योगी आदित्यनाथ और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की श्रेष्ठता को सराहा।

सीआरआईडी डाटा सत्यापन से संबंधित मीटिंग का आयोजन

पायनियर समाचार सेवा। पलवल

डॉ. बीआर अंबेडकर राजकीय महाविद्यालय, पलवल में प्राचार्या व जिला उच्चतर शिक्षा अधिकारी अर्चना वर्मा के निर्देशन में नागरिक संसाधन सूचना विभाग, सिटिजन रिसोर्स इंफॉर्मेशन डिपार्टमेंट से संबंधित मीटिंग का आयोजन किया गया, ताकि पलवल जिले के प्रत्येक नागरिक को सरकारी योजनाओं और सेवाओं का लाभ सुगमता से मिल सके। इस अवसर पर जिले के सभी राजकीय महाविद्यालयों के प्राचार्या व प्रवक्ताागण उपस्थित रहे। ध्यान रहे कि सरकारी योजना और सेवाओं का लाभ उठाने के लिए हर व्यक्ति के लिए परिवार पहचान पत्र हरियाणा सरकार ने जरूरी कर दिया है। इसलिए जिला उच्चतर शिक्षा अधिकारी व प्राचार्या अर्चना वर्मा ने जिले के सभी राजकीय महाविद्यालयों को निर्देश दिए कि जल्द से जल्द यह काम पूरा किया जाए। इस दौरान प्रत्येक सदस्य ने गांवों, वार्डो व शहरों में संबंधित समस्याओं को बताया और ग्रामीण इलाकों में योजना के लाभ से अनभिज्ञ लोगों की समस्याओं व महाविद्यालयों में टीचिंग स्टाफ की कमी पर चर्चा की।

मोटा अनाज है आज की आवश्यकता : कृषि उपनिदेशक डॉ. बाबूलाल

गांव धतीर व बंचारी में किया गया पोषक अनाज उत्सव का आयोजन

पायनियर समाचार सेवा। पलवल

अंतराष्ट्रीय पोषक अनाज वर्ष-2023 के अंर्तगत मोटा अनाज के जागरूकता शिविरों की कड़ी में जिला के खंड पलवल के गांव धतीर व खंड होडल के गांव बंचारी में पोषक अनाज उत्सव का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में कृषि विभाग से सुंदर सिंह व अतुल शर्मा उपस्थित रहे। इसके अलावा सहायक कृषि अभियंता कार्यालय के कनिष्ठ अभियंता राज सिंह व मृदा प्रशिक्षण प्रयोगशाला से करणपाल ने विभागीय योजनाओं के विषय में किसानों को अवगत करवाया। सुंदर सिंह ने किसानों को जानकारी देते हुए कहा कि अगर किसान खाद-बीज विक्रेता से किसी भी तरह की समस्या से ग्रसित होता है तो वह अपनी लिखित शिकायत विभागीय कार्यालय में कर सकता है, जिस पर अवश्य ही कार्रवाई की जाएगी तथा विभाग किसानों की समस्याओं के निवारण में उनका सहयोग करेगा।

अतुल शर्मा ने मंच संचालन करते हुए किसानों को विभाग की पीएम किसान सम्मान निधि योजना में आ रही परेशानियों का निवारण करते हुए लंबित किसानों को ई-केवाईसी कराने के लिए जागरूक किया तथा किसानों को मोटे अनाज की जरूरत के बारे में समझाते हुए कहा कि यह आज के समय की आवश्यता है, जो जल की बचत के साथ-साथ किसानों को आर्थिक रूप से भी सबलता प्रदान करता है, क्योंकि मोटे अनाज की फसल कम पानी के साथ-साथ खाद तथा खरपतवारनाशक रसायनों की कम जरूरत होती है। उन्होंने किसानों से आह्वान करते हुए कहा कि वे मेरी फसल-मेरा ब्योरा के लिए अपने परिवार पहचान पत्र की कमियों को सही करवा लें।

अग्रवाल महाविद्यालय में मनाया गया राष्ट्रीय गणित दिवस

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

अग्रवाल महाविद्यालय बल्लभगढ़ में गणित विभाग के तत्वावधान में श्रीनिवास रामानुजन की विरासत का उत्सव मनाया गया। यह उत्सव श्रीनिवास रामानुजन के जन्म दिवस को राष्ट्रीय गणित दिवस के रूप में मनाया जाता है। यह गणित सप्ताह महाविद्यालय प्राचार्य डॉ. कृष्ण कांत गुप्ता के मार्गदर्शन एवं निर्देशन में आयोजित किया गया। गणित विभाग अध्यक्ष एवं कार्यक्रम संयोजक डॉ. केएल कौशिक ने बताया कि इस गणित सप्ताह को मनाने का उद्देश्य विद्यार्थियों को श्रीनिवास रामानुजन की महानता तथा गणित के महत्व को बताना है। इस गणित सप्ताह के दौरान विद्यार्थियों ने प्रोफेसर दिनेश सिंह चांसलर के आर मंगलम विश्वविद्यालय गुरुग्राम एवं पूर्व कुलपति दिल्ली विश्वविद्यालय के ऑनलाइन व्याख्यान का लाभ उठाया। इस गणित सप्ताह में विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया गया। जिसमें 18 दिसंबर को पोस्टर मेकिंग, 19 दिसंबर को स्लोगन लेखन, 20 दिसंबर को अनुच्छेद लेखन तथा 21 दिसंबर को ऑनलाइन प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया7 22 दिसंबर को वैदिक गणित पर व्याख्यान तथा लघु फिल्म का आयोजन किया गया। गणित विभाग के प्रवक्ता डॉ. ममता ठाकुर ने वैदिक गणित पर व्याख्यान दिया जो विद्यार्थियों ने बड़े जोश के साथ सुना इस अवसर पर विद्यार्थियों को श्रीनिवास रामानुजन के जीवन पर लघु फिल्म दिखाई गई। विद्यार्थियों ने लघु फिल्म को बहुत उत्साह के साथ देखा। श्रीनिवास रामानुजन के जीवन पर 22 दिसंबर राष्ट्रीय गणित दिवस के अवसर पर इन प्रतियोगिताओं का परिणाम घोषित किया गया। पोस्टर मेकिंग में प्रथम स्थान कोमल, एमएससी मैथ्स प्रथम वर्ष, द्वितीय स्थान कोमल कीना बीएससी मैथ्स ओनर्स तृतीय वर्ष तथा तृतीय स्थान काजल बीएससी मैथ्स ओनर्स तृतीय वर्ष ने प्राप्त किये। स्लोगन लेखन में प्रथम स्थान रेनू कुमारी, एमएससी मैथ्स प्रथम वर्ष, द्वितीय स्थान विशाल गर्ग बीएससी मैथ्स ओनर्स तृतीय वर्ष तथा तृतीय स्थान देवेश सहरावत बीएससी मैथ्स ओनर्स तृतीय वर्ष ने प्राप्त किये। अनुच्छेद लेखन में प्रथम स्थान काजल बीएससी मैथ्स ओनर्स तृतीय वर्ष, द्वितीय स्थान राखी खिरवार एमएससी मैथ्स प्रथम वर्ष तथा तृतीय स्थान मोहित एमएससी मैथ्स द्वितीय वर्ष ने प्राप्त किये। ऑनलाइन प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता में प्रथम स्थान दीपक बीएससी मैथ्स ओनर्स तृतीय वर्ष, द्वितीय स्थान यश बीएससी मैथ्स ओनर्स तृतीय वर्ष तथा तृतीय स्थान स्नेहा बीएससी मैथ्स ओनर्स प्रथम वर्ष ने प्राप्त किये व प्रशंसा बटोरी।

अरावली में फार्म हाउस पर जुआ खेलते 20 युवक गिरफ्तार

फरीदाबाद। गांव पावटा मोहताबाद में अरावली की पहाड़ियों में बने फैंटासिया फार्म हाउस में पार्टी के नाम पर जुआ खेलते बीस आरोपियों को क्राइम ब्रांच बदरपुर बॉर्डर टीम ने गिरफ्तार किया है। पुलिस ने मौके से 4.20 लाख रुपये की नकदी व शराब की बोतलें बरामद की हैं। आरोपियों में फरीदाबाद निवासी गौरव, सुमित, कपिल, हरजीत, ईशान, अनिल, योगेश, सचिन, मनोज, गौरव, योगेश, विनोद, विनोद, हरवीन्दर, ओमदेव, कवल, कमल और पलवल निवासी महाराज सिंह, नोएडा निवासी राजेश, प्रतापगढ़ निवासी दिनेश शामिल हैं।टीम प्रभारी जितेन्द्र को सूचना मिली कि गांव पावटा मोहताबाद फार्म हाउस अरावली फैंटासिया में कुछ लोग जुआ खेल रहे हैं। क्राइम ब्रांच बॉर्डर व क्राइम ब्रांच सेक्टर-17 टीम ने फार्म हाउस पर छापा मारा। मौके पर लोग टेबल लगाकर शराब पी रहे थे और जुआ खेल रहे थे। पुलिस ने मौके से 20 आरोपियों से ताश की चार गड्डी व 4.20 लाख रुपये बरामद किए।

लाल कोठी से भी छह गिरफ्तार :

एक अन्य मामले में क्राइम ब्रांच लाल कोठी जवाहर कॉलोनी से छह आरोपियों को जुआ खेलते दबोचा।

ग्रैंड कोलबंस इंटरनेशनल स्कूल में मनाया गया क्रिसमस समारोह

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

ग्रैंड कोलंबस इंटरनेशनल स्कूल में क्रिसमस समारोह का विशेष उत्सव मनाया गया। जिसमें क्रिसमस के उपलक्ष पर विशेष प्रार्थना सभा का आयोजन किया गया। जिसमें छात्रों ने सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया। इस समारोह में मख्य अतिथि विद्यालय के निदेशक सुरेशचंद्र ने सभी उपस्थित छात्रों एवं अध्यापकों को क्रिसमस के त्योहार की शभकामनाएं दीं। उन्होंने छात्रों को संबोधित करते हुए कहा कि छात्र जीवन में अनुशासन का विशेष महत्व है और हमें अपने दैनिक कार्यों को अनुशासन के साथ ही निभाना चाहिए, तभी हम अपने जीवन के क्षेत्र में पूर्ण सफलता प्राप्त कर सकते हैं। उन्होंने छात्रों को ध्यान मुद्रा सिखाते हुए ध्यान का महत्व बताया और उसे नियमित रूप से करनेके लिए भी प्रेरित किया।

विद्यालय की प्रधानाचार्या दीपिका शर्मा ने विद्यालय के निर्देशक, सभी छात्रों और अध्यापकों को क्रिसमस की हार्दिक बधाई देते हुए शभकामनाएं दीं और कहा कि क्रिसमस का त्योहार हमें एक दूसरे के साथ जोड़ता है। हमें इस त्योहार से एक दूसरे के के प्रति सद्भावना का भाव अपनाना चाहिए और दूसरों को उनकी गलतियों पर क्षमा देने का भाव भी रखना चाहिए, तभी हम इस त्योहार की पवित्रता स्थिर रख सकते हैं। इस विशेष उपलक्ष्य पर छात्रों को उनकी उपलब्धियों के लिए परुस्कृत भी किया गया। कार्यक्रम के अंत में सांटा सभी छात्रों को अपनी और आकर्षित किया। राष्ट्रगान के साथ इस कार्यक्रम का समापन किया गया।

संक्षिप्त समाचार

स्टेट मास्टर्स ऐथलटिक प्रतियोगिता गुड़गांव में आयोजित होगी

पलवल। हरियाणा स्टेट मास्टर्स ऐथलेटिक प्रतियोगिता का आयोजन 24-25 दिसंबर को गुड़गांव के ताऊ देवीलाल स्टेडियम में होगा। प्रतियोगिता में पलवल-फरीदाबाद से 60 खिलाड़ी भाग लेंगे। प्रतियोगिता सभी आयुवर्ग में आयोजित की जाएगी। प्रतियोगिता में 30 से अधिक आयु वर्ग से लेकर 100 आयु वर्ग की महिला व पुरूष खिलाड़ी भाग ले सकेंगे। इस प्रतियोगिता में महिला व पुरूष की 100 मीटर, 200 मीटर, 400 मीटर, 800 मीटर, 1500 मीटर, 5000 मीटर दौड़ के अलावा पांच किलोमीटर महिला व पुरूष वॉक, लंबी कूद, ऊंची कूद, ट्रिपल जंप, गौला फेंक, चक्का फेंक, तार गोला फेंक व भाला फेंक प्रतियोगिता आयोजित की जाएंगी। इसके अलावा महिला व पुरूष की बाधा दौड़ का आयोजन भी किया जाएगा। इसकी जानकारी मास्टर्स ऐथलेटिक वैलफेयर एसोशिएशन की जिला प्रधान ललिता चौधरी ने दी। उन्होंने बताया कि विजयी खिलाड़ियों को मेडल देकर सम्मानित किया जाएगा। इसके अलावा सभी विजेता खिलाड़ी महाराष्ट्र के पुणे में होने वाली 44वीं राष्ट्रीय मास्टर्स ऐथलेटिक प्रतियोगिता में भाग ले सकेंगे। नेशनल मास्टर्स ऐथलेटिक प्रतियोगिता में विजयी खिलाड़ी आगे वर्ल्ड मास्टर्स ऐथलेटिक प्रतियोगिता में भाग ले सकेंगे। प्रतियोगिता में भाग लेने वाले खिलाड़ी अपनी दो फोटो, आधार कार्ड, जन्म प्रमाण पत्र की कापी साथ में लाए। जिससे जरूरत पड़ने पर उनका प्रयोग हो सकें।

शिक्षामंत्री ने कंप्यूटर लैब अटेंडेंट संघ को दिया 27 दिसंबर का न्योता

फरीदाबाद। कंप्यूटर लैब अटेंडेंट कर्मचारीं संघ संबंधित भारतीय मज़दूर संघ की ओर से प्रदेशाध्यक्ष सुरेंद्र प्योंत और राज्य महासचिव सुनील राणा ने बताया कि हरियाणा के शिक्षामंत्री कंवरपाल गुर्जर के चंडीगढ़ कार्यालय से पत्र के माध्यम से सूचना मिली है कि 27 दिसंबर को शिक्षा सदन कार्यालय पंचकूला में सुबह 11 बजे कंप्यूटर लैब अटेंडेंट कर्मचारी संघ संबंधित भारतीय मज़दूर संघ के शिष्टमंडल से आधिकारिक बैठक होगी। जिसकी अध्यक्षता शिक्षामंत्री कंवरपाल गुर्जर करेंगे। बैठक में शिक्षा विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव सुधीर राजपाल, शिक्षा निदेशक अशिमा बराड़ और शिक्षा विभाग के संबंधित अधिकारी शामिल रहेंगे। कंप्यूटर लैब अटेंडेंट कर्मचारी संघ के प्रदेशाध्यक्ष सुरेंद्र प्योंत और महासचिव सुनील राणा ने कहा कि प्रदेश के सरकारी स्कूलों में कार्यरत कंप्यूटर लैब अटेंडेंट पिछले 12 सालों से सरकारी स्कूलों में अपनी सेवाएं दे रहे हैं। सभी प्रकार का ऑनलाइन कार्य करते हैं। प्रदेशभर के कंप्यूटर लैब अटेंडेंट कर्मचारियों को पूर्ण आशा है कि 27 दिसंबर को होने वाली बैठक में सभी मांगों का समाधान होगा। यह जानकारी जिलाध्यक्ष मुकेश तेवतिया ने दी।

सरस्वती महिला कॉलेज में मनाया गणित दिवस

पलवल। सरस्वती महिला महाविद्यालय पलवल के गणित विभाग द्वारा नेशनल मैथेमेटिक डे पर राष्ट्रीय स्तरीय ऑनलाइन गणित प्रश्नोत्तरी का आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता के लिए महाविद्यालय की प्रधानाचार्या डॉ. वंदना त्यागी ने प्राध्यापिकाओं व प्रतिभागियों का उत्साहवर्धन किया। यह प्रतियोगिता ऑनलाइन गूगल फर्म द्वारा आयोजित की गई। इस प्रतियोगिता में गणित से संबंधित प्रश्न पूछे गए। इसमें देश व राज्य के विभिन्न शहरों से 70 विद्यार्थियों ने रजिस्ट्रेशन कराया और 40 विद्यार्थियों ने प्रतियोगिता में हिस्सा लिया। जिसमें से 11 विद्यार्थियों ने 60 प्रतिशत व 60 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त किए। इसमें सरस्वती महिला महाविद्यालय पलवल की रिया ने 86.7 प्रतिशत अंक प्राप्त किए। गवर्नमेंट कॉलेज जटौली की अंजलि शर्मा ने 86.7 प्रतिशत अंक प्राप्त किए। इसमें केएल मेहता दयानंद कॉलेज फॉर वीमेन फरीदाबाद सहित अनेक कॉलेजों के विद्यार्थियों ने सफल प्रदर्शन किया। इस प्रतियोगिता का सफल निर्देशन विभागाध्यक्ष मिथलेश गुप्ता द्वारा किया गया। इस प्रतियोगिता को सफल बनाने में गणित विभाग की प्राध्यपिकाएं अमृता अग्रवाल, अमृता रावत, सीमा कुमारी, बिजेंद्री, मेहा, प्रियंका भारद्वाज तथा कंप्यूटर विभाग की सविता मंगला का अथक प्रयास रहा।

सेंट कोलंबस नेशनल स्कूल में यीशु का जन्मदिवस मनाया

फरीदाबाद। सेंट कोलंबस नेशनल स्कूल ने बड़े उत्साह और उत्सव के साथ यीशु मसीह का जन्मदिवस क्रिसमस मनाया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि फादर बिशप पवन सैनी ने अपनी उपस्थिति से शोभा बढ़ाई। सभी बच्चों तथा अध्यापकों को संबोधित करते हुए उन्होंने क्रिसमस के बारे में जानकारी दी और बताया कि हम इसे क्यों मनाते हैं। उत्सव का स्वाद लाने के लिए, प्री-प्राइमरी शाखा को लाल और सफेद गुब्बारों, सांता, स्नोमैन और क्रिसमस ट्री के साथ जीवंत और रंगीन सजावट से सजाया गया था। प्री-प्राइमरी के सभी लड़के सांता की पोशाक में थे और लड़कियां परियों की पोशाक में थीं। प्री-प्राइमरी विंग की शिक्षिका सुमन, पूजा, प्रीति, शिल्पी, नाजमा, लक्ष्मी, मेघा, ममता, बबीता और अंजना ने जिंगल बेल्स की धुन पर मनमोहक नृत्य प्रस्तुत किया। कैंडी के साथ सांता के आश्चर्यजनक प्रवेश ने छात्रों की खुशी और उत्साह को बढ़ा दिया। बच्चों ने सांता की स्लेज पर सवारी का आनंद लिया। इस आनंदमयी और मनोरंजक कार्यक्रम का समापन क्रिसमस की शुभकामनाओं के साथ हुआ जब छात्रों ने जिंगल बेल की मधुर धुनों पर नृत्य किया।

लापरवाही बरतने पर दो एसआई लाइन हाजिर

फरीदाबाद। काम में लापरवाही बरतने पर बृहस्पतिवार को डबुआ थाना में तैनात दो सब इंस्पेक्टर को लाइन हाजिर कर दिया गया। हालांकि पुलिस इसे रूटीन प्रक्रिया बता रही है, लेकिन सूत्रों के मुताबिक थाना प्रभारी के कई बार चेतावनी देने के बाद भी दोनों एसआई मान नहीं रहे थे। इसलिए सख्त कदम उठाने पड़े। दोनों एसआई को अलग-अलग मामलों और व्यवहार को लेकर कई बार चेतावनी दी गई थी। कोई सुधार नहीं होने पर बृहस्पतिवार को थाना प्रभारी ने उच्चाधिकारियों के संज्ञान में मामला लाने के बाद एसआई रामबाबू और जान मोहम्मद को लाइन हाजिर कर दिया। जान मोहम्मद के बारे में पुलिस आयुक्त कार्यालय में एक शिकायतकर्ता ने काम में लापरवाही का आरोप लगाकर शिकायत दी थी।

ट्रक की टक्कर से पांच खंभे टूटे, 20 घंटे गुल रही बिजली

फरीदाबाद। गांव खंदावली से कैली गांव जाने वाले रास्ते पर बुधवार रात 12 बजे ट्रक की टक्कर से बिजली लाइन के पांच खंभे टूट गए। पांच अन्य क्षतिग्रस्त हो गए। हादसे के बाद गांव खंदावली की बिजली गुल हो गई। 20 घंटे तक बिजली न आने से गांव में पेयजल आपूर्ति भी नहीं हो सकी। बृहस्पतिवार रात तक बिजली आपूर्ति शुरू हो सकी। गांव खंदावली के सरपंच शोएब ने बताया कि उनके गांव से कैली गांव को जाने वाले रास्ते में काफी संख्या में सीमेंट के बिजली की हाईटेंशन लाइन के पोल लगे हुए है। बुधवार रात 12 बजे एक ट्रक गांव के अंदर गलती से आ गया। चालक वापस जाने के लिए ट्रक को लौटाने लगा। इस दौरान अंधेरे में ट्रक बिजली पोल से टकरा गया। एक पोल के टूटने से पांच अन्य पोल भी टूट गए, वहीं अन्य क्षतिग्रस्त हो गए। इसके बाद बिजली नहीं होने की वजह से गांव वालों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ा।बिजली नहीं होने की वजह से लोगों को पानी के लिए सर्दी में हैंडपंप चलाने पड़े। बिजली निगम के एसडीओ विनय गुप्ता ने बताया कि देर रात ट्रक से टक्कर लगने की वजह से पांच पोल गिर गए थे। बृहस्पतिवार दोपहर तक सभी बिजली के खंभों को दोबारा से लगा दिए गए।तकनीकी जांच कर देर रात तक आपूर्ति शुरू कर दी गई।। बिजली नहीं होने की वजह से सबसे ज्यादा पानी की समस्या से लोगों को जूझना पड़ा। छोटी सड़क होने की वजह से ट्रक ने पोल को क्षतिग्रस्त कर दिया। - शोएब, सरपंच, गांव खंदावली

कोविड जेएन-1

सावधानी जरूरी

कोविड के नए स्वरूप जेएन-1 के फैलाव के बाद स्वास्थ्य मंत्री मनसुख मंडाविया ने सावधानी के साथ शांति बनाए रखने पर जोर दिया है। इस पीढ़ी द्वारा देखे गए सबसे बुरे दिन व सबसे भयानक कहानियां पीछे छूट गई हैं। लेकिन कुछ महीने तक हाशिए पर रहने के बाद कोविड फिर चर्चा के केन्द्र में आ गया है। इसके नवीनतम स्वरूप जेएन-1 के मामलों में भारत व विदेशों में तेजी से वृद्धि हुई है। इस चिन्ताजनक घटना ने स्वास्थ्य अधिकारियों तथा आम जनता का ध्यान समान रूप से आकर्षित किया है। भारत के केन्द्रीय स्वास्थ्य मंत्री मनसुख मंडाविया ने नागरिकों से अपील की है कि वे घबरायें नहीं। उन्होंने जोर देकर कहा है कि स्थिति नियंत्रण में है। कोविड संक्रमणों की यह नवीनतम लहर उस समय आई है जब देश अभी भी कोविड-19 वैश्विक महामारी के दीर्घकालीन प्रभावों से निपट रहा है जिसने देश तथा वास्तव में पूरी दुनिया की सामूहिक सोच पर अमिट छाप छोड़ी है। जेएन-1 के उभार ने गंभीर चिन्ता पैदा की है क्योंकि यह तेजी से रूप बदलता है जिससे इसकी लगातार निगरानी की जरूरत है। इसमें ऐसे परिवर्तन हुए हैं जिनका प्रभाव संक्रमण क्षमता तथा वर्तमान वैक्सीनों के प्रति संभावित प्रतिरोध पर पड़ सकता है। सभी राज्यों में मामले बढ़ने के साथ स्वास्थ्यरक्षा व्यवस्था की ज्यादा मरीजों से निपटने की क्षमता पर चिन्ता पैदा हुई है। हालांकि, सारी आशंकाओं को दूर करते हुए मनसुख मंडाविया ने जोर दिया है कि जेएन-1 मामले बढ़ने से कोई परेशानी नहीं पैदा होगी तथा अधिकारी इसके प्रसार को सीमित रखने के उपाय लागू कर रहे हैं। स्वास्थ्य विशेषज्ञों ने भी कहा है कि घबराने की कोई जरूरत नहीं है, पर सावधान रहना जरूरी है। जेएन-1 स्वरूप पर लगातार निगरानी रखने तथा इसके अनुरूप सार्वजनिक स्वास्थ्य रणनीतियों में बदलाव की जरूरत है।

टेस्टिंग बढ़ाने, कांटैक्ट ट्रेसिंग तथा टीकाकरण अभियानों को प्रोत्साहित करने की जरूरत है जो स्थिति पर प्रभावी नियंत्रण रखने के महत्वपूर्ण तत्व हैं। हालांकि, अब तक सरकार या स्वास्थ्य अधिकारियों ने कोई स्वास्थ्य सलाहें जारी नहीं की हैं, पर ऐसी स्थितियों से बचना लाभदायक होगा जो वायरस के प्रसार में सहायक होती हैं। मास्क का प्रयोग तथा बहुत भीड़ वाले स्थानों पर जाने से बचना अच्छा रहेगा। इसके साथ ही बुखार व सांस लेने में कठिनाई जैसी स्थितियों को गंभीरता से लेते हुए डाक्टर की सलाह लेनी चाहिए। बाकी दुनिया की तरह भारत भी कोविड-19 वैश्विक महामारी के दीर्घकालीन प्रभावों से मुक्त नहीं हुआ है। इस संकट ने जनता के मानसिक स्वास्थ्य व बेहतरी पर स्थाई प्रभाव डाला है। शुरुआत में इससे प्रिय जनों के विछोह व आर्थिक कठिनाइयों के कारण भय व बेचैनी पैदा हुई थी, लेकिन बाद में यह सामूहिक रूप से असहज स्थिति वाली सोच में बदल गया। वैश्विक महामारी के आघात ने व्यक्तियों की सोच तथा स्वास्थ्य, सुरक्षा व सामुदायिक बेहतरी के बारे में उनके दृष्टिकोण को प्रभावित किया है। इस परिदृश्य में घबराहट पैदा होना स्वाभाविक है, पर इससे बचा जाना चाहिए। जेएन-1 मामलों के विस्तार का सामना करते हुए सतर्कता और शांति के बीच संतुलन बनाए रखना जरूरी है। सरकार इस पर निगरानी व स्थिति पर नियंत्रण हेतु प्रतिबद्ध है जिसमें सार्वजनिक स्वास्थ्य दिशानिर्देशों के अमल की व्यक्तिगत जिम्मेदारी भी शामिल है। इससे एक बार इस विभीषिका से निपटने में सहायता मिलेगी। लोगों की दृढ़ता तथा सक्रिय व जवाबदेह स्वास्थ्यरक्षा व्यवस्था से हम निश्चित रूप से संक्रमणों की नवीनतम लहर का सामना कर सकेंगे।

अनुच्छेद 370 पर अदालत का फैसला

वर्तमान परिस्थितियों में अनुच्छेद 370 अपनी प्रासांगिकता खो चुका था। सर्वोच्च न्यायालय ने यह अनुच्छेद समाप्त करने के मोदी सरकार के साहसी व सकारात्मक फैसले पर स्वीकृति की मुहर लगा दी है।

दीपक सिन्हा
(लेखक, पूर्व सेनाधिकारी हैं)

हाल ही में भारत के सर्वोच्च न्यायालय ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी सरकार द्वारा जम्मू कश्मीर के मामले में उठाए गए कदम के पक्ष में फैसला दिया है। सर्वोच्च न्यायालय ने अगस्त, 2019 में सरकार द्वारा संविधान के अनुच्छेद 370 को समाप्त करने का फैसला सही ठहराया है। मोदी सरकार के इस निर्णय पर भारी विवाद हुआ था। कांग्रेस तथा जम्मू कश्मीर की क्षेत्रीय पार्टियां इसे संविधान का उल्लंघन मानती थीं और इसके खिलाफ सर्वोच्च न्यायालय का दरवाजा खटखटाया गया था। अनुच्छेद 370 जम्मू कश्मीर को हमारे संघीय ढांचे में विशेष स्थिति प्रदान करता था जिसके अंतर्गत उसे अपना संविधान रखने का अधिकार था और इससे भारत का संविधान उस पर पूरी तरह लागू नहीं होता था। हालांकि, बाद में इसमें अनेक परिवर्तन हुए थे, लेकिन इसके बावजूद विवाद और भ्रम की स्थिति बनी हुई थी।

इस प्रकार जम्मू कश्मीर इस मामले में भारत सरकार का एक विशेष राज्य था। आश्चर्यजनक रूप से संविधान में अनुच्छेद 370 को अस्थाई दर्जा दिया गया था, लेकिन इसके बावजूद इसे 'स्थाई' समझा जाता था क्योंकि जम्मू कश्मीर की संविधान सभा ने अपनी समाप्ति के समय इसे हटाने का कोई विशेष प्राविधान नहीं किया था। यह स्थिति पूर्णत: अतार्किक लगती थी क्योंकि आम समझदारी के अनुसार यदि किसी अधिकारी को ऐसे अनुच्छेद को लागू करने का अधिकार होता है तो उसे ही उसके समाप्त करने की शक्ति भी प्राप्त होती है। इस प्रकार अनुच्छेद 370 को स्थाई मानने की अवधारणा एक प्रकार से 'तिल को ताड़ बनाने' की तरह थी।

लेकिन इन सारे तथ्यों के बावजूद हमारे अनेक विधिवेत्ताओं व विद्वान टिप्पणीकारों ने सर्वोच्च न्यायालय के फैसले पर अप्रसन्नता प्रकट की है। सर्वोच्च न्यायालय के फैसले से असहमत लोगों में सर्वोच्च न्यायालय के पूर्व न्यायाधीश जस्टिस मदन लोकुर तथा प्रख्यात संविधान विशेषज्ञ फाली एस. नरीमन शामिल हैं। जस्टिस लोकुर ने संकेत किया है कि सर्वोच्च न्यायालय का यह फैसला अदालत के पुराने फैसलों का विरोधाभासी है तथा यह एक अत्यधिक विकृत तर्क पर आधारित है। उन्होंने सर्वोच्च न्यायालय के अनुच्छेद 370 समाप्त करने को सही ठहराने के फैसले से असहमति व्यक्त करते हुए इस बात पर भी अप्रसन्नता प्रकट की है कि उसने राज्य के पुनर्गठन पर विचार करना उचित नहीं समझा है। उल्लेखनीय है कि सरकार ने अनुच्छेद 370 समाप्त करने के साथ ही जम्मू कश्मीर राज्य को लद्दाख तथा जम्मू कश्मीर के दो संघशासित क्षेत्रों में बांट दिया था। सर्वोच्च न्यायालय ने कहा कि यह कदम संविधान के अनुच्छेद 3 के अंतर्गत पूर्णत: संवैधानिक है।

जस्टिस मदन लोकुर का मानना है कि सर्वोच्च न्यायालय इस प्रकार अपना संवैधानिक दायित्व निभाने में विफल रहा है। अग्रणी संविधान विशेषज्ञ फाली नरीमन ने सर्वोच्च न्यायालय के फैसले की बहुत कठोर आलोचना करते हुए यहां तक कहा कि यह फैसला 'पूर्णत: गलत तथा कानून के अनुसार अनुचित' है। संभवत: सर्वोच्च न्यायालय के फैसले के आलोचकों को जम्मू कश्मीर के सवाल से अधिक चिन्ता इस बात की है कि सर्वोच्च न्यायालय ने इस फैसले से एक गलत उदाहरण पेश किया है। उनके दृष्टिकोण से इस फैसले का व्यापक असर भारत के संघवाद या संघीय व्यवस्था पर पड़ेगा। सर्वोच्च न्यायालय ने पहले अनेक अत्यधिक महत्वपूर्ण फैसलों में संविधान का एक 'मूल ढांचा' माना है जो अनुल्लंघनीय तथा अत्यधिक पवित्र है। उनका विश्वास है कि सर्वोच्च न्यायालय ने अपने फैसले तथा एक बिंदु को विचार-विमर्श से अलग रख कर केन्द्र सरकार को यह अनुमति दे दी है कि वह संसद के माध्यम से राज्य विधानसभा की सहमति लिए बिना राज्यों का पुनर्गठन कर सकती है। अकादमिक विमर्श या उसके सकारात्मक अथवा नकारात्मक तत्व चाहे जो हों, पर पिछले कई साल से वर्तमान सरकार अपने द्वारा निर्धारित लक्ष्यों पर पूरी आक्रामकता से अमल करती है। एक बार निर्णय लेने पर वह पूर्व-धारणाओं की चिन्ता किए बिना उसी दिशा में आगे बढ़ती है तथा पहले से अपने निर्णयों पर अदालतों की संभावित प्रतिक्रिया पर परेशान नहीं होती है।

सरकार के विभिन्न अंगों व न्यायपालिका के कार्यक्षेत्र के बारे में विस्तृत विचार-विमर्श होता रहा है। विश्वयुद्ध के समय फ्रांस के प्रधानमंत्री जार्ज क्लीमेंस्यू का यह कथन बहुत लोकप्रिय हुआ था, 'यह बहुत जरूरी है कि युद्ध संबंधी मामले जनरलों पर छोड़ दिए जाएं।' इसी कथन की तर्ज पर यह भी कहा जा सकता है कि राज्य के मामले इतने महत्वपूर्ण होते हैं कि उनको निर्णय के लिए जजों पर नहीं छोड़ा जाना चाहिए। वैसे भी जम्मू कश्मीर के मामले को केवल न्यायशास्त्र के बजाय असली राजनीति के दृष्टिकोण से देखना जरूरी है। तथ्य यह है कि जम्मू कश्मीर के महाराजा हरि सिंह ने जिस विलय पत्र पर हस्ताक्षर किए थे वह बहुत संक्षिप्त, स्पष्ट तथा विधिक रूप से बाध्यकारी है।

लेकिन इसके बावजूद अंतरराष्ट्रीय समुदाय जम्मू कश्मीर राज्य को विवादित क्षेत्र की तरह देखता रहा है। अब यह पूरी तरह स्पष्ट हो गया है कि राज्य को अस्थाई रूप से विशेष दर्जा देने का उद्देश्य और प्रयास उसकी जनसंख्या को यह समझाना था कि यदि वे जनमत संग्रह में भारत में विलय का निर्णय करते हैं तो उनके हितों की सुरक्षा की जाएगी। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के प्रस्ताव संख्या 47 के अनुसार यह जनमत संग्रह आवश्यक था। इस बात में भी कोई संदेह नहीं कि पाकिस्तान सरकार ने समझ लिया था कि यह जनमत संग्रह भारत के पक्ष में जाएगा। इसका कारण तथाकथित कबीलाइयों के नाम पर कश्मीरी जनता पर किए अत्याचार थे। जनमत संग्रह इस शर्त पर आधारित था कि पाकिस्तानी सैनिक राज्य से बाहर चले जाएंगे, लेकिन ऐसा कभी नहीं हुआ। इस विवाद के कारण पिछले 75 साल में भारत तथा पाकिस्तान के बीच चार युद्ध हो चुके हैं। आज इस जनमत संग्रह की बात करना ही निरर्थक है क्योंकि संरा. सुरक्षा परिषद का प्रस्ताव ही निरर्थक हो गया है और उसे लागू नहीं किया जा सकता है। इन परिस्थितियों में अनुच्छेद 370 की प्रासांगिकता भी पूरी तरह समाप्त हो गई थी। यह नतीजा निकाला जा सकता है कि अनुच्छेद 370 प्रगति में बाधा बन गया था क्योंकि यह हमारी राजनीति में पूर्ण एकता की अनुमति नहीं देता था, अपने प्राविधानों के कारण अनेक निवासियों से भेदभाव करता था तथा इन प्राविधानों का प्रयोग कर स्थानीय राजनीतिक पार्टियां 'बहुसंख्यकवादी एजेंडा' चलाती थीं जिसका खामियाजा राज्य की अल्पसंख्यक जनता, यानी हिंदुओं व सिखों को भुगतना पड़ता था। इससे भी महत्वपूर्ण बात है कि सेना राज्य में 1989 से जारी हिंसा पर लगाम लगा सकती थी, पर बिना समुचित राजनीतिक पहल के अलगाववाद का सामना नहीं किया जा सकता था। पिछले वर्षों में सरकारों ने ऐसा कदम उठाने की हिम्मत नहीं दिखाई थी जिससे हर कुछ साल बाद हिंसा का दुष्चक्र जारी था। इस प्रकार मोदी सरकार द्वारा अनुच्छेद 370 समाप्त करना एक अत्यधिक साहसी व सकारात्मक राजनीतिक कदम था।

हालांकि, यह तर्क दिया जा सकता है कि क्रमिक गतिविधि के रूप में पहले सरकार को सुदूर क्षेत्रों से अफस्पा हटाने तथा एलओसी पर राष्ट्रीय राइफल्स को तैनात करने जैसे कदम उठाने चाहिए थे। इससे हमारी सप्लाई लाइनों को नुकसान बिना आतंकवादियों व अलगाववादियों को पाकिस्तानी समर्थन समाप्त किया जा सकता था। इस दृष्टिकोण से भले ही आलोचकों की नजर में फैसला विकृत हो, पर इससे सरकार को साहसपूर्वक संघशासित क्षेत्र में और साहसी कदम उठाने का अवसर मिला है। इससे दीर्घकालीन रूप से हमें बहुत लाभ होगा तथा राष्ट्रीय सुरक्षा परिवेश में व्यापक व गहन सुधार आएगा। हमेशा कुछ आलोचक, निन्दक व निराशावादी लोग रहेंगे, पर सरकार को इनको अनदेखा कर सकारात्मक उपलब्धियां प्राप्त करने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ना चाहिए।

हमारी सोच से ज्यादा अभिप्रेरित होते हैं आतंकी

वे अक्सर कल्पना से प्रेरणा लेते हैं और उसे वास्तविक जीवन में क्रियान्वित करते हैं। राष्ट्र को उनके लिए तैयार रहना चाहिए।

कुमार चेलप्पन
(लेखक, दि पायिनयर के विशेष संवाददाता हैं)

दक्षिण भारत में इज़राइल के महावाणिज्य दूत टैमी बेन-हैम का यह बयान कि 7 अक्टूबर 2023 को इज़राइल पर हमास द्वारा किए गए हमले को भारत सहित देशों के समुदाय द्वारा गंभीरता से लिया जाना चाहिए, सभी संबंधित पक्षों के लिए एक चेतावनी संकेत है। लंबे समय से आतंकवाद का शिकार रहे इजराइल के एक कैरियर राजनयिक की टिप्पणी अंधेरी ताकतों के फैलते जाल के बारे में बहुत कुछ कहती है जो बेदाग सटीकता के साथ मिशन की योजना बनाते हैं और उन्हें क्रियान्वित करते हैं।

द पायनियर के 7 दिसंबर के अंक में एक और चौंकाने वाला खुलासा हुआ, इस बार खालिस्तानी समर्थक गुरपतवंत सिंह पन्नू की चेतावनी। सरदार ने एक वीडियो संदेश के माध्यम से धमकी जारी की थी कि वह 13 दिसंबर को संसद पर 2001 के आतंकवादी हमले की बरसी पर भारतीय संसद की नींव हिला देगा। जैसा कि पन्नू ने संदेश में आश्वासन दिया था, उसने देश को झकझोर कर रख दिया।

अग्रिम चेतावनी के बावजूद, भारतीय सुरक्षा प्रतिष्ठान ने गलती की, जबकि पन्नुन की आखिरी हंसी थी। हर कोई यह सवाल पूछ रहा है कि भारी सुरक्षा घेरे वाली भारतीय संसद में उपद्रवी कैसे घुसने में कामयाब हो गए। ऐसा लगता है कि जिन अधिकारियों को लोकतंत्र के मंदिर की सुरक्षा की जिम्मेदारी सौंपी गई थी, उन्होंने कहीं न कहीं गलती की और आज हम दुनिया के सामने बेनकाब हो गए हैं।

प्रारंभिक जांच में पाया गया है कि यह कर्नाटक के एक भाजपा संसद सदस्य थे जिन्होंने प्रवेश पास पर हस्ताक्षर कर दिये थे, जिसके साथ आतंकवादी सुरक्षा कर्मियों को धोखा देने और आगंतुक गैलरी में आसानी से प्रवेश करने में कामयाब रहे। ग़लतियों के बारे में पूछे जाने पर, भाजपा प्रवक्ताओं (और प्रवक्ताओं) ने हमलावरों पर उनके कांग्रेस के साथ कनेक्शन होने का आरोप लगाया। हमलावरों में से एक को हरियाणा विधानसभा चुनाव में कांग्रेस के लिए प्रचार करते देखा गया था! लेकिन ये वो जवाब नहीं है जो देश वस्तुत: सुनना चाहता है।

किम फिलबी नाम का एक ब्रिटिश सज्जन था जिसने द्वितीय विश्व युद्ध के साथ-साथ शीत युद्ध के दौरान ब्रिटिश गुप्त सेवा के लिए काम किया था।

यद्यपि वह महामहिम की सेवा में था, फिलबी की ईमानदारी और आत्मीयता तत्कालीन सोवियत संघ के साथ थी और वह सोवियत जासूसों को जो भी संवेदनशील जानकारी दे सकता था, देता था। भारत में भी कई फिलबी हैं जो बाद में सुरक्षित रूप से चलने में सक्षम हैं। दूसरे देशों के लिए अपने मिशन को अंजाम दे रहे हैं। रॉ में एक अतिरिक्त सचिव अमर बहादुर ने एजेंसी में अपने अनुभवों के आधार पर एक वास्तविक जीवन का उपन्यास लिखा है। यह व्यापक रूप से रिपोर्ट किया गया था कि आपराधिक प्रक्रिया संहिता द्वारा लागू प्रतिबंधों के कारण भारत में खुफिया एजेंसियां अक्षम हैं। इंटेलिजेंस ब्यूरो के अधिकारी नापाक गतिविधियों में शामिल होने के संदेह वाले व्यक्तियों को गिरफ्तार करने या हिरासत में लेने के लिए अधिकृत नहीं हैं। खुफिया एजेंसियों द्वारा बताए गए लोगों को गिरफ्तार करना स्थानीय पुलिस का काम है। लेकिन वह खुद ही उलझन में उलझा हुआ है. उदाहरण के लिए, केरल पुलिस स्पष्ट कारणों से आईबी द्वारा चिन्हित किसी भी व्यक्ति को गिरफ्तार नहीं करेगी। तिरुवनंतपुरम अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के ग्रीन चैनल के माध्यम से सोने की तस्करी का मामला इस बात का एक आदर्श उदाहरण है कि राष्ट्रीय जांच एजेंसी और प्रवर्तन निदेशालय द्वारा चलाए जा रहे मामले को राज्य पुलिस द्वारा कैसे नष्ट किया जा सकता है।

टॉम क्लैन्सी, एक उपन्यासकार जो आतंकवाद से संबंधित रचनाएं लिखने में माहिर हैं, ने 1996 में एग्जीक्यूटिव ऑर्डर्स लिखा था। यह उपन्यास एक अपहृत विमान का उपयोग करके वाशिंगटन में एक ऊंची इमारत को नष्ट करने के बारे में था, जिसके कारण अमेरिकी राष्ट्रपति और उपराष्ट्रपति की मृत्यु हो गई थी।. बाद की घटनाएँ बाकी कहानी को चिह्नित करती हैं। जिन लोगों ने उपन्यास पढ़ा, उन्होंने कथानक के साथ-साथ लेखक की भी प्रशंसा की। लेकिन 11 सितंबर 2001 को हमने जो देखा वह क्लैन्सी की साजिश की प्रतिकृति थी और एकमात्र सांत्वना यह थी कि अमेरिकी प्रथम नागरिक और प्रथम महिला सुरक्षित रहीं।

एलटीटीई आतंकवादियों द्वारा 1991 में चेन्नई के पास श्रीपेरंबुदूर में राजीव गांधी की हत्या से बहुत पहले, फ्रेडरिक फोर्सिथ ने अमेरिकी राष्ट्रपति के बेटे के अपहरण और बेल्ट बम की सहायता से उसकी हत्या पर आधारित उपन्यास द नेगोशिएटर लिखा था। तमिल टाइगर्स को राजीव गांधी से छुटकारा पाने के लिए वही तरीका अपनाने में मुश्किल से दो साल लगे। कल्पना और यथार्थवाद को अलग करने वाली पतली रेखा तेजी से गायब हो रही है। शाश्वत सतर्कता. मानव रहित हवाई वाहन (यूएवी) और ड्रोन आतंकवादियों की सूची में शामिल होने वाले नवीनतम हैं। जासूसी फिल्मों में ड्रोन का उपयोग करके हत्याओं पर चर्चा की जा रही है और अगर तकनीक एन्जिल्स ऑफ पीस के हाथों में पड़ जाए तो किसी को आश्चर्यचकित होने की जरूरत नहीं है।

हममें से कितने लोगों को डोमिनिक लैपिएरे और लैरी कॉलिन्स द्वारा लिखित उपन्यास द फिफ्थ हॉर्समैन याद है? इसमें दिवंगत लीबियाई तानाशाह मुहम्मर गद्दाफ़ी ने न्यूयॉर्क शहर में परमाणु बम लगाने और कुछ मांगों के बदले में शहर को फिरौती देने का प्रबंध किया था। सुरक्षा और संरक्षा से जुड़ा मूल नियम स्पष्ट चीज़ों पर अविश्वास करना है। देश जानना चाहता है कि 13 दिसंबर को सुरक्षा एजेंसियों द्वारा की गई गड़बड़ी और मानव खुफिया तंत्र की विफलता के पीछे क्या कारण हैं?

आप की बात

नया कोरोना

कोरोना का नया वेरिएंट जेएन-1 दुनिया के 40 देशों में फैल चुका है। भारत में भी इसके मरीजों की संख्या धीमी गति से बढ़ती जा रही है तथा केरल में मौतें भी हुई है। हालांकि, स्वास्थ्य विशेषज्ञों के अनुसार जेएन-1 ओमीक्रान की तुलना में तेजी से फैलता है, पर यह उतना घातक नहीं है। लेकिन पूर्व में लगवाए कोरोना टीकों का प्रभाव लगभग खत्म हो गया है। ऐसी हालत में जनता को कोरोना फैलने से बचाव के मूलभूत नियमों का पालन करना उचित होगा। इनमें यथासंभव भीड़ से बचना, मास्क लगाना, हाथ धोना आदि चीजें शामिल हैं। इससे लोग कोरोना के नए स्वरूप के प्रसार पर नियंत्रण करने में सहायक हो सकते हैं। वैसे तो सरकार ने एडवाइजरी जारी कर दी है मगर अपने स्वास्थ्य की रक्षा करना अपनी खुद की भी जिम्मेदारी है। सरकार को देश के सभी अस्पतालों में स्वास्थ्य सेवाओं को चुस्त-दुरुस्त रखने के निर्देश देने चाहिए। सर्दी, जुकाम, बुखार, सांस लेने में कठिनाई वाले मरीजों को अच्छे इलाज और जांच के बाद ही डिस्चार्ज किया जाना चाहिए। भारत सरकार के स्वास्थ्य मंत्रालय को विश्व स्वास्थ्य संगठन तथा प्रभावित देशों से संपर्क बना कर जेएन-1 के बारे में ज्यादा शोध करने की भी आवश्यकता है।

– **सुभाष बुड़ावन वाला,** रतलाम

नए अपराध न्याय कानून

देश और देशवासियों के लिए हर्ष की बात है कि आज की जरूरतों व परिस्थियों के अनुरूप अंग्रेजों के ज़माने के तीनों आपराधिक कानून बदल जाएंगे। भारतीय नागरिक सुरक्षा, भारतीय न्याय संहिता और भारतीय साक्ष्य अधिनियम 2023 के ऐतिहासिक बदलाव से देश की जनता को आसाने सी न्याय मिलेगा। गृहमंत्री ने कहा कि इससे तारीख पे तारीख से लम्बी खिंचती न्याय प्रक्रिया से मुक्ति मिलेगी तथा अब न्याय की गति तेज हो जाएगी। आईपीसी, सीआरपीसी व इविडेंस कानूनों में बदलाव की आवश्यकता बहुत लंबे समय से अनुभव की जा रही थी, पर पहले की किसी सरकार ने ऐसी हिम्मत नहीं दिखाई या इतना परिश्रम नहीं किया। मोदी सरकार ने इन तीनों कानूनों में बदलावों में बदलती परिस्थितियों, अपराधों की जांच व दंड प्रक्रिया में आधुनिक तकनीक के प्रयोग को बढ़ावा देने के साथ अंग्रेजी युग की वे अवधारणायें त्याग दी हैं जिनको पश्चिमी दुनिया ने भी बहुत पहले अस्वीकार कर दिया था। उम्मीद करनी चाहिए कि इन कानूनों के क्रियान्वयन, पुलिस व अभियोजन अधिकारियों की संख्या में वृद्धि तथा ऐसे अन्य कदमों से अपराधियों को फौरन दंड मिलेगा।

– **शकुंतला महेश नेनावा,** इंदौर

काम और आराम

काम और आराम के संबंध में सॉफ्टवेयर से जुड़े दो लोगों का विचार एकदम अलग-अलग है। इनफ़ोसिस के संस्थापक नारायण मूर्ति ने कहा था कि विकसित राष्ट्र बनने के लिए भारत में लोगों को सप्ताह में 70 घंटे काम करना चाहिए। उन्होंने कहा कि अगर युवा भारतीयों को वैश्विक अर्थव्यवस्था में सफल होना है तो उन्हें लंबे समय तक काम करने के लिए तैयार रहना होगा। मगर इनके विचार से ठीक उलट माइक्रोसॉफ्ट के बिल गेट्स ने लिखा कि जब मैं अपने बच्चों की उम्र का था तो छुट्टियों या सप्ताहांत में विश्वास नहीं करता था। लेकिन बाद में मुझे एहसास हुआ कि जीवन में काम के अलावा और भी बहुत कुछ है। छात्रों को एक भाषण में उन्होंने सलाह दी कि इतनी मेहनत न करें कि अपना जीवन जीना ही भूल जाएं। उन्होंने रिश्ते मजबूत करने, सफलताओं का जश्न मनाने और नुकसान से उबरने के लिए समय निकालने की सलाह दी है। काम और आराम के बीच संतुलन के साथ ही आर्थिक उपलब्धि के साथ समाज कल्याण तथा कला व सौंदर्य, संगीत, थियेटर, सिनेमा, आदि का आनन्द उठाने के लिए भी समय निकालना उचित होगा।

– **जंग बहादुर सिंह,** जमशेदपुर

अति प्रसंस्कृत खाद्य

अति प्रसंस्कृत खाद्य के मानसिक स्थिति पर प्रभाव का अध्ययन अमेरिकी सेपियन लेब्स ने किया है। इसके अनुसार नियमित रूप से ज्यादा अति प्रसंस्कृत खाद्य पदार्थों व फलों का सेवन करने वालों में मानसिक रोग की आशंका सामान्य से तीन गुना अधिक हो जाती है। अब तक तो हम लोग अति प्रसंस्कृत व फास्ट फूड को मोटापे और पाचन संबंधी बीमारियों का कारण समझ रहे थे, मगर इस नए अध्ययन ने खतरनाक चेतावनी दे दी है। हमारे देश में अति प्रसंस्कृत खाद्य पदार्थों व अन्य डिब्बाबंद खाद्य पदार्थों का प्रयोग लगातार बढ़ता जा रहा है। टीवी विज्ञापनों के चलते बच्चे और किशोर खाने में फास्ट फूड को प्राथमिकता देते हैं। सॉफ्ट ड्रिंक का आलम तो यह है कि ताजे फलों का रस बेचने वाला खाली बैठा रहता है और सॉफ्ट ड्रिंक की बोतलें धड़ल्ले से बिकती है। ऐसी स्थितियों से निपटने के लिए स्वास्थ्य मंत्रालय को अति प्रसंस्कृत खाद्य पदार्थों के सार्वजनिक विज्ञापनों पर लगाम लगानी चाहिए। भारतीय भोजन शैली तथा स्थानीय व्यंजनों के उपयोग को बढ़ावा देने के साथ इनकी बिक्री को प्रोत्साहन मिलना चाहिए।

–**विभूति बुपक्या,** खाचरोद

पाठक अपनी प्रतिक्रिया ई-मेल से
responsemail.hindipioneer@gmail.com
पर भी भेज सकते है।

किसानों के हित में पीएम कुसुम योजना में राज्य अनुदान बढ़ाने पर करें विचार: योगी

● सीएम ने कृषि विज्ञान केंद्रों में जैविक उत्पादों की टेस्टिंग लैब स्थापित करने के निर्देश दिए

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने पीएम कुसुम योजना से अधिकाधिक किसानों को लाभान्वित करने के निर्देश दिए हैं। शुक्रवार को एक महत्वपूर्ण बैठक में मुख्यमंत्री ने कहा कि वर्ष 2017-18 से 2022.23 तक लगभग 51 हजार से अधिक किसानों को पीएम कुसुम योजनान्तर्गत सोलर पम्प उपलब्ध कराए जा चुके हैं। इससे न केवल किसानों की लागत में कमी आ रही है बल्कि जलवायु परिवर्तन के अंतर्गत कार्बन उत्सर्जन में कमी भी आ रही है। ऐसे में मिशन मोड में अधिकाधिक किसानों को इस योजना का लाभ दिलाया जाना चाहिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि वित्तीय वर्ष 2023-24 में 30 हजार और 2024-25 में 44250 किसानों को सोलर पंप की सुविधा से जोड़ने का लक्ष्य है। इसके दृष्टिगत प्रयास तेज किए जाएं। भारत सरकार के सहयोग से संचालित इस योजना की लोकप्रियता देखते हुए लागत के अनुपात में राज्य सरकार अपने अनुदान को बढ़ाने पर विचार कर रही है, ताकि ज्यादा से ज्यादा किसान पीएम कुसुम योजना से लाभान्वित हो सकें।

राष्ट्रीय कृषि विकास योजना की समीक्षा करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि इसके तहत कृषक उत्पादक संगठनों (एफ पीओ) को ग्राम पंचायत स्तर व ब्लॉक स्तर पर वेयरहाउसेज बनाने व संचालित के कार्य से जोड़ा जाना चाहिए। इसी प्रकार, पॉलीहाउसेज व पैक हाउसेज तथा कृषि विज्ञान केंद्रों में जैविक उत्पादों की टेस्टिंग लैब स्थापित किया जा सकता है। मुख्यमंत्री ने कृषि विभाग को इस सम्बन्ध में उद्यान, पशुपालन व मत्स्य विभाग के साथ समन्वय के साथ विस्तृत कार्ययोजना बनाने के निर्देश दिए।

निराश्रित पशुओं, जंगली जानवरों से कृषि फसलों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए मुख्यमंत्री ने किसानों को सोलर फेंसिंग के लिए प्रोत्साहित करने की आवश्यकता जताई है। कृषि विभाग की समीक्षा करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि वन रोजए अथवा वन्य पशुओं के कारण प्राय: किसानों की फसलों की क्षति की सूचना मिलती है। इसके स्थायी समाधान के लिए हमें किसानों को सोलर फेंसिंग के लिए प्रोत्साहित करना होगा। मुख्यमंत्री खेत सुरक्षा योजना को चरणबद्ध रूप से लागू किया जाए।

मुख्यमंत्री की सख्ती का असर, विगत तीन माह में निस्तारित हुए दोगुना राजस्व वाद

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

उत्तर प्रदेश में लंबित राजस्व वादों के निस्तारण को लेकर सीएम योगी के सख्त निर्देशों का सकारात्मक असर देखने को मिल रहा है। सीएम योगी के निर्देश पर लंबित राजस्व वादों के त्वरित निस्तारण के लिए किए गए प्रयासों के चलते विगत तीन माह में पिछले वर्ष की तुलना में करीब दोगुने वादों का निस्तारण सुनिश्चित किया गया है।

16 सितंबर 2023 को कुल 19.57 लाख वाद लंबित थे एवं 16 सितंबर 2023 से 19 दिसंबर 2023 के मध्य 6.59 लाख नए वाद इसमें शामिल हुए। इन सभी कुल 26.16 लाख वादों में से विगत 3 माह में कुल 12.90 लाख वादों (49 प्रतिशत) का निस्तारण सुनिश्चित किया गया जो विगत वर्ष के इन्हीं अंतिम 3 माह के औसत निस्तारण (6.66 लाख) के सापेक्ष लगभग दो गुना है। उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने 16 सितंबर 2023 को पूरे प्रदेश में लंबित राजस्व वादों के त्वरित व गुणवत्तापरक निस्तारण सुनिश्चित किए जाने के निर्देश दिए थे। निर्देशों के क्रम में मुख्य सचिव उत्तर प्रदेश व अध्यक्ष, राजस्व परिषद के स्तर से नियमित गहन समीक्षा के फलस्वरूप राजस्व वादों के निस्तारण में तेजी देखने को मिली है। 15 सितंबर 2022 के पूर्व प्रदेश स्तर पर कुल 20.67 लाख वाद लंबित थे एवं 15 सितंबर 2022 से 15 सितंबर 2023 के मध्य कुल 26.57 लाख वाद योजित हुए। इन विचाराधीन कुल 47.25 लाख वादों में से पूरे वर्ष में कुल 27.67 लाख वादों (59 प्रतिशत) का निस्तारण किया गया। 15 सितंबर 2022 से 15 सितंबर के मध्य दायर वादों के सापेक्ष पूरे वर्ष का निस्तारण 104 प्रतिशत रहा जबकि 16 सितंबर 2023 से 19 दिसंबर 2023 के मध्य दायर वादों के सापेक्ष मात्र 3 माह की अवधि का निस्तारण 196 प्रतिशत रहा। 15 सितंबर 2022 से 15 सितंबर 2023 तक 1 वर्ष में धारा-34 (नामांतरण) के कुल 19.22 लाख वादों का निस्तारण किया गया जबकि समीक्षा अवधि (16 सितंबर 2023 से 19 दिसंबर 2023) मात्र 3 माह में 7.77 लाख वादों का निस्तारण किया गया जो कि विगत वर्ष के इसी 3 माह के औसत निस्तारण 4.80 लाख के सापेक्ष लगभग 3 लाख अधिक हैं।

15 सितंबर 2022 से 15 सितंबर 2023 तक 1 वर्ष में धारा-24/41 (पैमाइश) के कुल 1.95 लाख वादों के सापेक्ष 83 हजार वादों का निस्तारण किया गया जबकि समीक्षा अवधि (16 सितंबर 2023 से 19 दिसंबर 2023) मात्र 3 माह में 89.43 हजार वादों का निस्तारण किया गया।

एसटीएफ ने घुमंतू गिरोह के सरगना सैफ अली को हरदोई से किया गिरफ्तार

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

एसटीएफ ने बरेली और बदायूं में डकैती और चोरी की विभिन्न वारदातों में वांछित घुमंतू जाति (छैमार गैंग) के सरगना सैफ अली उर्फ असलम उर्फ सैफिया को बंदायू से गिरफ्तार किया। सैफ अली के कब्जे से डकैती व चोरी किए गए जेवरात और नगदी बरामद हुई।

गिरफ्तार अभियुक्त ने पूछताछ पर बताया कि उत्तर प्रदेश में अपराधिक घटनाओं में वांछित होने के उपरान्त वह उत्तर प्रदेश के विभिन्न जनपदों में तथा महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश, उत्तराखंड आदि प्रदेशों में नाम पता बदलकर अस्थाई झोपड़ी बनाकर अपराध करता रहा। वह लगभग 15 वर्षों से अधिक समय से लगातार जघन्य अपराध कर रहा है। उसके परिवार व रिश्तेदार घरों में डकैती डालने का कार्य करते हैं वर्तमान समय में उसके पिता ताज मोहम्मद व उसके भाई आस मोहम्मद वाजिद फरजान डकैती के मामले में बदायूं जेल में बंद है। वर्ष 2014 में थाना गदरपुर क्षेत्र जनपद उधम सिंह नगर, उत्तराखंड उसने अपने गैंग के पठान, मेहरान उर्फ दिवाना, इमरान व फौलाद के साथ डकैती डाली थी। जिसकी सूचना एसटीएफ को मिलने पर एसटीएफ द्वारा तत्काल जिला पुलिस के सहयोग से इन सभी को घटना कर लौटते समय थाना क्षेत्र सदर बाजार जनपद शाहजहांपुर में लुटे हुए जेवरात सहित गिरफ्तार किया गया था। वर्ष 2015 में पेशी के दौरान पूर्व योजना के अनुसार इन लोगों ने पुलिस को धोखा देकर भागने का प्रयास किया। जिसमें पुलिस द्वारा अपराधियों से झड़प के दौरान मेहरान उर्फ दीवाना की पुलिस की गोली लगने से मौत हो गई तथा पठान, फौलाद पुलिस कस्टडी से भाग गए व सैफ अली को पुलिस ने भागते हुए पकड़ लिया था।

सांसदों के निलंबन के विरोध में विपक्ष ने भरी हुंकार

सपा और कांग्रेस ने किया केंद्र की बीजेपी सरकार के खिलाफ प्रदर्शन

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

मोदी सरकार द्वारा अपने लोकतांत्रिक अधिकारों का प्रयोग कर रहे सांसदों को निलंबित करने के अलोकतांत्रिक फैसले के खिलाफ राज्य के विपक्षी दलों ने हुंकार भरी है। सपा और कांग्रेस के कार्यकर्ताओं ने शुक्रवार को राजधानी सहित विभिन्न जिलों में धरना-प्रदर्शन कर अपना विरोध जताया और जिलाधिकारी के माध्यम से राष्ट्रपति को नामित ज्ञापन भी सौंपा।

अखिलेश यादव के निर्देश पर आज समाजवादी पार्टी ने राजधानी लखनऊ समेत प्रदेश के सभी जिला मुख्यालयों पर केन्द्र की भाजपा सरकार द्वारा संसद सत्र में 146 सांसदों के अलोकतांत्रिक तरीके से निलम्बन और तानाशाही रवैये के खिलाफ धरना दिया। इस धरने का उद्देश्य लोकतंत्र एवं संविधान को बचाना तथा भाजपा सरकार को हटाना है। समाजवादी पार्टी ने सभी जिला मुख्यालयों पर धरना और प्रदर्शन के बाद जिलाधिकारियों के माध्यम से राष्ट्रपति को सम्बोधित ज्ञापन सौपा धरना प्रदर्शन में नेताओं ने बढ़ती महंगाई, बेरोजगारी, भ्रष्टाचार और भाजपा सरकार की किसान, नौजवान, गरीब विरोधी नीतियों के खिलाफ आक्रोश जताया। समाजवादी पार्टी के नेताओं, कार्यकर्ताओं और आम जनता ने लखनऊ समेत अन्य सभी जिलों में धरना प्रदर्शन कर जिलाधिकारियों के माध्यम से राष्ट्रपति को सम्बोधित ज्ञापन भेजा। धरने में समाजवादी पार्टी के नेताओं ने कहा कि भाजपा सरकार लोकतंत्र की हत्या करने पर अमादा है। अभिव्यक्ति की आजादी को कुचल रही है। भाजपा आम जनता के संवैधानिक अधिकार खत्म कर तानाशाही कर रही है। समाजवादी पार्टी इंडिया गठबंधन के साथ मिलकर भाजपा को उत्तर प्रदेश की सभी 80 सीटों पर हराएगी। उधर दूसरी ओर तय कार्यक्रम के तहत शुक्रवार को कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने भी कांग्रेस उपाध्यक्ष दिनेश सिंह के नेतृत्व में प्रदर्शन किया। कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने परिवर्तन चौक से जिलाधिकारी कार्यालय की ओर 'लोकतंत्र की हत्या बंद करो' के नारे के साथ कूच किया। कांग्रेस प्रवक्ता ने बताया कि कांग्रेसजनों द्वारा जिलाधिकारी कार्यालय पहुंचकर राष्ट्रपति को संबोधित ज्ञापन जिलाधिकारी को सौंपकर संसद की सुरक्षा में हुई चूक की निष्पक्ष जांच, निलंबित सांसदों की सदस्यता की बहाली, विपक्षी सांसदों द्वारा पूछे गए प्रश्नों का जवाब प्रधानमंत्री अथवा गृह मंत्री द्वारा सदन में आकर दिलाए जाने तथा संसद की सुरक्षा व्यवस्था को और मजबूत किए जाने की मांग की गई है। प्रदर्शन में इंडिया गठबंधन के घटक दल समाजवादी पार्टी तथा मार्क्स कम्युनिस्ट पार्टी के कार्यकर्ताओं ने भी संयुक्त रूप से हिस्सा लिया। प्रदेश कांग्रेस प्रवक्ता मनीष हिंदवी ने बताया की 143 सांसदों का निलंबन संसदीय लोकतंत्र के लिए एक काला दिन है।

रबी फसलों की बुआई से पहले सभी जिलों में स्थापित होगी हेल्पडेस्क

लखनऊ। प्रदेश सरकार ने प्रदेश भर में बोई जाने वाली फसलों के सटीक आंकड़े जुटाने के लिए डिजिटल क्रॉप सर्वे का सहारा लिया है। इसके तहत रबी, खरीफऔर जायद सीजन में बोई जाने वाली फसलों का फील्ड टू फील्ड सर्वे कराया जाता है। इस कड़ी में रबी सीजन की फसलों की बुआई का सर्वे शुरू होने से पहले किसानों की सहायता के लिए योगी सरकार ने दिसंबर माह के अंत तक जिला हेल्पडेस्क बनाने का निर्देश दिया है। साथ ही टीम के सदस्यों के नाम और मोबाइल नंबर के साथ उनका हेल्पडेस्क नंबर के साथ वेबसाइड पर साझा किया जाएगा। सरकार की ओर से जिलों को 20 दिसंबर 2023 तक अपने मौजूदा खरीफ सर्वेक्षकों (वर्तमान में पोर्टल पर अनुपलब्ध के रूप में दर्शाया गया है) को सक्रिय करने के भी निर्देश दिए गए हैं। साथ ही नए सर्वेक्षकों के लिए क्रेडेंशियल दिसंबर अंत तक बनाए जाने होंगे। इसके साथ ही ये भी निर्देश दिया गया है की प्रशिक्षण ऐप पर अभ्यास होता रहना चाहिए। हाल ही में जिला और एनआईसी लेवल पर प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया जा चुका है।

अतिरिक्त कर के रूप में यूपी को केंद्र से मिली सबसे ज्यादा धनराशि

लखनऊ। केंद्र सरकार ने शुक्रवार को राज्यों को अतिरिक्त कर के रूप में 72961.21 करोड़ रुपये जारी करने की घोषणा की है। वित्त मंत्रालय की ओर से जारी राज्यों को दी जाने वाली धनराशि की सूची में उत्तर प्रदेश के खाते में सर्वाधिक रकम आएगी। प्रदेश को अतिरिक्त कर के रूप में 13088.51 करोड़ रुपये मिलेंगे। वहीं दूसरे नंबर पर बिहार को 7338 करोड़ रुपये और तीसरे नंबर पर पश्चिम बंगाल को 5488.88 करोड़ रुपये मिलेंगे। धनराशि मिलने के बाद योगी सरकार की ओर से चल रहे सामाजिक कल्याण और इन्फ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट के कार्यों को बल मिलेगा।

कपड़ा व्यापारी का अपहरण कर 20 लाख की फिरौती मांगने वाला गिरफ्तार

एसटीएफ ने अपहृत व्यवसायी को अपहरणकर्ताओं के चंगुल से सकुशल कराया मुक्त

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

एसटीएफ ने हरदोई जिले के थाना पाली से कपड़ा व्यवसायी रामजी मिश्र का बीती 19 दिसंबर 2023 को अपहरण कर 20 लाख रुपए की फिरौती मांगने वाले गैंग के सदस्य विशाल वर्मा निवासी याकूतगंज, जैदपुर, बाराबंकी को शुक्रवार को हुई मुठभेड़ के दौरान गिरफ्तार किया। अभियुक्त के कब्जे से तमंचा और कारतूस बरामद हुए।

जानकारी के अनुसार रामजी मिश्र निवासी ग्राम वारी, थाना पाली, हरदोई की वासितनगर, शाहाबाद में कपड़े की दुकान है। 19 दिसंबर 2023 की सायं रामजी मिश्र अपने मोटर साइकिल यूपी-30 एए 7545 से दुकान से अपने घर वापस आ रहे थे। इसी दौरान इनके गांव के लगभग 200 मीटर पूर्व ही चार पहिया वाहन सवार अज्ञात लोगों द्वारा इनके वाहन को टक्कर मार कर गिरा दिया गया। जिसके पश्चात रामजी मिश्र का अपहरण कर लिया गया तथा अपहृत को अवमुक्त करने के एवज में 20 लाख की फिरौती की मांग की गई थी। जिसके सम्बन्ध में थाना पाली, हरदोई में अपहृत के पिता कमल किशोर मिश्र द्वारा अभियोग पंजीकृत कराया गया था। अपहृत की सकुशल बरामदगी व अपराधियों की गिरफ्तारी के लिए उच्चाधिकारियों के निर्देशानुसार एसटीएफ की टीमो को निर्देशित किया गया तथा पुलिस उपाधीक्षक अवनीश्वर चन्द्र श्रीवास्तव व संजीव कुमार दीक्षित पुलिस उपाधीक्षक, एसटीएफ को दायित्व सौंपा गया। एसटीएफ की दोनों टीमों द्वारा जनपद हरदोई पुलिस के साथ समन्वय स्थापित करते हुए अपहृत की सकुशल बरामदगी व अपराधियों की गिरफ्तारी का अभियान जनपद हरदाई में चलाया जा रहा था।

इसी क्रम में 22 दिसंबर 2023 को एसटीएफ द्वारा अपनी तकनीकी विशेषज्ञताओं का प्रयोग करते हुए जनपद हरदाई पुलिस के साथ संयुक्त रूप से अभिसूचना संकलन की कार्रवाई की जा रही थी। अभिसूचना संकलन की कार्रवाई के दौरान ज्ञात हुआ कि फिरौती मांगने वाले अपराधियों द्वारा जगह बदल-बदल कर श्रीरामजी मिश्र के मोबाइल में चोरी किए गए सिम नम्बर से काल करके फिरौती की रकम की मांग की जा रही थी। अपराधियों द्वारा काल करने के स्थान की मैपिंग की गई। इलेक्ट्रानिक सर्विलांस तथा मुखबिर की सूचना के आधार पर कनकापुर तिराहा, नकटौरा-पाली रोड, थाना क्षेत्र पाली, हरदोई में संदिग्ध सैन्ट्रो कार में बैठे अपराधियों के साथ हुई मुठभेड़ के पष्चात अपहृत श्रीरामजी मिश्र को सकुशल बरामद करते हुए अभियुक्त विशाल वर्मा को घायलावस्था में गिरफ्तार किया। उसे पुलिस टीम के साथ अस्पताल भेजा गया। मुठभेड़ के दौरान सेन्ट्रो कार से 3 अपराधी भागने में सफल रहे, जिनकी तलाश में पुलिस एवं एसटीएफकी टीम रवाना की गई है।

एसटीएफ के अनुसार अभियुक्त विशाल वर्मा ने 30/31 जनवरी 2021 की रात्रि में नेक्स्ट जेन फूट फैक्ट्री इंडस्ट्रियल एरिया सरोजनीनगर लखनऊ के मालिक अविनाश सिंह को फैक्ट्री से घर जाते समय अपहृत करके उनकी हत्या कर दी थी तथा हत्या को आत्महत्या का रूप देने के लिए शव को एक पेड़ की डाल से फन्दा डालकर लटका दिया गया था। इस घटना के सम्बन्ध में हत्या का मुकदमा थाना पीजीआई, लखनऊ में पंजीकृत हुआ था।

इस घटना का अनावरण एसटीएफ द्वारा दिनांक 8 फरवरी 2021 को करते हुए अभियुक्त विशाल वर्मा सहित अन्य तीन अभियुक्तों को गिरफ्तार किया गया था। यह हत्या विशाल वर्मा द्वारा अपने अन्य साथियों के साथ मिलकर अविनाश सिंह के असन्तुष्ट रिश्तेदारों द्वारा सुपारी देकर कराई गई थी। शेष अभियुक्तों की गिरफ्तारी के प्रयास जारी हैं।

धोखाधड़ी कर 100 करोड़ के राजस्व की क्षति पहुंचाने वाला माफिया अतीक का रिश्तेदार गिरफ्तार

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

एसटीएफ ने संगठित गिरोह द्वारा कूटरचित फर्जी शेल कम्पनियां बनाकर कूटरचित फर्जी ई-वे बिल के माध्यम से लगभग 100 करोड़ रुपए से अधिक के राजस्व की भारी क्षति करने वाले और माफिया अतीक अहमद के रिश्तेदार कमर अहमद काजमी को मेरठ के सिविल लाइन्स थाना क्षेत्र से गिरफ्तार किया है। उसके कब्जे से मोबाइल फोन, मर्सडीज कार एचआर 26 सीटी 12263 व नगदी बरामद हुई। अभियुक्त कमर अहमद काजमी ने बताया कि मेरी फर्म पैरागॉन एल्यूमिनियम एलएलपी, साहिबाबाद, गाजियाबाद में है। जिसमें दलजीत सिंह निवासी 885, आर ब्लाक, न्यू राजेन्द्र नगर दिल्ली और ऋषि आनंद निवासी डी-26, कीर्ति नगर, दिल्ली पार्टनर हैं। मेरी और भी फर्में पैरागॉन इंडस्ट्री लिमिटेड रुड़की हरिद्वार, माइक्रो ग्लास इंडस्ट्री गुड़गांव, गुडएक्स ग्लास मेरठ और होटल ब्राडवे इन है, जिनमें दलजीत सिंह पार्टनर है।

पैरागॉन एल्यूमिनियम एलएलपी फर्म में एल्यूमिनियम स्क्रैप से एल्यूमिनियम सेक्शन का निर्माण किया जाता है। हम लोगों द्वारा अपने निजी लाभ के लिए वोगस फर्मों से सप्लाई अपनी फर्मों में दिखाई जाती है परन्तु वास्तविक रूप में सप्लाई न होकर केवल कूटरचित बिलों का आदान-प्रदान किया जाता है। सप्लाई के कूटरचित ई-वे बिल बनाकर वाहनों का फर्जी परिवहन दिखाया जाता है। इन बिलों के माध्यम से बने राजस्व धनराशि का गबन कर लिया जाता है। विगत कई वर्षों से हम लोग संगठित रूप से इसी तरह से सैकड़ों करोड़ रुपए के राजस्व की हानि कर धनोपार्जन कर चुके है। इस सम्बन्ध में डीसी (एसआईबी) रेन्ज-बी राज्य कर विभाग गाजियाबाद से पूर्व में सम्पर्क कर जानकारी की गई तो उनके द्वारा अपने विभागीय पोर्टल से आन लाइन दस्तावेज देते हुए बताया गया कि फर्म पैरागान एल्यूमिनियम एलएलपी द्वारा मात्र एक प्रतिशत ही कर जमा किया जा रहा है तथा इस फर्म द्वारा जिन फर्मों से सप्लाई दिखाई गई है, वह वास्तविक सप्लाई न होकर केवल कूटरचित बिलों का आदान-प्रदान है तथा जिन वाहनों के माध्यम से ई-वे बिल में परिवहन दिखाया गया है। उन वाहनों के परिवहन का कोई डाटा किसी टोल से नही मिल रहा है। पूछताछ के दौरान अभियुक्त द्वारा यह भी बताया कि वह माफिया अतीक अहमद के बहनोई डॉ. अखलाक का रिश्तेदार भी है, जो वर्तमान में जेल में निरुद्ध है।

अयोध्या में 30 दिसंबर को होगा प्राण प्रतिष्ठा आयोजन का ग्रैंड रिहर्सल

रामोत्सव 2024

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का निर्देश, फूलों से सजाई जाए अयोध्या

● प्रधानमंत्री अयोध्या को अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट समेत रेलवे स्टेशन सहित हजारों करोड़ की योजनाओं की सौगात देंगे

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

अयोध्या में अपने दिव्यए भव्य और नव्य मंदिर में श्रीराम लला की प्राण प्रतिष्ठा अब से ठीक एक माह की देरी पर है। ऐसे में प्रदेश की योगी सरकार आगामी 22 जनवरी 2024 को होने वाले ग्रैंड इवेंट का ग्रैंड रिहर्सल कराने जा रही है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की मौजूदगी में आगामी 30 दिसंबर को अयोध्या में एयरपोर्ट और रेलवे स्टेशन के उद्घाटन के अवसर पर अयोध्या की साज-सजावट का इंतजाम ठीक वैसा ही होगा, जैसा आगामी 22 जनवरी के दौरान प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम के लिए किया जाएगा। इसलिए 30 दिसंबर की तैयारियों को 22 जनवरी 2024 के लिए ग्रैंड रिहर्सल के तौर पर माना जा रहा है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने ग्रैंड रिहर्सल की तैयारियां करने का निर्देश दिया है। बता दें कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी आगामी 30 दिसंबर को अयोध्या को अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट, भव्य रेलवे स्टेशन सहित हजारों करोड़ की योजनाओं की सौगात देंगे। इसे लेकर मुख्यमंत्री ने गुरुवार को ही अयोध्या का दौरा किया था। उन्होंने प्रदेश के मुख्य सचिव को निर्देशित किया है कि 30 दिसंबर को प्रधानमंत्री के कार्यक्रमों के दौरान अयोध्या को ठीक वैसे ही सजाया जाए, जैसे 22 जनवरी 2024 के लिए तैयारी है। सीएम योगी के स्पष्ट निर्देश हैं कि अयोध्या में चार प्रमुख मार्ग (राम पथ, भक्ति पथ, जन्मभूमि पथ व धर्म पथ) को आकर्षक ढंग से पुष्पों से सजाया जाए। इस दौरान फुटपाथ पर सुंदर फूलों वाले गमलों से साज सज्जा की जाए। साथ ही राम पथ के फुटपाथ व मुख्य कैरेज वे के बीच में आकर्षक रेलिंग लगाई जाएं। चारों प्रमुख मार्गों पर लाइट एवं फसाड के कार्य एक हफ्ते में ही पूरे कर लिए जाएं। इसमें पीडब्लूडी, राजकीय निर्माण निगम, विकास प्राधिकरण और अयोध्या नगर निगम के बीच बेहतर समन्वय स्थापित होना चाहिए। अयोध्या विश्व स्तरीय पर्यटन सिटी के रूप में नजर आनी चाहिए।

मुख्यमंत्री ने स्पष्ट रूप से निर्देशित किया है कि प्रधानमंत्री मोदी के आगामी अयोध्या दौरे को प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम के ग्रैंड रिहर्सल के रूप में आयोजित किया जाए। हाईवे से नयाघाट की तरफआ रहे धर्म पथ की भी सजावट आकर्षक होनी चाहिए और एयरपोर्ट से नयाघाट के मार्ग को उसी प्रकार आकर्षक फूलों से सजाया जाय जिस प्रकार सुल्तानपुर रोड से एयरपोर्ट फोरलेन मार्ग को सजाया गया है। मुख्यमंत्री ने कहा है कि राष्ट्रीय राजमार्ग लखनऊ-गोरखपुर में अयोध्या बाईपास की रेलिंग को आकर्षक रंगों से पेंट किया जाय तथा उसकी मीडियन में आकर्षक फूल व गमले आदि रखे जाएं। एनएचआई बाईपास मार्ग के डिवाइडर पर जो सजावट की जा रही है उनमें बेहतर शाइनिंग दिखाई आनी चाहिए। अयोध्या में कही भी सड़कों पर धूल तथा गन्दगी नहीं दिखनी चाहिए। अयोध्या में प्रधानमंत्री का स्वागत पुष्पवर्षा करके किया जाए। अयोध्या एयरपोर्ट से लेकर शहर के अन्य विभिन्न स्थानों पर गेट बनाये जाएं तथा उन्हें बेहतर ढंग से सजाने की व्यवस्था की जाए। बता दें कि रामोत्सव-2024 की तैयारी में जुटी योगी सरकार इस एक माह में ना सिर्फ अयोध्या को बल्कि पूरे प्रदेश को राममय बनाने के संकल्प के साथ आगे बढ़ रही है। अयोध्या में भव्य श्रीराम मंदिर के उद्घाटन और रामलला की मूर्ति की प्राण प्रतिष्ठा के सुअवसर को देखते हुए मुख्यमंत्री के निर्देश पर विभिन्न रंगारंग कार्यक्रम आयोजित किये जाएंगे। भारत के इतिहास में अबतक के इस सबसे बड़े ग्रैंड इवेंट के लिए 100 करोड़ रुपए से अधिक खर्च कर रही है। माना जा रहा है कि 30 दिसंबर से अयोध्या में उत्सवों की शुरुआत हो जाएगी। यही नहीं प्रदेश के सभी जनपदों में विभिन्न सांस्कृतिक आयोजन भी होंगे। भजन-कीर्तन, रामकथा, प्रवचन और रामलीलाओं के मंचन के साथ ही अन्य भक्तिमय सांस्कृतिक प्रस्तुतियां होंगी। इस एक माह में देश के प्रख्यात कथावाचक और सुप्रसिद्ध गायकों को अयोध्या में अपनी प्रस्तुति देने का अवसर भी मिलेगा।

ललितपुर बल्क ड्रग फार्मा पार्क योजना को गति देने पर सरकार का फोकस

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

उत्तर प्रदेश की आर्थिक प्रगति का मार्ग प्रशस्त कर रही योगी सरकार ने प्रदेश में औद्योगिक उन्नति को नए आयाम देने के लिए लगातार प्रयास कर रही है। सीएम योगी के विजन अनुसार, प्रदेश को वन ट्रिलियन डॉलर की इकॉनमी बनाने के लिए जिन सेक्टर्स में सबसे ज्यादा फोकस किया जा रहा है उसमें उद्योग प्रमुख है। इसी बात को ध्यान में रखकर प्रदेश में बुंदेलखंड के ललितपुर में बल्क ड्रग फार्मा पार्क के विकास पर फोकस कर रही है। उल्लेखनीय है कि ललितपुर के कुल 5 गांवों में 1472 एकड़ में फैले बल्क ड्रग फार्मा पार्क में दो फेज में विकास का खाका खींचा गया है। ऐसे में उत्तर प्रदेश में औद्योगिक परिवेश को बदलनेए देश-दुनिया में उत्तर प्रदेश की धाक जमाने के साथ ही जेनरिक दवाओं के उत्पादन हब के तौर पर ललितपुर के विकास का रास्ता साफ हो गया है। सीएम योगी की मंशा अनुसार, परियोजना के अंतर्गत फेज-1 में 300 एकड़ भूमि के डीटेल्ड मास्टर प्लान व प्रोजेक्ट रिपोर्ट तैयार कराकर विकास कार्यों की शुरुआत की जाएगी।

श्रीमद् भागवत गीता ज्ञान परीक्षा के मेधावियों को किया गया सम्मानित

संवाददाता। फतेहपुर

इंडियन रेडक्रास सोसाइटी, डॉ. सत्यनारायण सेवा फाउंडेशन व काव्यश्री साहित्य वाटिका प्रयागराज के संयुक्त तत्वावधान में श्री गीता जयंती के अवसर पर श्रीमोटेश्वर महादेव मंदिर परिसर में एक दिन पूर्व आयोजित श्रीमद्भागवत गीता ज्ञान परीक्षा में प्रतिभाग कर प्रथम, द्वितीय व तृतीय स्थान प्राप्त छात्र-छात्राओं का सम्मान समारोह आयोजित किया गया।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी पंकज यादव व विशिष्ट अतिथि श्री बिहारी जी मोटेश्वर महादेव विकास समिति के अध्यक्ष आचार्य विमलाकान्त त्रिपाठी, संस्थापक काव्य श्री साहित्य वाटिका प्रयागराज डॉ. कृष्ण चन्द्र श्रीवास्तव, पूर्व प्रवक्ता महात्मा गांधी महाविद्यालय डॉ सत्यनारायण मिश्र एवं पद्मिनी श्रीवास्तव संरक्षिका डॉ. सत्यनारायण सेवा फाउंडेशन उपस्थित रही। संचालन आयोजक डॉ. अनुराग श्रीवास्तव ने किया। मुख्य अतिथि व विशिष्ट अतिथियों को बैज अलंकृत कर प्रतीक चिन्ह, जय श्री कृष्ण अंगवस्त्र व तुलसी माला भेंटकर सम्मानित किया। तत्पश्चात परीक्षा के मेधावियों को मुख्य अतिथि व विशिष्ट अतिथियों द्वारा श्रीकृष्ण अंगवस्त्र, प्रतीक चिन्ह व प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। साथ ही विद्यालयों के प्रधानाचार्यों एवं आए सभी आगंतुकों को बैज अलंकृत कर श्रीकृष्ण अंगवस्त्र, तुलसी माला, श्रीगणेश नववर्ष कैलेंडर भेंट किया। बेसिक शिक्षा अधिकारी पंकज यादव ने कहा कि गीता हम सभी को आत्मसात करना चाहिए। सभी को जलसंरक्षण व मतदाता जागरूकता पत्रक भी वितरित किया।

स्पोर्ट्स डे पर सागर कान्वेंट में आयोजित हुई खेल प्रतियोगिता

फतेहपुर। खेल से शारीरिक व मानसिक विकास होता है। जीवन में खेल भी अपना एक महत्वपूर्ण स्थान रखता है। शिक्षा के साथ-साथ खेल भी जरूरी है। यह बात शुक्रवार को पुलिस अधीक्षक उदय शंकर सिंह ने प्रतियोगिता के विजेताओं को सम्मानित करने के बाद उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए कही। स्पोर्ट्स डे पर खेलकूद प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में पुलिस अधीक्षक उदय शंकर सिंह व विशिष्ट अतिथि खंड शिक्षा अधिकारी तेलियानी अंतिमा उपस्थित रहीं। गणमान्य नागरिक, अभिभावक व विद्यालय के छात्र-छात्राओं ने कार्यक्रम में प्रतिभाग किया। विद्यालय परिवार की ओर से प्रबंधक अशोक कुमार, अध्यक्ष देवेंद्र कुमार, प्रधानाचार्य शोभना मिश्रा, राम गोपाल गुप्ता, बीना बाजपेई, रेखा साहू, विकास सिंह, उमाकांत द्विवेदी, पुष्पा देवी, धीरेंद्र सिंह, मुक्ति नारायण सिंह, रवि कुमार, विपिन, भोला सिंह, उमेश मौर्य, अमित कुमार भी मौजूद रहे। मुख्य अतिथि के विद्यालय के छात्रों का उत्साहवर्धन किया।

इंडिया गठबंधन के 142 सांसदों के निलंबन के विरोध में सपा ने भाजपा पर बोला हमला

- सांसदों का निलंबन वापस लेने की उठाई मांग

संवाददाता। फतेहपुर

इंडिया गठबंधन के सांसदों के निलंबन पर शुक्रवार को सपा बिफर पड़ी। भाजपा को लोकतांत्रिक तरीके से काम करने का आरोप लगाते हुए सरकार को निलंबित किए जाने की मांग की। चौपाइयों ने कहा कि मौजूदा सरकार का रवैया लोकतांत्रिक मर्यादाओं को समाप्त करने जैसा है। ऐसी सरकार को सत्ता में रहने का कोई हक नहीं है। सपा जिला अध्यक्ष सुरेंद्र सिंह यादव की अगवाई में पार्टी कार्यालय से सफाईयों का हुजूम कलेक्ट्रेट के लिए बढ़ा।

मुलायम सिंह अमर रहे अखिलेश यादव जिंदाबाद के नारे लगाते हुए जोश से भरे कार्यकर्ता प्रशासनिक चौखट पहुंचे। सदर विधायक चंद्र प्रकाश लोधी ने कहा कि केन्द्र सरकार तानाशाही का रवैया अपनाकर लोकतांत्रिक मर्यादाओं को समाप्त करना चाहती है। मनमाने तरीके से संबैधानिक व्यवस्थाओं को समाप्त कर अलोकतांत्रिक रूप से भाजपा शासन कर रही है जिसका जीता जागता उदाहरण इण्डिया गठबंधन के 142 सांसदो का निलंबन है। हुसैनगंज विधायक ऊषा मौर्य ने कहा कि पीएम और सीएम के नाम पर भाजपा, समाज जिस तरफ ले जा रही है। सपा ने महामहिम के नाम संबोधित ज्ञापन में अलोकतांत्रिक तरीके से काम करनें वाली केन्द्र सरकार को बर्खास्त किए जाने, इण्डिया गठबन्धन के सभी सांसदों का निलम्बन वापस लिए जाने। देश में जातीय जनगणना कराए जाने, मंहगाई पर रोक लगाए जाने, देश के बेरोजगार नौजवानों को रोजगार दिए जाने देश की महिलाओं पर हो रहा अत्याचार का खात्मा किए जाने के साथ देश के किसानो का गन्ना का बकाया भुगतान दिलाए जाने की मांग प्रमुख रहीं।

महर्षि विद्या मन्दिर में धूमधाम से मनाया गया राष्ट्रीय गणित दिवस

फतेहपुर। महर्षि विद्या मन्दिर में श्रीनिवास रामानुजन के जन्म दिन के अवसर पर कार्यक्रम का उद्घाटन जिला विद्यालय निरीक्षक शिवपूजन द्वारा माँ सरस्वती की प्रतिमा पर दीप प्रज्वलन व पुष्पार्चन से किया गया। इस अवसर पर प्रधानाचार्य द्वारा जिला विद्यालय निरीक्षक को महर्षि शिक्षा संस्थान के अध्यक्ष ब्रम्हचारी डा0 गिरीश जी द्वारा लिखित पुस्तक परम पूज्य महर्षि महेश योगी की दैवीय छत्रछाया में ब्रम्हचारी गिरीश भेंट की गई। विद्यालय के छात्रों/छात्राओं यशस्वी, अदिति, प्रज्ञा, संज्ञा, अनन्या, राशी, कृतिका, मानवी और आष्था द्वारा रामानुजन जी के जीवन वृत्त पर सजीव मंचन कर गणित के कठिन सवालों को सहज एवं सरल बनाने का सन्देश दिया। जिला विद्यालय निरीक्षक ने कहा कि इस मंचन से यह परिलक्षित होता है कि बच्चों में अद्वतीय प्रतिभा है। बच्चे महान वैज्ञानिक के जन्मदिन को मना कर देश की अक्षुण्ण परम्परा को जाग्रत कर रहें है। पृथ्वी पर मानव सबसे बड़ा संसाधन है जो सूक्ष्म समझ और परख रखता है। उन्होंने बच्चों को शुभ कामना देते हुए कहा कि सफलता का सूर्य आपके जीवन क्षितिज पर अवश्य चमकेगा ऐसा मेरा विश्वास है। विद्यालय के प्रधानाचार्य प्रमोद कुमार त्रिपाठी जी ने कहा कि बच्चों को रामानुजन जी के जीवन से प्रेरणा लेनी चाहिए। जिन्होने अल्प आयु में तीन हज़ार नौ सौ से अधिक गणतीय सिद्धांतों का संकलन कर दुनिया के समक्ष एक मिसाल कायम किया है। भारत सरकार ने वर्ष दो हज़ार बारह में रामानुजन की जयन्ती राष्ट्रीय गणित दिवस के रूप में मनाने का फैसला किया था इसके बाद से हर वर्ष 22 दिसम्बर का दिन राष्ट्रीय गणित दिवस के रूप में मनाया जाता है।

इस दिन का उद्देश्य लोगों में मानव जीवन के विकास के लिए गणित के महत्व के बारे में जागरूक करना है। यह कार्यक्रम विद्यालय के गणित विभाग द्वारा आयोजित किया गया।

कांग्रेसियों ने गांधी प्रतिमा के सामने किया विरोध प्रदर्शन

फतेहपुर। भाजपा सरकार ने लोकतंत्र पर अप्रत्याशित हमले करते हुए दोनों सदनों से 145 सांसदों को निलंबित कर दिया है। सरकार का यह कृत्य हमारे लोकतांत्रिक सिद्धांतों की हत्या और संसद को लोकतंत्र के कब्रिस्तान में बदले जाने जैसा है। जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष अखिलेश पांडेय की अगुवाई में शुक्रवार को पदाधिकारियों ने कलेक्ट्रेट स्थित गांधी प्रतिमा के सामने विरोध प्रदर्शन किया। वक्ताओं ने यह बात कही। गांधी प्रतिमा के समक्ष धरने के पूर्व पटेल नगर चौराहे से कलेक्ट्रेट तक हाथों में लोकतंत्र बचाओ के बैनर व प्लेकार्ड लेकर प्रदर्शन किया। धरने पर बैठे कांग्रेसियों ने भाजपा सरकार की भर्त्सना करते हुए लोकतंत्र को बचाने के लिए आमजनमानस का आह्वान किया। धरना प्रदर्शन में संतोष कुमारी शुक्ला, सुधाकर अवस्थी, पंकज सिंह गौतम, वीरेंद्र सिंह चौहान, आशीष गौड़, चंद्र प्रकाश लोधी, राजीव लोचन निषाद, बीके शुक्ला, महेंद्र कृष्ण श्रीवास्तव, राजेंद्र शुक्ला, संदीप साहू, शिवम पांडेय, पूनम द्विवेदी, मौजूद रहे।

महान गणितज्ञ श्रीनिवास रामानुजम के जीवन से प्रेरणा ले भावी पीढ़ीः अमित यादव

संवाददाता। गुरसहायगंज, कन्नौज

भारत में प्रत्येक वर्ष 22 दिसम्बर को मनाया जाने वाला राष्ट्रीय गणित दिवस देश के उस महान गणितज्ञ को न केवल एक श्रद्धांजलि है, बल्कि यह भावी पीढ़ी को गणित के महत्व और उसके प्रयोगों से जुड़ने के लिए प्रेरित करने का भी दिन है। भारत के महान गणितज्ञ श्रीनिवास रामानुज की 136वीं वर्षगांठ के मौके पर उनको श्रद्धांजलि देते हुए वर्ष 2012 को 'राष्ट्रीय गणित वर्ष' घोषित किया गया था। इसके साथ ही श्रीनिवास रामानुज के जन्मदिन 22 दिसम्बर को 'राष्ट्रीय गणित दिवस' भी घोषित किया गया है।

यह बात शुक्रवार को बाबू जागेश्वर प्रसाद मेमोरियल इण्टर कालेज में राष्ट्रीय गणित दिवस पर आयोजित कार्यक्रम का माँ सरस्वती के चित्र पर दीप प्रज्जवलित कर शुभारंभ करनें के उपरान्त प्रधानाचार्य अमित कुमार यादव ने कही। इस मौके पर उन्होंने कहा कि आधुनिक भारत के महानतम गणितज्ञ, विलक्षण प्रतिभा के धनी श्रीनिवास रामानुजन के जन्मदिन को 'राष्ट्रीय गणित दिवस' के रूप में मनाया जाता है। कहा कि श्रीनिवास रामानुज ने पिछली सदी के दूसरे दशक में गणित की दुनिया को नया आयाम दिया। उनके छोटे से जीवन काल की उपलब्धियों का अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि उनके निधन के बाद उनकी पाँच हजार से अधिक प्रमेय छपवाई गईं। इन गणितीय प्रमेयों से अधिकतर ऐसी थीं जिन्हें कई दशक बाद तक भी सुलझाया नहीं जा सका। इस दौरान विद्यालय के छात्र/छात्राओं की अलग अलग छह टीमों के बीच मैथ क्विज कम्पटीशन कराया गया। जिसमें हाईपेशिया, भास्कर, शकुन्तला देवी, आर्यभट्ट, आर्कमिडीज एवं पाइथागोरस नामक टीमों ने गणित प्रतियोगिता में प्रतिभाग किया। जिसमें भास्कर टीम विजयी रही।

क्विक न्यूज

एसपी ने किसानों के उपकरण दवाईयों का किया निरीक्षण

कानपुर देहात। एसपी बीबीजीटी एस मूर्ति द्वारा ईको पार्क माती, अकबरपुर में आयोजित यशस्वी किसान सम्मान महोत्सव -2023 का दीप प्रज्जवलित कर शुभारम्भ किया गया। कार्यक्रम के दौरान महोदय द्वारा उन्नत किस्म की खेती करने वाले कृषकों को सम्मानित किया गया तथा कृषि क्षेत्र में नवीन प्रयोगों के साथ आगे बढ़ रहे उत्कृष्ट किसान भाइयों से संवाद करते हुए सभी का उत्साहवर्धन किया गया।

पुलिस ने तमंचा व कारतूस सहित युवक को दबोचा

गुरसहायगंज, कन्नौज। उच्चाधिकारियों के निर्देशन एवं प्रभारी निरीक्षक जेपी शर्मा के नेतृत्व में शुक्रवार की दोपहर हमराह सिपाहियों के साथ गस्त कर रहे कोतवाली के उप निरीक्षक आनंद मिश्रा ने मुखबिर की सूचना पर समधन व जयसिंह पूर्वा अंडरपास के निकट एक संदिग्ध युवक पुलिस बल को देखकर भाग खड़ा हुआ। जिसे आवश्यक बल प्रयोग कर युवक के पास से एक 315 बोर का तमंचा एवं एक कारतूस बरामद करते हुए हिरासत में ले लिया। पुलिस हिरासत में आरोपी युवक ने अपना नाम अन्नू पुत्र कल्लू गिहार निवासी ग्राम खाडेदेवर बताया है।

पाँचवा शोरूम लॉन्च

लखनऊ। हरि कृष्णा ग्रुप को पिछले 31 वर्षों का विश्वस्तरीय ज्वेलरी डिजाइनिंगए मेन्युफैचरिंग एवं बिक्री का अनुभव है जिसकी ब्रांड किसना पिछले 18 वर्षो से भारतीय बाजार में उपलब्ध हैए हरि कृष्णा ग्रुप ने लखनऊ शहर में प्रैंचाइजी स्टोर लॉन्च किया है। इस नये स्टोहर के लॉन्चइ के साथ किसना ने अपनी रिटेल रणनीति की दिशा में प्रगतिशील कदम बढ़ाना जारी रखा हैए क्योंकि कंपनी डायमण्डै ज्वै लरी को भारत की सारी आधुनिक महिलाओं के लिये सुलभ बनाने के अपने वादे और विजन को पूरा करना चाहती है। हरि कृष्णा ग्रुप के खदानों से लेकर बाजार तक के तंत्र में किसना सभी अवसरों और बजट के लिये लगातार बदलने वाली उपभोक्ता की पसंद के अनुरूप है।

वेट वेस्ट प्रोसेसिंग प्लांट का किया गया शुभारंभ

गुरसहायगंज, कन्नौज। केन्द्र सरकार द्वारा जनहित में चलाये जा रहे स्वच्छ भारत अभियान की मुहिम में नागरिक सहयोग करें जिससे हमारा नगर स्वच्छ व सुन्दर दिखाई दे। स्वच्छता अपनानें से कई प्रकार के रोगों से निजात मिलती है। यह बात शुक्रवार को स्वच्छ भारत मिशन अभियान के तहत समधन नगर पंचायत में एक 5 टीपीडी वेट वेस्ट प्रोसेसिंग प्लांट के निर्माण कार्य का चेयरमैन आसमा बेगम के प्रतिनिधि अखलाक हुसैन सिद्दीकी ने फीता काटकर शुभारंभ करनें के उपरान्त कही। बताया कि वेट वेस्ट प्रोसेसिंग प्लांट में नगर का गीला कूड़ा-कचरे को एकत्रित कर खाद बनाने का कार्य किया जायेगा। जिससे कैमिकल रहित फसलों का उत्पादन करनें में सहूलियत मिलेगी। इस अवसर पर मो. आमीन शेख, कलीम उर्फ कल्ले, शोयेब खॉन, मानू खान, मुजम्मिल हुसैन, पप्पू खां, मो. तारिक, मुनव्वर, इमरान बंटा, नईम, फिरोज, जमील मुल्ला, जगदीश प्रसाद, पंकज शर्मा आदि मौजूद रहे।

अर्जुन सहायक परियोजना का हाल बेहाल, नहीं हो रही सिंचाई

विनोद शुक्ला। हमीरपुर

अर्जुन सहायक परियोजना के तहत जिले में रेलवे विभाग की लापरवाही के चलते मौदहा क्षेत्र की 26 किलोमीटर दूरी तक खेतों की सिचाई नही हो पा रही है। मामले की जानकारी करने के लिये सिचाई विभाग के विशेष सचिव मौदहा क्षेत्र के इचौली गांव के पास निर्मित हो रहे सायफन का मौका मुआवना किया और आवश्यक निर्देश दिये है।

जानकारी के मुताबिक सिचाई विभाग कर्वी द्वारा अर्जुन सहायक परियोजना का संचालन किया जा रहा है। इस परियोजना का उद्घघाटन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने महोवा मे किया था और उस समय पूरी नहर में पानी पहुचने व सिचाई करने का दावा इंजीनियरों ने किया था जब कि हकीकत कुछ और ही थी। मौदहा क्षेत्र समेत दो स्थानों पर रेलवे विभाग स्वयं अंडर पास(सायफन) का निर्माण कर रहा है ताकि नीचे से नहर का पानी निकल कर भूमि की सिचाई की जा सके। हालाकि यह कई महीनों से रेलवे विभाग बना रहा था मगर काम की प्रगति इतनी धीमी थी कि यह काम पूरा नही हो पा रहा था इधर सिचाई विभाग का कहना था कि जब रेलवे अंडर पास(सायफन) बना कर देगा तभी नहर का पानी आगे बढ़ेगा किसानों के अरमानों मे बरार पानी फेरा जा रहा था। मामले की जानकारी सिचाई विभाग के विशेष सचिव डा.हीरालाल को हूई तो उन्होने कर्वी जाकर विभागीय अभियंताओं की बैठकर मामले की पूरी जानकारी की और अभियंताओं के साथ जाकर मौके पर जाकर रेलवे विभाग के अधिकारियों से मिले और शीघ्र काम करने का आदेश दिया है। सिचाई विभाग कर्वी के अधिशासी अभियंता एसके सिंह का कहना है कि उच्चाधिकारियों के दौरा करने पर काम में तेजी आयी है और वह बराबर निगरानी कर रहे है। आज भी साइट देखकर आये हैं।

चौबीस घंटे के भीतर किया लूट की घटना का सफल अनावरण, लुटेरे गिरफ्तार

संवाददाता। कानपुर देहात

अपराध नियन्त्रण की दिशा में कार्रवाई करते हुए थाना सिकन्दरा पुलिस द्वारा वादिनी श्रीमती रामश्री पत्नी रणसिंह निवासी डडी डेरा थाना सिकन्दरा जनपद कानपुर देहात द्वारा स्वयं के साथ आपराधिक बल प्रयोग कर लूटपाट की घटना कारित करने के सम्बन्ध में दिये गये प्रार्थना पत्र के आधार पर दिनांक 21.12.2023 को मु0अ0सं0 245/2023 धारा 394 भादवि0 बनाम अज्ञात पंजीकृत किया गया था।

जिसमें विवेचना के क्रम में प्रकाश में आये 1 नफर अभियुक्त लकी नागर पुत्र उमेश नागर निवासी मोहल्ला आजाद नगर कस्बा व थाना सिकन्दरा कानपुर देहात को 22.12.2023 को मुखबिर खास से प्राप्त सूचना के आधार पर मानपुर अंडरपास थाना सिकन्दरा क्षेत्र से मय लूटे गये 2000 रूपये व घटना में प्रयुक्त मोटर साइकिल के साथ गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तारशुदा अभियुक्त को माननीय न्यायालय के समक्ष नियमानुसार प्रस्तुत किया जा रहा है।

अभियुक्त लकी नागर द्वारा पूछताछ में बताया गया कि साहब मैं और मेरा भागा हुआ दोस्त जिसका नाम अक्षय पुत्र विनोद निवासी मोहल्ला आजादनगर कस्बा व थाना सिकन्दरा कानपुर देहात है, हम लोगों ने मिलकर कल दोपहर 2.00 बजे मानपुर ओवर ब्रिज के ऊपर एक महिला से 4000 रूपये बल पूर्वक चाकू मारकर घायल करके लूट लिये थे महिला को हम लोगो ने सूर्या होटल के सामने से अपनी मोटरसाईकिल में विश्वास में लेकर बैठाया था।

लूट करने में हम लोगों ने इसी मोटरसाइकिल का प्रयोग किया था। लुटेरे ने बताया कि लूटे गये 4000 रूपयों में से 2000 रूपये जो मेरे पास से मिले है यह वही लूटे हुए रूपये हैं और शेष 2000 रूपये मेरे दोस्त अक्षय के पास हैं ।

दो दिन से गायब मासूम बच्ची का नहीं लगा पता, खोज रही पुलिस

मौदहा, हमीरपुर। रहस्यमय तरीके से गायब दो वर्षीय मासूम लड़की का दो दिन बाद भी कुछ पता नहीं चल सका हालांकि जिले का पूरा पुलिस फोर्स अब भी खेतों, तालाबों तथा कुओं की छानबीन कर रह है।वहीं घटना के दूसरे दिन देर शाम घटनास्थल पर पहुंचे अपर पुलिस अधीक्षक ने परिजनों से वार्ता कर जल्द ही लापता लड़की को ढूंढने की बात कही है।

बुधवार को दोपहर बाद घर के चबूतरे में खेल रही लगभग दो वर्षीय लड़की रहस्यमय तरीके से गायब हो गई थी। वहीं जब काफी देर तक लड़की घरवालों को नहीं दिखी तो उन्होंने गांव सहित आस पास के अन्य गांवों में बालिका की तलाश शुरू कर दी,सूचना पर मौके में पहुंची पुलिस को परिजनो ने उक्त घटना से अवगत कराया तो वहीं घटना के दूसरे दिन देर शाम घटनास्थल पर पहुंचे एएसपी मायाराम वर्मा ने भी मौके पर पहुंच परिजनों से बातचीत की और पूरी पुलिस टीम के साथ मीटिंग कर आगे की दिशा निर्देश जारी किये।

शुक्रवार को सुबह सात बजे से सभी थानों की पुलिस टीमें घटनास्थल पर पहुंच गईं और गांव से जुड़े खेतों की खाक छानते रहे और खड़ी फसल में लड़की को तलाशते रहे हालांकि वहां भी पुलिस को निराशा हाथ लगी।

छात्रा की मौत पर वार्डन व शिक्षिका पर गिरी गाज, दोनों की संविदा हुई समाप्त

पोस्टमार्टम में नही खुला आयशा की मौत का राज

फर्रुखाबाद। लापरवाही में बीमार चल रही छात्रा की मौत के बाद जिलाधिकारी के आदेश पर जांच आख्या के आधार पर बीएसए नें कार्रवाई कर दी। जिसमे प्रारम्भिक जांच में दोषी पाये जाने पर वार्डन व शिक्षिका की संविदा समाप्त कर दी गयी।

थाना अमृतपुर के रतनपुर पमारान निवासी 9 वर्षीय आयशा पुत्री उमेश कुशवाह कक्षा 6 की छात्रा थी। मिली जानकारी के अनुसार बीते लगभग पांच दिनों से बुखार से पीड़ित थी। जिसकी मौत हो गयी थी। परिजनों नें विद्यलय की फुल टाइम टीचर (बार्डन) अरुणा देवी के साथ ही विद्यालय में कार्यरत श्रुति व ममता रानी के खिलाफ लापरवाही का आरोप लगाकर तहरीर दी थी। उधर बीएसए द्वारा गठित कमेटी नें राजेपुर बीओ अनूप कुमार सिंह, शमसाबाद बीओ सतीश वर्मा गुरुवार सुबह 'बा' विद्यालय पंहुच कर जाँच की और रिपोर्ट बीएसए को सौप दी। जिसमे वार्डन अरुणा व श्रुति फुल टाइम टीचर को दोषी पाया गया जिलाधिकारी के अनुमोदन के बाद बीएसए नें दोनों की संविदा को समाप्त कर दिया। बीएसए गौतम प्रसाद नें फोन पर बताया कि वार्डन अरुणा व श्रुति फुल टाइम टीचर की संविदा समाप्त की गयी है। परिजनों की तहरीर पर कार्यवाही की जा रही है। मृतका के चाचा दिनेश पुत्र कलियान की तहरीर पर पुलिस ने आयशा के शव का पोस्ट मार्टम कराया।

पोस्टमार्टम अपर मुख्य चिकित्साधिकारी आरसी माथुर व डॉ. विकास के पैनल से किया गया। पोस्टमार्टम की वीडियोग्राफी भी करायी गयी। लेकिन मौत का कारण साफ न होनें पर बिसरा सुरक्षित किया गया है।

महाविद्यालय में 147 छात्राओं को वितरित किये स्मार्टफोन

बिंदकी, फतेहपुर। राजकीय महिला स्नातकोत्तर महाविद्यालय बिंदकी में स्वामी विवेकानन्द युवा सशक्तिकरण योजना के अंतर्गत क्षेत्रीय विधायक के प्रतिनिधि ने 147 छात्राओं को स्मार्टफोन वितरित किए। स्मार्ट फोन पाकर छात्राओं के चेहरे खुशी से खिल उठे। उपस्थित छात्राओं को शासन की योजनाओं की जानकारी भी दी गई। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में बिंदकी विधायक जय कुमार सिंह जैकी के प्रतिनिधि व नगर अध्यक्ष अतुल त्रिवेदी, नगर उपाध्यक्ष प्रवीण दीक्षित उपस्थित रहे। विशेष अतिथि के रूप में पालिकाध्यक्ष राधा साहू ने भी हिस्सा लिया। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्जवलन से हुआ। इसके बाद विधायक प्रतिनिधि श्री त्रिवेदी ने छात्राओं को बधाई देते हुए कहा कि यह योजना उनके लिए एक बड़ा कदम है जो उन्हें आत्मनिर्भर बनाने में मदद करेगी। उन्होंने छात्राओं को उनके सपनों की पूर्ति के लिए प्रेरित किया और समृद्धि की कड़ी मेहनत करने की सलाह दी।

सांसदों के संसद से निलंबन पर सपा कांग्रेस और आप का संयुक्त धरना

फर्रुखाबाद। निलंबित सांसदों की बहाली को लेकर शुक्रवार को समाजवादी पार्टी, कांग्रेस और आम आदमी पार्टी के कार्यकर्ताओं ने जिला मुख्यालय पर संयुक्त धरना प्रदर्शन किया। सभी नेताओं ने मोदी सरकार पर लोकतंत्र को खतरे में डालने का आरोप लगाया।

सांसदों के निलंबन के विरोध में शुक्रवार को समाजवादी पार्टी और कांग्रेस के कार्यकर्ताओं ने जिला मुख्यालयों पर विरोध प्रदर्शन किया। दोनों ही पक्ष के नेताओं का आरोप है कि सांसदों का निलंबन लोकतंत्र की हत्या के समान है। किसी भी सूरत में सांसदों के निलंबन को सही नहीं ठहराया जा सकता है। प्रदर्शनकारियों का कहना था कि सभापति को बीजेपी के इशारे या भाजपा का कार्यकर्ता बन कर सदन नहीं चलाना चाहिए। सपा व अन्य पार्टी के नेताओं नें सासंदों का निलंबन तत्काल रद्द करनें की मांग की। सपा जिलाध्यक्ष चन्द्र पाल यादव नें कहा कि जब विपक्ष नही होगा तो कैसे चलेगा। भाजपा सरकार नें अंग्रेजो को भी पीछे छोड़ दिया।

निराश्रित गौवंशों को 31 दिसंबर तक गौशालाओं में कराएं संरक्षितः डीएम

संवाददाता। कानपुर देहात

जिलाधिकारी आलोक सिंह के अध्यक्षता में गौशाला विस्तारीकरण, गौवंशों को ठंड से बचाव एवं निराश्रित गौवंश संरक्षण अभियान के संबंध में समीक्षा बैठक मां मुक्तेश्वरी देवी सभागार कक्ष कलेक्ट्रेट में की गई। बैठक में जिलाधिकारी द्वारा गौशाला विस्तारीकरण के प्रगति की रिपोर्ट प्रत्येक खंड विकास अधिकारी से लेकर आवश्यक दिशा निर्देश दिए गए। उन्होंने विस्तारीकरण के संबंध में कहा कि, विस्तारीकरण का कार्य जिस भी गौशाला में चल रहा है,उसे 10 दिवस के अंदर अवश्य पूर्ण कर लिया जाए। जिलाधिकारी ने कहा कि शासन द्वारा प्राप्त दिशा निर्देशों के अनुरूप में 31 दिसंबर तक सभी निराश्रित गौवंश को सघन अभियान चलाकर गौशाला में संरक्षित कराया जाए। हाईवे पर एक भी निराश्रित गोवंश ना पाया जाए।

उन्होंने मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी को निर्देश दिए की सभी गौशालयों में ठंड से बचाव हेतु गौशाला में तिरपाल, काऊ कोट आदि का प्रबंध सुनिश्चित कराया जाए। जिलाधिकारी द्वारा प्रत्येक गौशाला में भूसा, हरा चारा, चूनी, चोकर आदि की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित कराए जाने के निर्देश दिए गए। उन्होंने कहा कि सभी नोडल अधिकारी गौशाला केयरटेकर को स्पष्ट निर्देश दें कि वह प्रत्येक दिन गौवंशों को ताजा पानी ही पिलाएं। सभी नोडल अधिकारियों को प्रत्येक सप्ताह गौशाला निरीक्षण कर वहां की व्यवस्थाओं को दुरुस्त करने के भी निर्देश दिए।

जिलाधिकारी ने सभी नगर निकायों के अधिकारियों को कान्हा गौशाला के विस्तारीकरण व नई कान्हा गौशाला के निर्माण हेतु प्रस्ताव बनाकर उपलब्ध कराने के निर्देश दिए हैं।

अविश्वसनीय दस्तावेज आपूर्ति के आदेश को चुनौती देने वाली सीबीआई की याचिका पर चिदंबरम से जवाब तलब

नई दिल्ली। दिल्ली उच्च न्यायालय ने एयरसेल-मैक्सिस मामले में निचली अदालत के एक आदेश को चुनौती देने वाली केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) की याचिका पर कांग्रेस नेता पी. चिदंबरम, उनके बेटे कार्ति चिदंबरम और अन्य आरोपियों से शुक्रवार को जवाब तलब किया। निचली अदालत ने सीबीआई को इन आरोपियों को गैर-भरोसेमंद दस्तावेजों की आपूर्ति करने का सीबीआई को आदेश दिया था, जिसे एजेंसी ने उच्च न्यायालय में चुनौती दी थी। न्यायमूर्ति स्वर्णकांत शर्मा ने सीबीआई की याचिका पर चिदंबरम और अन्य को अपना जवाब दाखिल करने के लिए एक सप्ताह का समय दिया है। उच्च न्यायालय को सूचित किया गया कि संबंधित मामला 18 जनवरी को निचली अदालत के समक्ष सूचीबद्ध है, इसके बाद अदालत ने याचिका पर आगे की सुनवाई के लिए 11 जनवरी, 2024 की तारीख की। सीबीआई ने अपनी याचिका में दलील दी है कि एजेंसी को आरोपियों को सभी गैर-भरोसेमंद दस्तावेज मुहैया कराने का निचली अदालत का निर्देश गलत है। जांच एजेंसियां अभियोजन के उद्देश्य से जांच के दौरान एकत्र किए गए सभी दस्तावेजों पर भरोसा नहीं कर सकती है, जिसके परिणामस्वरूप दस्तावेजों को भरोसेमंद और गैर-भरोसेमंद श्रेणियों में विभाजित किए जाते हैं। भरोसेमंद दस्तावेज से अभियोजन पक्ष को फायदा हो सकता है, जबकि गैर-भरोसेमंद दस्तावेजों से बचाव पक्ष को मदद मिल सकती है। बचाव पक्ष आमतौर पर उन सभी दस्तावेजों का निरीक्षण करना चाहेगा, जिन पर जांच एजेंसी ने भरोसा नहीं किया है। एजेंसी ने पांच मार्च, 2022 के आदेश को चुनौती देते हुए दलील दी कि निचली अदालत ने यह निष्कर्ष निकालने में त्रुटि की है कि सीबीआई आरोपियों को सभी गैर-भरोसेमंद दस्तावेज मुहैया कराने के लिए बाध्य है।सीबीआई ने कहा कि उसे आशंका है कि सभी गैर-भरोसेमंद दस्तावेज उपलब्ध कराने के व्यापक निर्देश से आगे की जांच में बाधा आएगी। केंद्रीय जांच एजेंसी ने कहा कि दंड प्रक्रिया संहिता (सीआरपीसी) के प्रावधानों के अनुसार, अभियोजन पक्ष आरोपी को केवल उन दस्तावेजों की प्रतियां प्रदान करने के लिए बाध्य है, जिन पर वह भरोसा करने का प्रस्ताव करता है, या जो जांच के दौरान पहले ही मजिस्ट्रेट को भेजे जा चुके हैं। यह मामला एयरसेल-मैक्सिस सौदे को विदेशी निवेश संवर्धन बोर्ड (एफआईपीबी) की मंजूरी देने में कथित अनियमितताओं से संबंधित है। यह मंजूरी 2006 में दी गई थी, जब पी चिदंबरम केंद्रीय वित्तमंत्री थे।

अदालत ने एमएटी आदेश को रद्द किया मराठा उम्मीदवारों पर ईडब्ल्यूएस के तहत आवेदन पर थी रोक

मुंबई। बंबई उच्च न्यायालय ने शुक्रवार को महाराष्ट्र प्रशासनिक न्यायाधिकरण (एमएटी) के उस आदेश को रद्द कर दिया जिसमें कहा गया था कि मराठा समुदाय के उम्मीदवार आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग (ईडब्ल्यूएस) श्रेणी में सरकारी नौकरियों के लिए आवेदन नहीं कर सकते।न्यायमूर्ति नितिन एम. जामदार और न्यायमूर्ति मंजूषा ए. देशपांडे की खंडपीठ ने मराठा समुदाय के उम्मीदवारों को राहत देते हुए कहा कि न्यायाधिकरण स्थापित कानूनी सिद्धांतों से भटक गया जिसका व्यापक प्रभाव पड़ा।अदालत 100 से अधिक उम्मीदवारों और राज्य सरकार की याचिका पर सुनवाई कर रही थी जिसमें एमएटी द्वारा फरवरी 2023 में जारी आदेश को चुनौती दी गई थी। एमएटी ने अपने आदेश में कहा था कि मराठा समुदाय के उम्मीदवार 2019 में विज्ञापित उप-निरीक्षक । कर सहायक और क्लर्क-टाइपिस्ट, वन विभाग और इंजीनियरिंग सेवाओं के पदों के लिए आवेदन करते समय ईडब्ल्यूएस आरक्षण का लाभ नहीं ले सकते हैं।महाराष्ट्र सरकार ने 2018 में सामाजिक और शैक्षणिक रूप से पिछड़े वर्ग के लिए महाराष्ट्र राज्य आरक्षण अधिनियम लागू किया था जिसमें मराठा समुदाय को शिक्षा और नौकरियों में आरक्षण देने का प्रावधान था। हालांकि, उच्चतम न्यायालय ने इस कानून को असंवैधानिक करार दिया।शीर्ष अदालत के फैसले के बाद सरकारी प्रस्ताव (जीआर) जारी किया गया, जिसमें 2019 के विज्ञापित पदों के लिए एसईबीसी श्रेणी के तहत आवेदन करने वाले उम्मीदवारों को ईडब्ल्यूएस के तहत आवेदन करने की अनुमति दी गई।

वकीलों और वादकारियों के अदालतों में आर्म्स लेकर चलने पर लगाई रोक

जिला जजों और न्यायिक अधिकारियों को मुकदमा दर्ज कराने का निर्देश, कोर्ट ने कहा,कहा- बंदूक लेकर चलना मौलिक अधिकार नहीं

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने एक आदेश पारित कर उत्तर प्रदेश के किसी भी अदालत परिसर में वकीलों एवं वादकारियों को अदालत परिसर में हथियार ले जाने पर रोक लगा दी है। यही नहीं हाईकोर्ट ने जिला जजों और न्यायिक अधिकारियों को निर्देश दिया है कि वह न्यायालय परिसर में बंदूक लेकर वकीलों अथवा वादकारियों के पाए जाने पर उनके खिलाफ मुकदमा दर्ज कराएं। कोर्ट ने अपने आदेश में कहा है कि वकीलों अथवा वादकारियों द्वारा आर्म्स लेकर परिसर में चलना आर्म्स एक्ट की धारा 17 ;3द्ध ;बद्ध के अंतर्गत लोक शांति और लोक सुरक्षा को भंग करती है। न्यायालय ने कहा है कि बंदूक लेकर चलना किसी का मौलिक अधिकार नहीं है।न्यायालय ने फैसला देते हुए कहा है कि कोर्ट परिसर के अंदर वकील अथवा वादकारी कोई भी व्यक्ति अदालत परिसर में हथियार नही रख सकता है। हाईकोर्ट ने वकीलों व वादकारियों को अदालत परिसर के अंदर स्थित बार एसोसिएशनों वकील कैंटीन आदि किसी भी जगह पर आर्म्स लेकर चलने को प्रतिबंधित कर दिया है। कोर्ट ने बताया है कि यह अधिकार सिर्फ सुरक्षाकर्मियों को है। हाईकोर्ट ने आदेश का अनुपालन करने के लिए वकीलों के बीच इस आदेश की जानकारी देने के लिए हाईकोर्ट के रजिस्ट्रार जनरल को निर्देश दिया है कि वह इस आदेश को प्रदेश के सभी ज्यूडिशियल ऑफीसर्स सचिव गृह उत्तर प्रदेश बार काउंसिल आफइंडिया यूपी बार काउंसिल को सूचित करें। यह आदेश न्यायमूर्ति पंकज भाटिया ने एक युवा अधिवक्ता अमनदीप की याचिका पर पारित किया है। युवा अधिवक्ता का वर्ष 2018 में यूपी बार काउंसिल में एनरोलमेंट हुआ है। इस अधिवक्ता पर आरोप था कि वह कोर्ट परिसर में आर्म्स लेकर घूमते पाए गए थे और इस कारण उनके खिलाफ आईपीसी की धारा 188 तथा आयुध अधिनियम की धारा 30 के अंतर्गत प्राथमिकी की दर्ज कराई गई। लाइसेंसिंग अथॉरिटी ने इनका लाइसेंस रद्द कर दिया था। जिसे हाईकोर्ट में चुनौती दी गई थी। हाईकोर्ट ने उनकी इस याचिका को खारिज कर दिया है। हाईकोर्ट ने माना है कि जब भी सार्वजनिक शांति या सार्वजनिक सुरक्षा को खतरा हो तो शस्त्र अधिनियम 1959 की धारा 17 ;3द्ध ;बीद्ध के तहत लाइसेंसिंग प्राधिकारी के लिए लाइसेंस रद्द करना या निलंबित करना अनिवार्य है। न्यायालय ने माना है कि वकीलों और वादियों को अदालत परिसर के अंदर हथियार ले जाने की अनुमति नहीं दी जा सकती है। क्योंकि यह स्पष्ट रूप से अदालत परिसर में सार्वजनिक शांति या सार्वजनिक सुरक्षा के लिए खतरा होगा और न्याय प्रशासन पर प्रतिकूल प्रभाव डालेगा। न्यायालय परिसर में ड्यूटी पर तैनात सशस्त्र बलों के अलावा किसी अन्य व्यक्ति को न्यायालय परिसर के अंदर हथियार ले जाते हुए पाए जाने पर उसका शस्त्र लाइसेंस रद्द कर दिया जाएगा।

चिकित्सा क्लेम में पांच मुकदमों की बाध्यता समाप्त

क्लेम में अधिवक्ता सदस्यों की पत्नी बच्चों को भी सम्मिलित किए जाने का प्रस्ताव पास हाईकोर्ट बार की आम सभा में लिया गया निर्णय

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट बार एसोसिएशन की आम सभा में ध्वनि मत और सर्वसम्मति प्रस्ताव से अधिवक्ता सदस्यों को चिकित्सा डेथ क्लेम से सम्बन्धित सुविधाओं के लिए वर्ष में कम से कम पांच मुकदमों की बाध्यता समाप्त कर दी गयी। इसके साथ ही योजना में अधिवक्ता सदस्यों की पत्नी एवं बच्चों को भी सम्मिलित करने का निर्णय लिया गया। आम सभा की अध्यक्षता अशोक कुमार सिंह और संचालन महासचिव नितिन शर्मा ने किया। बार एसोसिएशन के पूर्व अध्यक्ष राधाकांत ओझा ने पूरी कार्यवाही को विधि शून्य करार देते हुए कहा कि बार एसोसिएशन के बाइलाज के अनुसार केवल सीक्रेट बैलेट से दो तिहाई बहुमत से ही बाइलाज में संशोधन किया जा सकता है। उनके कार्यकाल में आम सभा के प्रस्ताव पर सीक्रेट बैलेट से बाइलाज में केवल वकालत करने वाले वकीलों को ही चिकित्सा सहायता योजना और मताधिकार देने का संशोधन पारित किया गया था। जिसमें चिकित्सा सहायता पाने के लिए साल में कम से कम पांच केस दाखिला अनिवार्य किया गया था ताकि नियमित वकालत न करने वाले सदस्य बार से अनुचित आर्थिक सहायता न ले सके और सही लोगों को मदद मिल सके।

बार की आर्थिक स्थिति को देखते हुए दो तिहाई बहुमत से यह संशोधन किया गया था। श्री ओझा ने बार एसोसिएशन की आम सभा में प्रस्ताव से बाइलाज बदलने की कार्यवाही को गैर कानूनी करार दिया है और पुरजोर विरोध किया है। कहा है कि यह बार एसोसिएशन के पैसे का दुरूपयोग और गबन करने कवायद है। जो घोर निंदनीय है। संयुक्त सचिव प्रेस अमरेन्दु सिंह ने विज्ञप्ति जारी कर बताया कि शीत अवकाश में फोटो सेंटर बंद रहेगा।

पुस्तकालय हाल में आयोजित आम सभा में अमित कुमार वरिष्ठ उपाध्यक्ष आशुतोष पाण्डेय अशोक कुमार त्रिपाठी अजय कुमार मिश्रा अरविन्द कुमार श्रीवास्तव स्वर्ण लता सुमन सर्वेश कुमार दुबे अजय सिंह अमरेन्दु सिंह अंजना चतुर्वेदी आशीष कुमार मिश्रा प्रीति द्विवेदी सरिता सिंह अभ्युदय त्रिपाठी विनोद राय अमित कुमार पाण्डेय ओम प्रकाश विश्वकर्मा अरविन्द कुमार सिंह अरूण कुमार त्रिपाठी आशुतोष मिश्र सुधीर कुमार केसरवानी साइमा सहर अनिरूद्ध ओझा अनिल कुमार मिश्र गुलाब सिंह यादव एवं अनिल प्रताप सिंह सहित बड़ी संख्या में अधिवक्तागण उपस्थित रहे। पूर्व अध्यक्ष वरिष्ठ अधिवक्ता राकेश पाण्डेय ने कहा कि बाइलाज में संशोधन का अधिकार आम सभा को है किन्तु दो तिहाई बहुमत की वोटिंग होनी चाहिए। सर्वसम्मति प्रस्ताव से संशोधन की बात व्यावहारिक नहीं लगती। बाइलाज संशोधन के कारण तमाम अधिवक्ताओं के अचानक गंभीर रूप से बीमार होने पर पिछले साल पांच केस न होने के कारण बार एसोसिएशन से आर्थिक सहायता नहीं दी गई। जिससे अधिवक्ताओं में भारी आक्रोश देखा गया था।और मांग की जाने लगी कि सहायता के लिए पाच केस की अनिवार्यता समाप्त की जाय और आनन फानन में आम सभा बुलाई ली गई।बाइलाज के अनुसार आम सभा की सूचना एक सप्ताह पहले दी जानी चाहिए। इसका भी पालन नहीं किया गया।

संविदा सेवा समाप्ति से पहले कारण बताओ नोटिस जरूरी

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने कहा है कि यद्यपि संविदा सेवा में नैसर्गिक न्याय के सिद्धांत को कड़ाई से लागू नहीं किया जाता। किंतु सेवा समाप्ति के मामले में कारण बताओ नोटिस का स्पष्टीकरण देने का अवसर दिये जाने का अधिकार है। कोर्ट ने कहा जब कर्मी ने छह सात साल लगातार संविदा सेवा की हो तो उसे हटाये जाने के कारण जानने का अधिकार है। कोर्ट ने बिना कारण बताओ नोटिस दिए जिलाधिकारी की अध्यक्षता में गठित कमेटी के सेवा समाप्ति प्रस्ताव व सीएमओ वाराणसी द्वारा संविदा नियुक्ति समाप्त करने के आदेशों को रद्द कर दिया है और याची की सेवा बहाल कर दी है। कोर्ट ने आदेश दिया है कि याची को तीन हफ्ते में कारण बताओ नोटिस दी जाय उसके एक हफ्ते में याची जवाब दाखिल करें और कमेटी विचार कर उसके दो हफ्ते में गाइडलाइंस और नीतियों के अनुसार निर्णय ले। यह आदेश न्यायमूर्ति अजित कुमार ने संगीता की याचिका को निस्तारित करते हुए दिया है। याचिका पर अधिवक्ता ऋेश श्रीवास्तव विवेक कुमार पाल और स्वेता सिंह ने बहस की। इनका कहना था कि 21जुलाई 22 को याची का प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र काशी विद्यापीठ वाराणसी से याची का प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र हरहुआ वाराणसी तबादला किया गया। उसने केवल 11 नवंबर 22 को रिपोर्ट किया। उसे दिसंबर के वेतन का भुगतान भी किया गया। इसके बाद बिना अनुमति लिए छुट्टी पर चली गई। तीन फरवरी 23 को बीमारी की छुट्टी का पत्र देने केंद्र आई किंतु ड्यूटी नहीं किया। इलाज कराने का कोई दस्तावेज पेश नहीं किया। गैर हाजिर रहने पर जिलाधिकारी वाराणसी की अध्यक्षता में कमेटी ने 11 मार्च 23 को याची की संविदा सेवा समाप्ति का प्रस्ताव किया। जिसके अनुपालन में सीएमओ ने 14 मार्च 23 को सेवा समाप्ति आदेश जारी किया। दोनों आदेश की वैधता को चुनौती दी गई। कहा गया कि आदेश जारी करने में नैसर्गिक न्याय का पालन नहीं किया गया।

न्यूजक्लिक मामलाः अदालत ने जांच पूरी करने के लिए पुलिस को 60 और दिन का समय दिया

नई दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली की एक अदालत ने समाचार पोर्टल न्यूजक्लिक के खिलाफ आतंकवाद रोधी कानून यूएपीए के तहत दर्ज मामले में जांच पूरी करने के लिए शुक्रवार को दिल्ली पुलिस को 60 और दिन का समय दिया है। न्यूजक्लिक पर भारत में चीन के समर्थन में प्रचार करने के लिए धन लेने का आरोप है। विशेष न्यायाधीश हरदीप कौर ने समाचार पोर्टल के संस्थापक और प्रधान संपादक प्रबीर पुरकायस्थ एवं पोर्टल के मानव संसाधन विभाग के प्रमुख अमित चक्रवर्ती की न्यायिक हिरासत भी 20 जनवरी तक बढ़ा दी है। अदालत ने यह आदेश दिल्ली पुलिस की एक याचिका पर दिया, जिसमें जांच पूरी करने के लिए और समय दिए जाने का अनुरोध किया गया था। याचिका में अनुरोध किया गया था कि सख्त गैरकानूनी गतिविधियां (रोकथाम) कानून (यूएपीए) जैसे विशेष कानूनों के तहत जांच के लिए आरोपी की गिरफ्तारी के दिन से 180 दिन का अधिकतम अनुमेय समय दिया जाए। कानून के मुताबिक, अगर कोई जांच एजेंसी निर्धारित समय में अपनी जांच पूरी नहीं कर पाती है तो हिरासत में लिए गए आरोपी को जमानत का वैधानिक अधिकार मिल जाता है। याचिका में कहा गया है कि इस मामले में दस्तावेज और अन्य सबूत बड़े पैमाने पर हैं और एजेंसी को जांच के तहत दिल्ली के बाहर कई स्थानों की यात्रा करनी होगी, समय लगने की संभावना है। दिल्ली पुलिस के विशेष प्रकोष्ठ ने पुरकायस्थ और चक्रवर्ती को तीन अक्टूबर को गिरफ्तार किया था। प्राथमिकी के अनुसार भारत की संप्रभुता को बाधित करने और देश के खिलाफ असंतोष पैदा करने के लिए न्यूज पोर्टल को चीन से बड़ी रकम मिली थी। इसमें यह भी आरोप लगाया गया है कि पुरकायस्थ ने 2019 के लोकसभा चुनावों के दौरान चुनावी प्रक्रिया को बाधित करने के लिए पीपुल्स अलायंस फॉर डेमोक्रेसी एंड सेक्युलरिज्म (पीएडीएस) नामक एक समूह के साथ साजिश रची। पुलिस के अनुसार, प्राथमिकी में नामजद संदिग्धों और आंकड़ों के विश्लेषण के दौरान सामने आए नामों को लेकर तीन अक्टूबर को दिल्ली में 88 और अन्य राज्यों में सात स्थानों पर छापे मारे गए थे। पुलिस ने न्यूजक्लिक के कार्यालयों और विभिन्न पत्रकारों के आवासों से करीब 300 इलेक्ट्रॉनिक गैजेट भी जब्त किए थे।

महाराष्ट्र के पूर्व मंत्री व पांच अन्य को पांच साल कैद की सजा

नागपुर(महाराष्ट्र)। नागपुर की एक अदालत ने कांग्रेस विधायक एवं महाराष्ट्र के पूर्व मंत्री सुनील केदार और पांच अन्य लोगों को नागपुर जिला केंद्रीय सहकारी बैंक (एनडीसीसीबी) की निधि के दुरुपयोग के मामले में शुक्रवार को पांच-पांच साल के कठोर कारावास की सजा सुनाई। अतिरिक्त मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट जे वी पेखले-पुरकर ने 2002 के मामले में यह फैसला सुनाया। मामले के सभी छह दोषियों पर 10-10 लाख रुपए का जुर्माना भी लगाया गया है।इस मामले के आरोपियों में केदार के अलावा एनडीसीसीबी के महाप्रबंधक एवं निदेशक और एक निवेश कंपनी होम ट्रेड प्राइवेट लिमिटेड के एक निदेशक शामिल हैं। तीन लोगों को बरी कर दिया गया है। केदार को भारतीय दंड संहिता की धारा 409 (एक लोक सेवक द्वारा आपराधिक विश्वासघात) और अन्य प्रावधानों के तहत दोषी ठहराया गया था। अभियोजन पक्ष के अनुसार, एनडीसीसीबी को 2002 में सरकारी प्रतिभूतियों में 125 करोड़ रुपए का नुकसान हुआ, क्योंकि होम ट्रेड प्राइवेट लिमिटेड के माध्यम से धन निवेश करते समय नियमों का उल्लंघन किया गया था। उस समय केदार बैंक के अध्यक्ष थे।अतिरिक्त मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट पेखले-पुरकर

ने फैसला सुनाते हुए कहा कि केदार और एक अन्य आरोपी को बैंक की पूरी हिस्सेदारी सौंपी गई थी। उन्होंने कहा कि जिस निधि का दुरुपयोग किया गया, वह बैंक के लोगों और सदस्यों की मेहनत की कमाई थी और इनमें से अधिकतर गरीब किसान हैं। अदालत ने कहा कि सहकारिता क्षेत्र का उद्देश्य समाज में आर्थिक रूप से हाशिए पर रह रहे वर्गों की स्थिति को सुधारना है।अदालत ने कहा कि बैंक के तत्कालीन अध्यक्ष केदार और तत्कालीन महाप्रबंधक अशोक चौधरी को कानून द्वारा निर्धारित तरीके से धन निवेश करने का काम सौंपा गया था, लेकिन उन्होंने विश्वासघात किया।न्यायाधीश ने अपने आदेश में कहा कि इस प्रकार का आपराधिक विश्वासघात गंभीर अपराध है। अदालत ने कहा कि इतनी बड़ी रकम का नुकसान बैंक की वित्तीय स्थिति को खराब करने के लिए पर्याप्त है, जिसका असर उसके हजारों सदस्यों और कर्मचारियों पर पड़ेगा।अदालत ने कहा कि उच्च पदों पर बैठे लोगों को यह सुनिश्चित करने के लिए अधिक जिम्मेदारियां दी जाती हैं कि किसी सदस्य का एक भी रुपया किसी भी तरह से बर्बाद न हो।अदालत ने कहा, इसलिए, अदालत को ऐसे जिम्मेदार व्यक्तियों द्वारा विश्वासघात के मामले में उनके खिलाफ सख्ती बरतनी होती है। अपराध की गंभीरता को देखते हुए आरोपी व्यक्तियों के प्रति कोई नरमी नहीं दिखाई जा सकती। मामले में भारतीय दंड संहिता और दंड प्रक्रिया संहिता की प्रासंगिक धाराओं के तहत सजा पाने वालों में केदार, महाप्रबंधक अशोक चौधरी, केतन सेठ, अमित वर्मा, सुबोध भंडारी और नंदकिशोर त्रिवेदी शामिल हैं।

मुंबई कोविड केंद्र घोटाला मामला: ईडी ने 12 करोड़ से अधिक की संपत्ति कुर्क की

भाषा। नई दिल्ली

प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने शुक्रवार को कहा कि उसने धन शोधन की जांच के सिलसिले में शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) सांसद संजय राउत के कथित सहयोगी सुजीत पाटकर समेत कई लोगों की 12 करोड़ रुपए से अधिक की संपत्ति कुर्क की है। संघीय एजेंसी की जांच मुंबई में बृहन्मुंबई महानगरपालिका (बीएमसी) द्वारा संचालित कोविड देखभाल केंद्रों के गठन में कथित धोखाधड़ी से संबद्ध है। ईडी ने एक बयान में कहा कि लाइफलाइन हॉस्पिटल मैनेजमेंट सर्विसेज के साझेदार सुजीत पाटकर, डॉ. हेमंत गुप्ता, राजीव सालुंखे, संजय शाह और उनके साथी सुनील कदम उर्फ बाला कदम के खिलाफ कार्वाई के तौर पर धन शोधन रोकथाम कानून (पीएमएलए) के तहत मुंबई में तीन फ्लैट, म्यूच्युल फंड और बैंक में जमा राशि अस्थाई रूप से कुर्क की गई है। कुर्क की गई संपत्तियों का कुल मूल्य 12.24 करोड़ रुपए है। यह जांच दहीसर और वर्ली में स्थित जंबो कोविड केंद्र में कथित अनियमितताओं से जुड़ी है। धन शोधन का मामला मुंबई पुलिस की प्राथमिकी से निकला है। ईडी ने पाटकर और दहीसर जंबो कोविड केंद्र में बीएमसी के पूर्व डीन डॉ. किशोर बिसुरे को जुलाई में गिरफ्तार किया था और वह न्यायिक हिरासत में अभी एक जेल में बंद हैं।

पेज एक का शेष

एकजुट विपक्ष...

राहुल गांधी को 6-8 सीटों की अपनी मांग से अवगत कराया है। वहीं टीएमसी नेतृत्व पीसीसी की मांग पर चुप्पी साधे हुए है, पार्टी के एक वरिष्ठ नेता ने संकेत दिया है कि कांग्रेस को 2-3 से अधिक सीटें देने का कोई इरादा नहीं है। नेता ने सुझाव दिया कि मौजूदा माहौल को देखते हुए कांग्रेस को पिछली बार टीएमसी के समर्थन के बिना जीती गई दो सीटों को भी बरकरार रखने के लिए संघर्ष करना पड़ सकता है।

इंडिया गठबंधन...

एनसीपी नेता शरद पवार, सीपीआई-एम के सीताराम येचुरी, सीपीआई के डी राजा, जेएमएम के महुआ माजी, डीएमके के तिरुचि शिवा, राजद के मनोज कुमार झा, टीएमसी के मौसम नूर, एनसी के हसनैन मसूदी, रिवोल्यूशनरी सोशलिस्ट पार्टी के एन के प्रेमचंद्रन और एसपी के एसटी हसन उपस्थित नेताओं में से थे। राष्ट्रीय राजधानी में सभा को संबोधित करते हुए, खड़गे ने कहा कि इंडियन गठबंधन के नेता एक साथ आए हैं क्योंकि भाजपा सरकार के तहत लोकतंत्र खतरे में है। उन्होंने कहा, 'जब सभी एकजुट हो जाएंगे, तो नरेंद्र मोदी कुछ नहीं कर पाएंगे... जितना अधिक आप हमें कुचलने की कोशिश करेंगे, हम उतना ही ऊपर उठेंगे। हम देश और लोकतंत्र को बचाने के लिए एकजुट होकर लड़ रहे हैं। राहुल गांधी ने कहा कि 13 दिसंबर को संसद सुरक्षा उल्लंघन मामले पर गृह मंत्री अमित शाह से जवाब मांगने पर विपक्षी सदस्यों को लोकसभा और राज्यसभा से निलंबित कर दिया गया। राहुल ने कहा कि भाजपा जितनी अधिक नफरत फैलाएगी, इंडिया गठबंधन की पार्टियां उतना ही अधिक प्यार और भाईचारा फैलाएंगी। 150 सांसदों को संसद से बाहर कर सरकार ने 60 फीसदी भारतीयों की आवाज बंद कर दी है। सांसदों के निलंबन का जिक्र करते हुए राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) प्रमुख शरद पवार ने कहा कि सरकार विपक्ष को चुप कराने की कोशिश कर रही है। पवार ने कहा कि उन्हें लगता है कि ऐसा करके वे विपक्ष को चुप करा सकते हैं। हम अपने लोकतंत्र को बचाने के लिए कोई भी कीमत चुकाने को तैयार हैं। किसान आत्महत्या कर रहे हैं, कारखानों में काम करने वाले मजदूर परेशान हैं क्योंकि उन्हें उनके श्रम के लिए सही पारिश्रमिक नहीं मिल रहा है...दलित हैं परेशान...हमें जिम्मेदारी लेनी होगी, हम कड़ी मेहनत करेंगे और हम संविधान पर हमला करने वाली इस शक्ति को हराएंगे। मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी के महासचिव सीताराम येचुरी ने कहा कि सरकार संसद के प्रति जवाबदेह है। उन्होंने कहा, 'हमारा संविधान भारत के लोगों को संप्रभुता देता है, जिसे हमारे प्रतिनिधियों के माध्यम से लागू किया जाता है। सरकार संसद के प्रति जवाबदेह है और सांसद लोगों के प्रति जवाबदेह हैं। यह हमारे लोकतंत्र का सारांश है। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार 'अमृत काल' की बात कर रही है, लेकिन 'अमृत' गलत हाथों में चला गया है, जैसा कि विष्णु पुराण में 'अमृत मंथन' की कहानी में हुआ था। तृणमूल कांग्रेस सांसद मौसम नूर ने 'भाजपा मुक्त भारत' बनाने का आह्वान किया, सीपीआई महासचिव डी राजा ने कहा कि सरकार संसद को निरर्थक बनाने की कोशिश कर रही है। समाजवादी पार्टी ने लखनऊ और उत्तर प्रदेश के अन्य जिलों में विरोध प्रदर्शन किया, जबकि कांग्रेस ने हैदराबाद के इंदिरा पार्क में तेलंगाना के उपमुख्यमंत्री मल्लू भट्टी विक्रमार्क के नेतृत्व में विरोध प्रदर्शन किया।

सुरक्षा बलों...

रखी है। हो सकता है कि ये आतंकवादी हवाई निगरानी से बचने के लिए प्राकृतिक गुफाओं में छिपे हों। तलाशी अभियान की निगरानी के लिए वरिष्ठ सेना और पुलिस अधिकारी भी घटनास्थल पर पहुंचे। जनरल ऑफिसर कमांडिंग (जीओसी), 16वींकोर, लेफ्टिनेंट जनरल संदीप जैन, डीजीपी जम्मू-कश्मीर पुलिस आरआर स्वैन और पुलिस महानिरीक्षक, जम्मू रेंज आनंद जैन ने क्षेत्र का दौरा किया और सुरक्षा स्थिति की समीक्षा की। व्हाइट नाइट कॉर्प्स या 16वीं कॉर्प्स ने एक्स (पहले ट्विटर) पर लिखा, 'भारतीय सेना और व्हाइट नाइट कॉर्प्स बृहस्पतिवार को सुरनकोट में आतंकवाद के संकट से लड़ते हुए चार सैनिकों की बहादुरी और सर्वोच्च बलिदान को सलाम करते हैं। सुरक्षा बलों ने क्षेत्र के निवासियों को जान-माल के किसी भी नुकसान को रोकने के लिए घर के अंदर रहने और बिना किसी उद्देश्य के बाहर निकलने से बचने की सलाह दी है।

एनसीआर में...

पिछले 24 घंटों में बीमारी के कारण एक मौत दर्ज की गई है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार, सक्रिय मामलों की कुल संख्या एक दिन पहले के 2,669 से बढ़कर 2,997 हो गई है। नोएडा के पहले मामले के बारे में गौतम बौद्ध नगर के मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. सुनील शर्मा ने कहा कि मरीज नोएडा में रहता है लेकिन गुरुग्राम में एक बहुराष्ट्रीय कंपनी में काम करता है, 'उनका परीक्षण नमूना जीनोम अनुक्रमण के लिए दिल्ली भेजा गया है। परिणाम की प्रतीक्षा है।' शर्मा ने कहा, जिला निगरानी अधिकारी डॉ. अमित कुमार ने कहा कि मरीज ने इस महीने की शुरुआत में नेपाल की यात्रा की और लौटने के बाद अपने गुरुग्राम कार्यालय में काम भी किया। कुमार ने कहा कि मरीज में कोई लक्षण नहीं हैं और वह खुद ही कोविड-19 जांच के लिए गया था।' उन्होंने कहा कि यह गौतमबुद्ध नगर में अब तक का एकमात्र पुष्ट मामला है। सीएमओ शर्मा ने कहा कि जिले में वायरस की जांच कम हो गई है। उन्होंने कहा कि लोग यहां प्राथमिक और सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों और जिला अस्पताल में अपना कोविड परीक्षण करा सकते हैं। उन्होंने कहा कि संक्रमण एक बार फिर फैलने की चिंताओं के बीच निवासियों से कोविड-उपयुक्त उपायों का पालन करने का आग्रह किया जा रहा है। कुमार ने कहा कि लोगों को एक मिनट के लिए अपने हाथ साबुन से धोना चाहिए, सामाजिक दूरी का पालन करना चाहिए, अल्कोहल-आधारित सैनिटाइज़र का उपयोग करना चाहिए, बाहर निकलने पर फेस मास्क पहनना चाहिए। आधिकारिक सूत्रों ने कहा कि बृहस्पतिवार तक देश में सीओवीआईडी-19 उप-संस्करण जेएन-1 के बाईस मामलों का पता चला है, जिनमें से 21 मामले गोवा से और एक अन्य केरल से सामने आए हैं। सूत्रों ने कहा, गोवा में जेएन-1 वैरिएंट के मामलों का कोई समूह नहीं देखा गया है और सभी संक्रमित लोग बिना किसी जटिलता के ठीक हो गए हैं। उन्होंने कहा कि संक्रमित लोगों को हल्की सूखी खांसी, बुखार के साथ या बिना बुखार के गले में खराश के लक्षणों के साथ ऊपरी श्वसन पथ में हल्का संक्रमण था। सूत्रों ने शुक्रवार को बताया कि नवंबर में, जेएन.1 वेरिएंट का पता लगाने के लिए पूरे जीनोम अनुक्रमण के लिए 62 नमूने विभिन्न प्रयोगशालाओं में भेजे गए थे, जबकि दिसंबर में अब तक 253 नमूने भेजे गए हैं। अधिकारियों ने कहा कहा, हालांकि मामलों की संख्या बढ़ रही है और देश में जेएन-1 उप-संस्करण का पता चला है, लेकिन तत्काल चिंता का कोई कारण नहीं है क्योंकि 92 प्रतिशत संक्रमित लोग घर-आधारित उपचार का विकल्प चुन रहे हैं, जो हल्की बीमारी का संकेत है। देश की कोविड-19 टैली अब 4.50 करोड़ (4,50,07,212) है।

पीएम ने...

संबोधित करेंगे। सूत्रों ने कहा कि बैठक में, विभिन्न 'मोर्चा' (विंग्स) और राज्य इकाइयों ने अपने चल रहे संगठनात्मक अभ्यासों का विवरण साझा किया और चुनावों को ध्यान में रखते हुए वरिष्ठ नेताओं द्वारा निर्देश दिए जाएंगे। लोकसभा चुनावों के लिए अपने अभियान को बढ़ावा देते हुए भाजपा ने पांच में से तीन राज्यों में जीत हासिल की। उम्मीद है कि अभियान कार्यक्रम बनाते समय पार्टी दक्षिणी राज्यों पर विशेष ध्यान देगी। सूत्रों ने कहा कि पार्टी ने इंडिया गठबंधन दलों के साथ मिलकर चुनाव लड़ने के प्रयासों के मद्देनजर लोकसभा चुनाव की रणनीति पर चर्चा की। विकिसित भारत संकल्प अभियान' केंद्र सरकार का एक प्रमुख कार्यक्रम है जिसका उद्देश्य अपनी कई कल्याणकारी योजनाओं, हाल के पांच विधानसभा चुनावों के नतीजों और पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की जयंती पर पार्टी की राष्ट्रव्यापी योजनाओं की संतृप्ति सुनिश्चित करना है। बैठक में जिन मुद्दों पर चर्चा होने की संभावना है उनमें ये भी शामिल हैं। इससे पहले, मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव ने अपने डिप्टी राजेंद्र शुक्ला और जगदीश देवड़ा के साथ प्रधान मंत्री से मुलाकात की और उसके बाद कुछ केंद्रीय मंत्रियों ने राष्ट्रीय राजधानी में नए राज्य नेतृत्व की पहली आधिकारिक यात्रा के हिस्से के रूप में मुलाकात की। राज्य सरकार के एक प्रवक्ता ने कहा, मुख्यमंत्री और उपमुख्यमंत्रियों ने लोक कल्याण मार्ग स्थित उनके आधिकारिक आवास पर मोदी से मुलाकात की और उन्हें 'राज्य में किए जा रहे विकास कार्यों के बारे में जानकारी दी और प्रधानमंत्री का मार्गदर्शन प्राप्त किया। हाल ही में हुए विधानसभा चुनाव में प्रचंड जीत के बाद भाजपा मध्य प्रदेश की सत्ता में लौट आई है। पार्टी ने चार बार के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान की जगह लेने के लिए यादव को चुना और दो उपमुख्यमंत्री नियुक्त किए।

दिल्ली-एनसीआर...

अनुसार, शुक्रवार को दिल्ली में न्यूनतम तापमान 7.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो सर्दियों के मौसम के लिए सामान्य सीमा के भीतर है। विभाग ने दिन भर हल्की बारिश की भविष्यवाणी की है। जीआरएपी के तहत कार्रवाई को चार चरणों में वर्गीकृत किया गया है, जिसमें प्रथम चरण- खराब (एक्यूआई 201-300), द्वितीय चरण- बहुत खराब (एक्यूआई 301-400), तृतीय चरण- गंभीर (एक्यूआई 401-450) और चतुर्थ चरण- अति गंभीर (एक्यूआई 450 से अधिक) शामिल हैं।

कश्मीर में आतंकवाद मृत्युशय्या पर : सिन्हा

अनुच्छेद 370 हटाने के बाद सुरक्षा स्थिति सुधरी

भाषा। कोलकाता।

जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने शुक्रवार को कहा कि अनुच्छेद 370 निरस्त किए जाने के बाद इस केंद्र शासित प्रदेश में सुरक्षा स्थिति में सुधार हुआ है और घाटी में आतंकवाद अपनी अंतिम सांसे गिन रहा है। सिन्हा ने जम्मू-कश्मीर के पुंछ जिले में बृहस्पतिवार को सेना के काफिले पर हुए आतंकी हमले को दुर्भाग्यपूर्ण बताया। इस हमले में पांच सैनिक शहीद हो गए और दो अन्य घायल हो गए। उन्होंने घाटी में शांति भंग करने के प्रयासों के लिए पड़ोसी को दोषी ठहराया। उनका इशारा स्पष्ट रूप से पाकिस्तान की ओर था। सिन्हा ने कहा, यह बहुत दुर्भाग्यपूर्ण घटना है। हम ऐसी हिंसा की निंदा करते हैं। हमारा पड़ोसी घाटी में शांति भंग करने के लिए ऐसी हरकतें कर रहा है, लेकिन यह सब व्यर्थ है, क्योंकि कश्मीर में आतंकवाद अंतिम सांसे गिन रहा है। उन्होंने यहां कलकत्ता चैंबर ऑफ कॉमर्स की ओर से आयोजित एक कार्यक्रम के मौके पर संवाददाताओं से कहा, अनुच्छेद 370 को हटाए जाने के बाद सुरक्षा स्थिति पहले की तुलना में काफी हद तक बेहतर हुई है। चैंबर के सदस्यों के कुछ सवालों का जवाब देते हुए सिन्हा ने यह भी कहा, कश्मीर में सुरक्षा स्थिति बंगाल की तुलना में बेहतर है। कृपया राज्य का दौरा कीजिए,आपको अंतर समझ आ जाएगा। हालांकि, बाद में जब पत्रकारों ने उनकी इस टिप्पणी के बारे में पूछा तो उन्होंने कहा, मेरी टिप्पणी को राजनीतिक रूप से तोड़-मरोड़ कर पेश नहीं किया जाना चाहिए, क्योंकि मेरे कहने का मतलब था कि कश्मीर में सुरक्षा स्थिति बंगाल जितनी ही अच्छी है। पश्चिम बंगाल और जम्मू-कश्मीर में कानून-व्यवस्था की स्थिति की तुलना करने वाली उनकी टिप्पणी पर सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस ने तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त की। तृणमूल कांग्रेस के प्रवक्ता कुणाल घोष ने सिन्हा से उपराज्यपाल की कुर्सी का दुरुपयोग नहीं करने का आग्रह किया और उन्हें पश्चिम बंगाल के खिलाफ आधारहीन टिप्पणियां करने के प्रति आगाह किया।

नव केरल सदासः तिरुवनंतपुरम में कांग्रेस और माकपा के कार्यकर्ताओं के बीच झड़प

भाषा। तिरुवनंतपुरम

केरल में मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) के जनसंपर्क अभियान नव केरल सदास के समापन से एक दिन पहले शुक्रवार को राज्य की राजधानी तिरुवनंतपुरम में युवा कांग्रेस और कांग्रेस और और माकपा एवं डेमोक्रेटिक यूथ फेडरेशन ऑफ इंडिया (डीवाईएफआई) के कार्यकर्ताओं के बीच हिंसक झड़प हुई। मुख्यमंत्री का काफिला जैसे ही कट्टकडा पहुंचा, कांग्रेस और युवा कांग्रेस कार्यकर्ताओं का एक समूह काले झंडे लहराते और काफिले के सामने कूदते हुए देखा गया। टेलीविजन चैनलों ने पर दिखा कि काफिले के साथ चल रही पुलिस की कार ने कांग्रेस कार्यकर्ता को टक्कर मार दी। इसके बाद पुलिस ने बताया कि एक स्थानीय कांग्रेस नेता घायल हो गया। पुलिस ने कहा कि कांग्रेस कार्यकर्ता के पैर में पुलिस की गाड़ी से टक्कर लगने के बाद उसे यहां एक अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस ने यह भी कहा कि जब विशेष बस कट्टकडा पहुंची तो कम से कम 25 कांग्रेस कार्यकर्ता अचानक उसके सामने कूद पड़े। नव केरल सदास के तिरुवनंतपुरम जिले में प्रवेश के बाद कल से कई जगहों से हिंसा की खबरें आ रही हैं। अटिंगल, कट्टकडा, नेय्याट्टिनकारा और कुट्टीचल सहित अन्य स्थानों से हिंसा की खबरें मिली हैं। कई स्थानों पर कांग्रेस कार्यकर्ताओं द्वारा काले झंडे लहराने और काफिले के सामने कूदने के बाद, डीवाईएफआई-माकपा कार्यकर्ताओं ने कथित तौर पर उन पर हमला किया। इस बीच, माकपा के राज्य सचिव एम. वी. गोविंदन ने कहा कि कांग्रेस राज्य में दंगे भड़काने की कोशिश कर रही है। गोविंदन ने आरोप लगाया कि विपक्ष के नेता वी.डी. सतीसन ने कांग्रेस कार्यकर्ताओं को डीवाईएफआई कार्यकर्ताओं पर हमला करने और मुख्यमंत्री के काफिले के सामने कूदने के लिए उकसाया था।

क्विक न्यूज

मैं हमेशा से चाहती थी कि एक अभिनेत्री के रूप में लोग मुझे गंभीरता से लें: अनन्या पांडे

मुंबई। अभिनेत्री अनन्या पांडे का कहना है कि अच्छे काम से बेहतर कोई दूसरी चीज नही है और वह चाहती है कि फिल्मों का उनका चयन एक अभिनेत्री के तौर पर उनके बेहतर होते अभिनय को दर्शाए। निर्माता करण जौहर की फिल्म स्टूडेंट ऑफ द ईयर 2 से बॉलीवुड मे कदम रखने वाली अनन्या को शकुन बत्रा द्वारा निर्देशित फिल्म गहराइयां मे उनके अभिनय के लिए काफी प्रशंसा मिली थी।अनन्या (25) ने पीटीआई-भाषा से कहा, मै हमेशा से चाहती थी कि एक अभिनेत्री के रूप मे लोग मुझे गंभीरता से ले। ऐसा नही है कि गहराइयां के बाद यह (पसंद) बदल गई है। मेरी उम्र 20 साल से ज्यादा है और बढ़ती उम्र के साथ मै बहुत सी चीजों से जुड़ रही हूं। उन्होने कहा, मै विभिन्न प्रकार की फिल्में करना चाहती हूं। यह एक व्यक्ति के रूप में मेरे विकास से जुड़ा है। मेरी पसंद भी बदल रही है। अनन्या ने कहा, मै सोच-समझकर कोई फैसला नही कर रही हूं। मेरी अपनी पसंद है और मै गुप्त रूप से यह बता रही हूं कि मै किसके साथ काम करना चाहती हूं लेकिन अच्छे काम से बेहतर कोई दूसरी चीज नही है। मै उस पर ध्यान केंद्रित करने की कोशिश कर रही हूं। अभिनेत्री ने कहा कि वह आभारी है कि बत्रा, अख्तर और मोटवानी जैसे फिल्म निर्माताओ ने उनपर विश्वास जताया।

राम का स्वागत करेंगे भक्ति भरे भजन

मुंबई। भगवान राम की यात्रा की सुंदरता और ज्ञान का अनुभव नई पीढ़ी को करवाने के लिए नए दरवाजे खोलते हुए सोनी एंटरटेनमेंट टेलीविजन दर्शकों के लिए बहुप्रतीक्षित श्रीमद रामायण ला रहा है। भगवान राम के रूप में सुजय रेउ माता सीता के रूप में प्राची बंसलए रावण के रूप में निकितिन धीर और हनुमान के रूप में निर्भय वाधवा अभिनीत शो का प्रीमियर 1 जनवरीए 2024 को होगा। यह शो हर सोमवार से शुक्रवार तक रात 9 बजे प्रसारित होगा। निर्माताओं ने ललित सेन द्वारा रचित एक सुंदर शीर्षक गाना बनाया हैए जो दर्शकों को प्राचीन आध्यात्मिक युग में लेकर जाता है और भगवान राम के गुणों पर प्रकाश डालता है। इस पारंपरिक और भक्ति भजन के अद्भुत मिश्रण को एक विशेष प्रचार वीडियो में इंडियन आइडल सीजन 14 के प्रतियोगियों सुभदीप दास चौधरीए मेनुका पौडेलए वैभव गुप्ताए अनन्या पाल और उत्कर्ष वानखेड़े की गतिशील ऊर्जा द्वारा जीवंत किया गया है। इस अवसर से प्रतियोगियों ने जो उपलब्धि हासिल की है, उस पर गर्व करते हुएए इंडियन आइडल की जज श्रेया घोषाल ने कहा कि मुझे बहुत गर्व है कि हमारे प्रतिभाशाली प्रतियोगियों . सुभदीपए मेनुका, वैभव,अनन्या और उत्कर्ष को चैनल की आगामी दिव्य गाथा, श्रीमद रामायण् के टाइटल ट्रैक के विशेष प्रचार वीडियो को अपनी आवाज देने का यह दिव्य अवसर मिला है। मैं हमारे प्रतियोगियों को यह अवसर देने के लिए ललित जी की भी आभारी हूं, जिन्होंने यह स्थापित किया है कि ,इंडियन आइडलश् का मंच गायन के लिए सबसे बड़ा रियलिटी मंच है। मुझे पूरा विश्वास है कि यह गाना हर किसी की जिंदगी का अहम हिस्सा बनेगा। यह निश्चित रूप से एक सुंदर रचना है।

पुराने वाहनों के प्रदूषण से बचाएगा ऑटोमोटिव सर्कुलरिटी ऑर्केस्ट्रेटर

नई दिल्ली। . नेशनल.मेटा मैटेरियल्ससर्कुलर मार्केट्स ने द थिएटर आईएचसीए नई दिल्ली में एक महत्वपूर्ण कार्यक्रम मनाया। इस अवसर पर माननीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिनगडकरी की गरिमामयी उपस्थिति में सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय एमओआरटीएच द्वारा अधिकृत डिजीईएलवी एंड ऑफलाइफव्हीकल सर्टिफिकेट ऑफडिपॉजिट सीडी ट्रेडिंगप्लेटफॉर्म और ऑटोमोटिव सर्कुलरिटी ऑर्केस्ट्रेटर का आधिकारिक लॉन्च हुआ। । परिवहन क्षेत्र के महत्वपूर्ण पर्यावरणीय प्रभाव को संबोधित करते हुएए एम एम सी एम के सीईओ नितिन चितकारा ने टिप्पणी की हमारे इन समाधानों यानी डिजीईएलवी और ऑटोमोटिव सर्कुलरिटी ऑर्केस्ट्रा का उद्देश्य स्थिरता को बढ़ावा देकर और ऑटोमोटिव प्रदूषण के गंभीर मुद्दे को संबोधित करके ऑटोमोटिव उद्योग में क्रांति लाना है। उन्होंने संबोधित किया कि उपभोक्ताओं को इस सुविधा से एक प्रमाण पत्र प्राप्त होने से लाभ होगा। यह सरकार द्वारा भी मान्यता प्राप्त है।

केरल के मुख्यमंत्री को ले जा रही बस पर जूता फेंकने की घटना: महिला पत्रकार पर आरोप

कोच्चि। केरल पुलिस ने हाल मे मुख्यमंत्री पिनराई विजयन को ले जा रही बस पर केरल छात्र संघ (केएसयू) के कार्यकर्ताओ द्वारा जूते फेंकने की घटना मे पांचवे आरोपी के रूप मे एक महिला टेलीविजन पत्रकार को आरोपी ठहराया है।केएसयू विपक्षी कांग्रेस की छात्र इकाई है। मुख्यमंत्री और उनके मंत्रिमंडल सहयोगी इस महीने की शुरुआत मे जब नव केरल सदास कार्यक्रम के तहत एक विशेष बस मे जिले से यात्रा कर रहे थे तब वाहन पर जूता फेंका गया था। घटना की जांच कर रही कुरुपुम्पडी पुलिस ने पहले ही इस घटना मे चार केएसयू कार्यकर्ताओ के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस ने कहा कि अब, मलयालम समाचार चैनल ट्वेंटी फोर की रिपोर्टर विनीता वी जी को भी मामले मे आरोपी बनाया गया है।घटनाक्रम की पुष्टि करते हुए, एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने कहा कि इस संबंध मे 10 दिसंबर को मामला दर्ज किया गया था और बाद मे पत्रकार को यह समझने के बाद आरोपी ठहराया गया था कि घटना मे उसकी भी भूमिका थी।

डेल्हीवरी ने भिवंडी मेगा गेटवे को शुरू किया

मानेसर। भारत के सबसे बड़े पूरी तरह से एकीकृत लॉजिस्टिक्स प्रदाताए डेल्हीवरी लिमिटेड ने भिवंडी में अपने सबसे बड़े मेगा गेटवे को सफलतापूर्वक संचालित किया । 1,200,000 वर्ग फुट भूमि क्षेत्र में बनेए भिवंडी ट्रकिंग टर्मिनल भारत की सबसे बड़ी लॉजिस्टिक्स सुविधाओं में से एक है और डेल्हीवरी के पार्सल और पार्ट-ट्रकलोड माल को एक साथ संभालने की क्षमता के साथ स्वचालित हबए सॉर्टेशन, रिटर्न और माल ढुलाई संचालन को संयोजित करता है स्वचालित गेटवे में 196 डॉकिंग स्टेशन हैं और इसका डिज़ाइन 8,000 टन से ज्यादा सामान की लेन-देन करने के लिए किया गया है, जिसमें प्रतिदिन 1600 वाहन गुजरते हैं, यानी हर 54 सेकंड में एक वाहन। इस फैसिलिटी का स्वचालन सिस्टम, जिसे फैल्कन ऑटोटेक ,डेल्हीवरी निवेशित कंपनी, ने विकसित कियाऔर लगाया है। सहिल बरुआ डेल्हीवरी के प्रबंध निदेशक और मुख्य कार्यकारी अधिकारी ने कहा कि ष्हमारा विस्तृत भीवंडी गेटवे हमें विश्व स्तरीय सेवा विश्वसनीयता और दक्षता बनाए रखते हुएए मुंबई और पश्चिम क्षेत्र के बड़े और छोटे व्यापारिक भारी वाहकों के लिए क्षमता बढ़ाने में सक्षम करेगा।

एआई और रोबोटिक्स पर नजर

अहमदाबाद। विवांता इंडस्ट्रीज लिमिटेड ने नेक्स्ट जनरेशन तकनीकी व्यवसायों पर ध्यान केंद्रित करने के साथ संचालन मे परिवर्तन लाने का लक्ष्य रखा है। कंपनी ड्रोन, इन्फोर्मेशन टेक्नोलोजी, एआई और रोबोटिक्स इलेक्ट्रिक वाहनों के लिए चार्जिंग स्टेशन सहित अन्य क्षेत्रों में कदम रख रही है। कंपनी ने पहले ही ड्रोन और ईवी बिजनेस पर काम शुरू कर दिया है और आने वाले समय में इसे बड़ा बनाने का लक्ष्य है। सितंबर 2023 में कंपनी ने विवांता ड्रोन रिसर्च सेंटर तंजानिया लिमिटेड -वीडीआरसीटीएल के साथ इन.प्रिंसिपल एमओयु किया था। विवांता इंडस्ट्रीज लिमिटेड असेंबली लाइन के साथ-साथ ड्रोन के अनुसंधान एवं विकास के लिए वीडीआरसीटीएल में 50 प्रतिशत हिस्सेदारी का अधिग्रहण करेगी। इसके अलावा अप्रैल 2023 मेंए कंपनी को ईवी चार्जिंग और विनिर्माण इकाई की स्थापना के लिए इलेक्ट्रिक व्हीकल ओर्गेनाइजेशनल सेन्टर नोर्थ अमेरिका कोर्पोरेशन से 5 मिलियन अमेरिकी डॉलर का वर्क ऑर्डर प्राप्त हुआ था। कंपनी को ऑर्डर प्राप्त होने की तारीख से 18.24 महीनों में प्लांट स्थापित करने और 6.12 महीनों में आवश्यक सॉफ़्टवेयर स्थापित करने की उम्मीद है।

सांसदों का निलंबन संसदीय लोकतंत्र के मूल सिद्धांतों के लिए हानिकारक हैः खरगे

भाषा। नई दिल्ली

कांग्रेस अध्यक्ष एवं राज्यसभा में विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खरगे ने ऊपरी सदन के सभापति जगदीप धनखड़ को पत्र लिखकर शुक्रवार को कहा कि इतने बड़े पैमाने पर सांसदों का निलंबन भारत के संसदीय लोकतंत्र के मूल सिद्धांतों के लिए हानिकारक है। खरगे ने धनखड़ को लिखे पत्र में कहा कि वह इतने अधिक सांसदों के निलंबन से दुखी एवं व्यथित हैं और हताश एवं निराश महसूस कर रहे हैं। कांग्रेस नेता ने राज्यसभा के सभापति पर भरोसा जताते हुए कहा कि वह विपक्ष की चिंताओं को ध्यान में रखेंगे। उन्होंने धनखड़ से आपसी सहमति से तय तारीख पर उनके साथ इस मामले पर चर्चा करने और उनकी चिंताओं का समाधान करने का भी आग्रह किया। कांग्रेस प्रमुख ने कहा, इतने बड़े पैमाने पर सदस्यों का निलंबन हमारे संसदीय लोकतंत्र के मूल सिद्धांतों के लिए हानिकारक है। सदस्यों का निलंबन देखना दर्दनाक, पीड़ादायक, निराशाजनक और हताश करने वाला था। उन्होंने कहा कि वह एक जिम्मेदार विपक्षी नेता के रूप में संवाद और चर्चा को बढ़ावा देने में दृढ़ता से विश्वास करते हैं, जो संसदीय लोकतंत्र का मूलभूत स्तंभ है। खरगे ने कहा, मैं आपके ध्यान में लाना चाहूंगा कि संसद की सुरक्षा में सेंध के गंभीर मुद्दे पर बात करने के लिए राज्यसभा के नियमों एवं प्रक्रिया के प्रासंगिक नियमों के तहत कई नोटिस पेश किए गए थे। उन्होंने कहा, विपक्षी दल इस मामले पर सार्थक चर्चा करने के लिए तैयार थे। अफसोस की बात है कि न तो इन नोटिस को स्वीकार किया गया और न ही विपक्ष के नेता के रूप में मुझे या विपक्षी दलों के किसी अन्य सदस्य को सदन में एक या दो मिनट के लिए भी बोलने की अनुमति दी गई। खरगे ने कहा, सरकार का अपना तरीका होगा लेकिन आप भी इस पर आसानी से सहमत होंगे कि विपक्ष को अपनी बात रखनी चाहिए।

कांग्रेस ने लोकसभा चुनाव के लिए घोषणा पत्र समिति बनाई, चिदंबरम करेंगे अध्यक्षता

नई दिल्ली। कांग्रेस ने अगले साल होने वाले लोकसभा चुनाव के लिए शुक्रवार को घोषणा पत्र समिति का गठन किया, जिसकी अध्यक्षता पार्टी के वरिष्ठ नेता पी चिदंबरम करेंगे। इसमे महासचिव प्रियंका गांधी वाद्रा समेत कई वरिष्ठ नेताओ को जगह दी गई है। छत्तीसगढ़ के पूर्व उपमुख्यमंत्री टी एस सिंहदेव को इस 16 सदस्ईय समिति का संयोजक बनाया गया है। पार्टी के संगठन महासचिव के सी वेणुगोपाल की ओर से जारी बयान के अनुसार, कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने लोकसभा चुनाव के लिए घोषणा पत्र समिति का गठन किया है। इस समिति मे चिदंबरम और सिंहदेव के अलावा कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धरमैया, पार्टी महासचिव प्रियंका गांधी वाद्रा एवं जयराम रमेश, वरिष्ठ नेता शशि थरूर, आनंद शर्मा, गैखनगम, गौरव गोगोई, प्रवीण चक्रवर्ती, इमरान प्रतापगढ़ी, के. राजू, ओमकार सिंह मरकाम , रंजीत रंजन, जिग्नेश मेवानी और गुरदीप सप्पल को शामिल किया गया है। कांग्रेस कार्य समिति की बैठक के बाद बृहस्पतिवार को वेणुगोपाल ने कहा था कि पार्टी लोकसभा चुनाव के लिए बहुत जल्द उम्मीदवारो का चयन करेगी तथा इसी महीने स्क्रीनिंग कमेटी का गठन कर लिया जाएगा। उन्होने यह भी कहा था कि एक-दो दिनो के भीतर घोषणा पत्र समिति भी गठित कर दी जाएगी।

आगरा में नए साल से ताजमहल-किला के बीच एयर डायनिंग योजना शीघ्र

आगरा (उप्र)। नए साल पर पर्यटकों के लिए खास प्रबंध करने में जुटा आगरा विकास प्राधिकरण अब उनके लिए हैंगिंग रेस्टोरेंट के साथ एक और रोमांचक सैर का इंतजाम करने जा रहा है। प्राधिकरण के अनुसार अब यहां आने वाले सैलानियों के लिए हॉट एयर बैलून की राइड कराई जाएगी। इसका 30 दिसंबर को ट्रायल कर लिया जाएगा। इसके बाद 31 दिसंबर से इसे हमेशा के लिए पर्यटकों को समर्पित किया जाएगा। हॉट एयर बैलून राइड से सैलानी ताजमहल, आगरा किला सहित अन्य स्मारकों का आसमान से दीदार करेंगे। प्राधिकरण के उपाध्यक्ष चर्चित गौड़ ने बताया कि एयर डायनिंग योजना के तहत यमुना किनारा रोड पर स्थित अमर बलिदानी चंद्रशेखर आजाद पार्क का चयन किया गया है। उन्होंने कहा कि कोशिश है कि 31 दिसंबर से पहले इस हवा में झूलते रेस्टोरेंट को जनता के लिए खोल दिया जाएगा।

छात्रों को विश्व स्तरीय वैश्विक भाषा सीखने से होगा लाभ

कानपुर। शिक्षा जगत में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुएए अंग्रेजी भाषा और शिक्षण में 40 वर्षों की उत्कृष्टता की विरासत के साथ बर्लिंगटन इंग्लिश ने द चिन्टेल्स ग्रुप ऑफस्कूल्स कानपुर के साथ अपने कक्षाओं में इंग्लिश सिखाने के लिए साझेदारी की है। शिक्षा के इन दो दिग्गजों के बीच यह महत्वपूर्ण सहयोग शैक्षणिक उत्कृष्टता और बेहतर अंग्रेजी की ओर एक रोमांचक यात्रा की शुरुआत है।एमओयू हस्ताक्षर में बर्लिंगटन इंग्लिश के प्रबंध निदेशक अमित बवेजा और चिन्टेल्स ग्रुप की निदेशक डा. कविशा खुराना विज ने हिस्सा लिया। इस साझेदारी के साथए चिन्टेल्स स्कूल बर्लिंगटन इंग्लिश की प्रसिद्ध 21वीं सदी की अंग्रेजी टेक्स्टबुक सीरीज़ को अपनाया है, जिसे छात्रों में भाषा विकास, कौशल और 21वीं सदी की दक्षताओं को बढ़ावा देने के लिए डिज़ाइन किया गया है। स्कूली छात्रों के लिए बेहतरीन अंग्रेजी संसाधन तैयार करने के लिए बर्लिंगटन की यह प्रतिबद्धता डॉण् कविशा खुराना विज के चिन्टेल्स में शैक्षणिक उत्कृष्टता के दृष्टिकोण के साथ पूरी तरह से मेल खाती है। बर्लिंगटन इंग्लिश के मैनेजिंग डायरेक्टर अमित बवेजा ने साझेदारी के बारे में अपना उत्साह व्यक्त करते हुए कहाए ष्यह सहयोग वैश्विक स्तर पर उच्च गुणवत्ता वाले अंग्रेजी भाषा लर्निंगसॉलूशन्स देने के हमारे समर्पण का प्रमाण है।

सार्वजनिक सूचना

श्री कार्तिकेय पुत्र श्री ओमवीर सिंह निवासी डी-215, 4th तल स्वर्ण जयन्ती रेल नगर, ब्लॉक-ए, सेक्टर-50 नोएडा गौतमबुद्धनगर उ0प्र0 एवं सुश्री रुही प्रीति बरवा पुत्री श्री क्रिस्टोफर बरवा निवासी ग्राम तिर्रा केमताटोली, पोस्ट बसिआ, जिला गुमला, झारखण्ड-835229 ने विशेष विवाह अधिनियम 1954 के अन्तर्गत विवाह करने हेतु आवेदन किया है।
इस संबंध में आपत्तिधारी व्यक्ति अपनी / आपत्तियाँ अधोहस्ताक्षरी के कार्यालय में दिनांक 11.01.2024 तक किसी भी कार्य दिवस में प्रस्तुत कर सकता है।

हस्ता/-
प्र0 नगर मजिस्ट्रेट/
विशेष विवाह अधिकारी
गौतमबुद्धनगर

Public Notice

In The Pioneer Newspaper our publication was published on dated 09-12-2023 in Page No. 2/10 that the borrower's name was mentioned as **Anoop Singh Instead of Anoop Sharma.** Please read Borrower Name as **Anoop Sharma** who is purchasing and Mortgaging the Entire third floor (with roof rights) "said floor" Plot bearing no. 238, area measuring 200 sq. yds., situated at Residential Colony, Shalimar Garden Extn., no. 1 Hadbast Gram Pasonda, Pargana Loni, Tehsil & Distt. Ghaziabad with **IDFC First Bank Limited. Law Veritas: North (Advocates & Legal Consultants) at Office No. 11, 1st Floor, Building No. A-44/A, Sector-16, Noida, Uttar Pradesh-201301; Landline(s): +910120-3101683 / 4562809; e-mail: accounts@lvnorth.in**

सार्वजनिक सूचना

इस सूचना के माध्यम से हर आम व खास को सूचित किया जाता है। इस कार्यालय में शिवानी जैन, आशिमा गोयल, सोफिया अग्रवाल सभी पुत्रीया स्वर्गीय अशोक कुमार निवासी चमन गार्डन, करनाल 132001 द्वारा सम्पति कर आई० डी० न०-1EB4JER7 स्थित चमन गार्डन, करनाल 132001 में नाम दर्ज कराने बारे आवेदन किया है। सम्पति रिकार्ड अनुसार उपरोक्त सम्पति कर आई० डी० न०. 1EB4JER7 मे बिना नाम के दर्ज है तथा अशोक कुमार मृत्यु दिनांक 25/04/2022 को चुकी है। प्रार्थी द्वारा इस कार्यालय में नाम तबदील करने हेतू एक प्रलेख / वसीयत न० 301/3-दिनांक 17/07/2019 पथ पत्र की प्रति प्रस्तुत की है अतः यदि किसी आमजन या खाराजन को उक्त वसीयत अनुसार सम्पति कर आई० डी० 1EB4JER7 स्थित चमन गार्डन, करनाल 132001 मै शिवानी जैन, आशिमा गोयल, सोफिया अग्रवाल सभी पुत्रिया स्वर्गीय अशोक कुमार निवासी चमन गार्डन, करनाल 132001 का नाम तबदील करने हेतू किसी प्रकार की अपत्ति हो तो इस कार्यालय में नोटिस प्रकाशन की तिथि से 30 दिनों के अन्दर अपनी आपत्ति / एतराज दर्ज करवा सकते है अन्यथा समयावधि पश्चात माना जायेगा कि उपरोक्त तबदील वारे किसी को कोई आपत्ति नहीं है। परिणाम स्वरूप इस कार्यालय के सम्पति कर में संबधित युनिक सम्पति कर आई० डी० IEB4JER7 मै आवक का नाम दर्ज / तबदील कर दिया जायेगा। समयावधि पश्चात कोई भी क्लेम मान्य नहीं होगा।

क्षेत्रिये कराधान अधिकारी
नगर निगम करनाल।

सौर मिशन आदित्य एल। छह जनवरी को अपने गंतव्य स्थान पर पहुंचेगा: इसरो अध्यक्ष

भाषा। अहमदाबाद

भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के अध्यक्ष एस सोमनाथ ने शुक्रवार को यहां बताया कि भारत का पहला सौर मिशन आदित्य एल। छह जनवरी को अपने गंतव्य स्थान लैग्रेंजियन पॉइंट (एल1) पर पहुंचेगा, जो पृथ्वी से 15 लाख किलोमीटर दूर है। इस मिशन को इसरो ने दो सितंबर को श्रीहरिकोटा के सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र (एसडीएससी) से प्रक्षेपित किया था। यह अंतरिक्ष-आधारित पहली भारतीय वेधशाला है जिसके तहत हेलो ऑर्बिट एल। से सूर्य का अध्ययन किया जाना है। सोमनाथ ने विज्ञान को लोकप्रिय बनाने के लिए कार्यरत गैर सरकारी संगठन (एनजीओ) विज्ञान भारती द्वारा आयोजित भारतीय विज्ञान सम्मेलन के मौके पर मीडियाकर्मियों से कहा, आदित्य एल। छह जनवरी को एल। बिंदु में प्रवेश करेगा। ऐसी उम्मीद है। उचित समय पर सटीक समय की घोषणा की जाएगी। उन्होंने कहा, जब यह एल। बिंदु पर पहुंचेगा, तो हमें इंजन को एक बार फिर से चालू करना होगा ताकि यह आगे न बढ़े। यह उस बिंदु तक जाएगा और एक बार जब यह उस बिंदु पर पहुंच जाएगा तो यह इसके चारों ओर घूमने लगेगा और एल। पर फंस जाएगा। इसरो प्रमुख ने कहा कि जब आदित्य एल। अपने गंतव्य पर पहुंच जाएगा, तो यह अगले पांच वर्षों तक सूर्य पर होने वाली विभिन्न घटनाओं का पता लगाने में मदद करेगा। उन्होंने कहा कि भारत भविष्य में तकनीकी रूप से एक शक्तिशाली देश बनने वाला है। सोमनाथ ने कहा कि इसरो ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के निर्देशों के अनुसार अमृत काल के दौरान एक भारतीय अंतरिक्ष स्टेशन बनाने की योजना बनाई है, जिसे भारतीय अंतरिक्ष स्टेशन कहा जाएगा।

संतों को सनातन धर्म के प्रचार-प्रसार के लिए सक्रिय रूप से काम करना चाहिए: भागवत

भाषा। भागलपुर

संघ के प्रमुख मोहन भागवत ने शुक्रवार को कहा कि संतों को देश में सनातन धर्म के प्रचार-प्रसार के लिए सक्रिय रूप से काम करना चाहिए।

भागलपुर के कुप्पा घाट स्थित महर्षि मेंहीं आश्रम में संतों से संवाद करते हुए भागवत ने कहा, संतों समेत हम सभी लोग सनातन धर्म के प्रचार-प्रसार के लिए काम कर रहे हैं। संतों को देश में सनातन धर्म के प्रचार-प्रसार के लिए सक्रिय रूप से कार्य करना चाहिए। उन्होंने कहा कि सनातन धर्म के लिए यदि कोई चुनौती है तो उसे प्रभावी ढंग से और एकजुट होकर निपटाया जाना चाहिए। भागवत शुक्रवार सुबह करीब साढ़े नौ बजे महर्षि मेंहीं आश्रम पहुंचे। आश्रम में भागवत का भव्य स्वागत एवं सत्कार किया गया। उनके वहां पहुंचते ही फूल बरसाए गए। भागवत के दौरे को देखते हुए भागलपुर में सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए थे। इस बीच, आरएसएस प्रमुख के मेंहीं आश्रम पहुंचने पर कथित सुरक्षा चूक हुई, जब एक व्यक्ति अचानक आया और भागवत को एक पुस्तक सौंपने का प्रयास किया। कहा गया कि आरएसएस प्रमुख का स्वागत करने वाले लोगों की सूची में उसका नाम नहीं था। मुन्ना बाबा नाम के इस व्यक्ति ने आरएसएस प्रमुख के पैर छूने की भी कोशिश की। सुरक्षाकर्मियों ने उसे तुरंत रोका और जांच की। पत्रकारों से बात करते हुए भागलपुर के पुलिस उपाधीक्षक (मुख्यालय) रौशन गुप्ता ने स्पष्ट किया कि मुन्ना बाबा को वास्तव में आश्रम द्वारा आमंत्रित किया गया था। अखिल भारतीय संत सत्संग संघ के महासचिव दिव्य प्रकाश ने कहा कि मुन्ना बाबा भी आश्रम में नियमित आमंत्रित अतिथि थे। महर्षि मेंहीं आश्रम भागलपुर के बरारी इलाके में कुप्पा घाट नामक प्राचीन गुफा क्षेत्र के पास स्थित है। कुप्पाघाट में एक गुफा है जहां संतमत महर्षि मेंहीं ने कई महीनों तक योग और ध्यान का अभ्यास किया था। महर्षि मेहीं आश्रम में प्रत्एक वर्ष देश-विदेश से बड़ी संख्या में संतमत के अनुयाई आया करते हैं। इस साल फरवरी में भी भागवत ने आश्रम का दौरा किया था और वहां सद्गुरु निवास के उद्घाटन समारोह में भाग लिया था।

महिला सुरक्षा के प्रति भाजपा की असंवेदनशीलता उजागर: गहलोत

भाषा। जयपुर

पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने ओलंपिक पदक विजेता महिला पहलवान साक्षी मलिक के संन्यास की घोषणा के बाद शुक्रवार को केंद्र में सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी पर निशाना साधा। गहलोत ने कहा कि इस प्रकरण ने महिला सुरक्षा के प्रति भाजपा की असंवेदनशीलता को उजागर किया है।गहलोत ने एक्स पर लिखा, पहले पदक लाकर देश का नाम ऊंचा करने वाली बेटी साक्षी मलिक का संन्यास लेना और अब बजरंग पूनिया का पद्मश्री लौटाना पहलवान बेटियों के इंसाफ की लड़ाई में भाजपा की नीयत पर बड़ा प्रश्नचिन्ह लगाता है।

उन्होंने लिखा, इस मामले में भाजपा द्वारा प्रदर्शित की जा रही दुर्भावना एवं पीड़ितों की मांगों की उपेक्षा निंदनीय एवं दुःखद है। यह प्रकरण महिला सुरक्षा के प्रति भाजपा की असंवेदनशीलता को उजागर कर रहा है।

उल्लेखनीय है कि तोक्यो ओलंपिक के कांस्य पदक विजेता पहलवान बजरंग पूनिया ने भारतीय कुश्ती महासंघ (डब्ल्यूएफआई) के चुनाव में बृजभूषण शरण सिंह के विश्वस्त संजय सिंह के अध्यक्ष बनने के विरोध में शुक्रवार को अपना पद्मश्री सम्मान लौटाने का फैसला किया। इससे एक दिन पहले साक्षी मलिक ने संन्यास की घोषणा की थी।

सांसदों के निलंबन के खिलाफ कांग्रेस ने किया प्रदर्शन

रायपुर। छत्तीसगढ़ में कांग्रेस पार्टी ने विपक्षी सांसदों के निलंबन के खिलाफ शुक्रवार को सभी जिला मुख्यालयों पर विरोध प्रदर्शन किया। पार्टी पदाधिकारियों ने यह जानकारी दी।पार्टी के पदाधिकारियों ने बताया कि प्रदेश कांग्रेस ने राज्य के सभी जिला मुख्यालयों में विपक्षी सांसदों के निलंबन के विरोध में एक दिवसीय धरना-प्रदर्शन किया। राज्य की राजधानी रायपुर के राजीव गांधी चौक पर धरना-प्रदर्शन में छत्तीसगढ़ कांग्रेस प्रभारी कुमारी शैलजा, प्रदेश कांग्रेस प्रमुख दीपक बैज, पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल और पार्टी के कई नेताओं और कार्यकर्ताओं ने हिस्सा लिया।विरोध प्रदर्शन के दौरान कांग्रेस नेताओं ने आरोप लगाया कि भाजपा अलोकतांत्रिक तरीके से काम कर रही है और विपक्ष की आवाज को दबाने की कोशिश कर रही है। इस अवसर पर प्रदेश प्रभारी कुमारी शैलजा ने कहा कि लोकतंत्र को कुचलने का जो कार्य किया जा रहा है वह निंदनीय है।

कर्नाटक में हिजाब पर लगा प्रतिबंध 23 दिसंबर को हट जाएगा

मैसूर। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धरमैया ने शुक्रवार को कहा कि राज्य के शैक्षणिक संस्थानों में हिजाब पहनने पर जारी प्रतिबंध 23 दिसंबर से हटा दिया जाएगा। उन्होंने यह भी कहा कि पहनने और भोजन का चयन व्यक्तिगत मामला है। मैसूरु जिले के नंजनगुड में तीन पुलिस थानों के उद्घाटन के अवसर पर मुख्यमंत्री ने कहा कि किसी को भी वोट बैंक की राजनीति में शामिल नहीं होना चाहिए। सिद्धरमैया ने भाजपा पर निशाना साधते हुए कहा, ‟वे कहते हैं सबका साथ, सबका विकास लेकिन टोपी, बुर्का पहनने वालों और दाढ़ी रखने वालों को दरकिनार कर देते हैं।

क्या उनका यही मतलब है‟ जब भीड़ में से किसी ने हिजाब पहनने पर प्रतिबंध के बारे में पूछा तो मुख्यमंत्री ने कहा, नहीं (प्रतिबंध नहीं)। आप हिजाब पहन सकते हैं। मैंने (अधिकारियों को) निर्देश दिया है कि कल से कोई प्रतिबंध नहीं होगा। आप कुछ भी पहन और खा सकते हैं। नारेबाजी कर रही भीड़ के बीच सिद्धरमैया ने कहा, ‟...आपकी पसंद आपकी है और मेरी पसंद मेरी है। यह बहुत आसान है‟ उन्होंने पूछा, मैं धोती और कुर्ता पहनता हूं, और आप पैंट एवं शर्ट पहनते हैं। यह आपकी पसंद है। इसमें गलत क्या है। कर्नाटक में सरकार की पांच गारंटियों का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि इसका लाभ लोगों को उनकी भिन्न जाति, धर्म और पृथक ‟राजनीतिक विचारधारा‟ के बावजूद उपलब्ध है। उन्होंने कहा, ‟यहां तक कि भाजपा समर्थक भी लाभ उठा रहे हैं और बस में मुफ्त यात्रा कर रहे हैं। हम कभी भेदभाव नहीं करते‟

वर्ष 2022 में भाजपा के शासनकाल के दौरान राज्य में शैक्षणिक संस्थानों में हिजाब पहनने पर प्रतिबंध लगा दिया गया था।

अदालती सूचना

आज्ञा से- प्रधान पारिवारिक न्यायालय देहरादून
मूलवाद सं0-856 वर्ष-2023

श्री मयंक कुमार पुत्र श्री प्रदीप कुमार, निवासी-62, फेज-3, इंजीनियर्स एन्क्लेव, जिला देहरादून, उत्तराखण्ड।

...वादी

बनाम

श्रीमती जया आर्या पत्नी श्री मयंक कुमार पुत्री श्री सुशील गौतम, निवासी-62, फेज- 3, इंजीनियर्स एन्क्लेव, जिला देहरादून, उत्तराखण्ड, हाल निवासी एस-643, स्कूल ब्लॉक सकरपुर, दिल्ली।

...प्रतिवादिनी

चूंकि वादी मयंक कुमार ने आपके विरूद्ध एक वाद अन्तर्गत धारा 9 हिन्दू विवाह अधिनियम योजित किया है जिस पर वास्ते जवाबदावा/आपत्ति प्रस्तुत करने हेतु नियत है।
उक्त वाद की सुनवाई के लिए दिनांक 24.11.2023 को नियत किया गया था और आपके नाम समन निकाला गया था। वादी इस न्यायालय में उपसंजात हुआ और आप उपसंजात नहीं हुई। नाजिर की विवरणी से न्यायाल को समाधानप्रद रूप से यह साबित हो गया है कि उक्त समन की तामील आप पर हुई थी किन्तु वह तामील इतने प्रर्याप्त समय में नहीं हुई कि आप उक्त समन मे नियत दिन उपसंजात होकर न्यायालय मे उत्तर दे सकें।
आपको सूचित किया जाता है कि वाद की सुनवाई उक्त तिथि पर स्थगित कर द गयी है और उसकी सुनवाई के लिए अब दिनांक 27-01-2024 को नियत की गयी है यदि आप उक्त तारीख को उपसंजात नहीं होगीं तो वाद की सुनवाई और निपटारा आपकी अनुपस्थिति में किया जायेगा।
आज दिनांक 29.11.2023 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की मुद्रा सहित जारी किया गया।

प्रबन्धक / रीडर
प्रधान पारिवारिक न्यायालय
जिला देहरादून

प्राग: विश्वविद्यालय में छात्र की गोलीबारी में 14 लोगों की मौत

तीन विदेशी नागरिकों समेत 25 घायल

भाषा। प्राग

चेक गणराज्य की राजधानी प्राग में स्थित विश्वविद्यालय में एक हथियारबंद छात्र द्वारा की गई गोलीबारी में 14 व्यक्तियों की मौत हो गई और तीन विदेशी नागरिकों समेत 25 लोग घायल हो गए। अधिकारियों ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। अंधाधुंध गोलियां बरसाकर सामूहिक नरसंहार करने की यह घटना हाल के वर्षों में चेक गणराज्य में हुए सबसे भयानक हमलों में से एक है। चेक गणराज्य के गृह मंत्री विट राकुसन ने कहा कि प्राग में पुलिस ने रातभर काम किया और मारे गए सभी 14 लोगों की पहचान कर ली गई है। संगीत विज्ञान संस्थान ने पुष्टि की कि मृतकों में उसके प्रमुख लेंका हलावकोवा भी शामिल हैं। चेक गणराज्य के विदेश मंत्रालय ने कहा है कि घायलों में संयुक्त अरब अमीरात के दो और नीदरलैंड के एक व्यक्ति समेत तीन विदेशी नागरिक शामिल हैं। प्राग पुलिस प्रमुख मार्टिन वोंद्रासेक ने कहा कि यह गोलीबारी बृहस्पतिवार को चार्ल्स विश्वविद्यालय के कला संकाय में 24 वर्षीय छात्र ने की थी। अधिकारियों ने कहा कि बंदूकधारी छात्र की भी मौत हो गई है, लेकिन उसके नाम का खुलासा नहीं किया गया है। विट राकुसन ने कहा कि जांचकर्ताओं को हमलावर के किसी चरमपंथी विचारधारा या समूह से जुड़े होने का संदेह नहीं है। वोंद्रासेक ने कहा कि पुलिस का मानना है कि बंदूकधारी ने बृहस्पतिवार को अपने गृहनगर होस्टीन में अपने पिता की हत्या की और वह खुद को भी मारने की योजना बना रहा था।

पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में आतंकवादी हमला, छह मजदूरों की मौत

पेशावर। पाकिस्तान के अशांत खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में अज्ञात आतंकवादियों ने शुक्रवार को एक पुलिस थाने के निर्माण स्थल पर काम कर रहे कम से कम छह मजदूरों की गोली मारकर हत्या कर दी। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि घटना दक्षिण वजीरिस्तान के कबायली जिले के वाना में हुई। पुलिस ने बताया कि आतंकवादियों ने उस वक्त मजदूरों को बेहद करीब से गोली मारी, जब वे अपने तंबू में थे। पुलिस ने कहा कि एक पुलिस थाने के निर्माण स्थल पर काम कर रहे कम से कम छह मजदूरों की मौत हो गई दक्षिण वजीरिस्तान के जिला पुलिस अधिकारी फरमानुल्लाह ने घटना की पुष्टि की और कहा कि पुलिस हर पहलू से मामले जांच कर रही है।फिलहाल, किसी भी समूह ने हमले की जिम्मेदारी नहीं ली है।

फलीस्तीनी ईसाई युद्ध के बीच सादे तरीके से क्रिसमस मनाने की कर रहे तैयारी

न्यूयॉर्क। आमतौर पर क्रिसमस के अवसर पर पूरी तरह से जश्न में डूबे रहने वाले खादर खालिलिया पैजामे में अपनी छोटी बेटियों के लिए उपहार छिपा कर रखते थे ताकि उनके खोलने पर बेटियों की खुशी के पल के गवाह बन सके लेकिन इस बार वह अपराध बोध से ग्रस्त हैं। फलस्तीनी अमेरिकी पादरी और न्यूयॉर्क के सेंट जॉन लूथरन चर्च में सेवा दे रहे खालिलिया ने कहा, मैं संघर्ष कर रहा हूं। मैं कैसे जश्न मना सकता हूं जब फलस्तीनी बच्चे पीड़ा सह रहे हैं जिनके पास न तो आश्रय है और न ही सिर छिपाने के लिए छत। न्यूयॉर्क से हजारों मील दूर ईसा मसीह के जन्म स्थान बेथलहम में सुजैन सहोरी भी उत्सव मनाने के बिल्कुल मूड में नहीं हैं। उन्होंने कहा, हम इन बच्चों की मौत को देखकर टूट गए हैं। पारंपरिक रूप से आनंद के इस उत्सव में कई फलस्तीनी ईसाई चाहे वे बेथलहम में हो या दुनिया के अन्य हिस्सो में वे हमास-इजराइल युद्ध के बीच खुद को असहाय, पीड़ा में चिंतित महसूस कर रहे हैं। कई शोकग्रस्त हैं और युद्ध बंद करने की मांग कर रहे हैं और अपने रिश्तेदारों की सुरक्षा की प्रार्थना कर रहे हैं या क्रिसमस की प्रार्थना में सबकुछ ठीक होने की दुआ मांग रहे हैं। इजराइल के कब्जे वाले वेस्ट बैंक में कलाकृतियां बेचने वाली संस्था बेथलहम फेयर ट्रेड आर्टिसंस की कार्यकारी निदेशक सहोरी शांति और न्याय के लिए प्रार्थना करेंगी। वह आभारी हैं कि वह सुरक्षित हैं लेकिन स्थिति बदल जाए तो आश्चर्य नहीं। सहोरी गुस्से में हैं। उन्होंने कहा, खुशी कहीं दिल से खो गई है। मैं ईश्वर से कहती हूं कि कैसे आप इन बच्चों को मरने दे रहे हैं? मैं ईश्वर से नाराज हूं और उम्मीद करती हूं कि वह मुझे माफ कर देंगे। वह कहती हैं कि सामान्य अवस्था में बेथलहम में क्रिसमस को छटा अलग ही होती थी, रोशनी से सजी सड़कों पर गूंजते गीतों, सजावटी रोशनी वाले बाजारों और ऊंचे क्रिसमस पेड़ों के साथ तस्वीरें खिंचवाते बच्चों, परिवारों और पर्यटकों में उत्साह देखने को मिलता था। अब यह सब शांत, उदास है। पिछले वर्ष उन्होंने प्रकाश समारोह में भाग लिया था, जिसे समाप्त कर दिया गया है। यरुशलम के चर्च प्रमुखों ने प्रार्थना समूहों से किसी भी अनावश्यक उत्सव गतिविधियों से बचने का आग्रह किया है। उन्होंने पादरियों और अनुयायियों से क्रिसमस के आध्यात्मिक स्वरूप पर ध्यान केंद्रित करने की अपील की है और प्यारी पवित्र भूमि के लिए न्यायपूर्ण और स्थाई शांति के लिए प्रार्थना करने का आह्वान किया है।

श्रीलंका के साथ विशेष मित्रता को मजबूत करने को प्रतिबद्ध : भारत के नवनियुक्त उच्चायुक्त

कोलंबो। श्रीलंका में भारत के नए उच्चायुक्त संतोष झा ने प्रभार संभाल लिया है और शुक्रवार को उन्होंने यहां राष्ट्रपति रानिल विक्रमसिंघे को अपना परिचय पत्र सौंपा। इस मौके पर उन्होंने द्वीपीय देश के साथ विशेष मित्रता को और मजबूत करने के लिए काम करने का संकल्प लिया। झा ने गोपाल बागले का स्थान लिया है जिन्हें ऑस्ट्रेलिया में भारत का अगला उच्चायुक्त नियुक्त किया गया है। वरिष्ठ राजनयिक झा कोलंबो में प्रभार संभालने से पहले यूरोपीय संघ, बेल्जियम और लग्जमबर्ग में भारत के राजूदत रह चुके हैं। उनके पास क्रमश: श्रीलंका और यूरोपीय संघ के साथ मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) के लिए बातचीत करने वाली टीमों के सदस्य के रूप में सेवा देने का अनुभव है। श्रीलंका के राष्ट्रपति के मीडिया प्रभाग द्वारा जारी एक प्रेस विज्ञप्ति में कहा गया कि श्रीलंका में भारत के नए उच्चायुक्त के रूप में झा, भारत और श्रीलंका के बीच द्विपक्षीय संबंधों को और मजबूत करने, विभिन्न क्षेत्रों में सहयोग को बढ़ावा देने के इच्छुक हैं। नवनियुक्त भारतीय उच्चायुक्त ने राष्ट्रपति विक्रमसिंघे की अतिथि पुस्तिका में लिखा कि भारत और श्रीलंका के बीच ऐतिहासिक, भौगोलिक, सांस्कृतिक और लोगों से लोगों के बीच गहरे संबंध हैं। झा ने दशकों से राजनीतिक, आर्थिक और सुरक्षा क्षेत्रों में संबंधों की वृद्धि पर प्रकाश डाला और श्रीलंका के करीबी पड़ोसी, सबसे बड़े व्यापार भागीदार और एक प्रमुख विकास भागीदार के रूप में भारत की भूमिका पर जोर दिया। झा ने दोनों देशों के बीच विशेष मित्रता को मजबूत करने, व्यापार, निवेश, ऊर्जा, संपर्क और अन्य क्षेत्रों में घनिष्ठ सहयोग को बढ़ावा देने की प्रतिबद्धता जताई। उन्होंने अपने लक्ष्यों को दोनों देशों के नेताओं द्वारा सहमत दृष्टिकोण पत्र से साझा करते हुए विश्वास व्यक्त किया उनके सहयोग से साझा समृद्धि, प्रगति और क्षेत्रीय स्थिरता को बढ़ावा मिलेगा। नए उच्चायुक्त ने गर्मजोशी से स्वागत के लिए राष्ट्रपति विक्रमसिंघे को धन्यवाद दिया कहा कि वह भविष्य में रचनात्मक गतिविधियों के लिए तत्पर हैं।

अयोग्य ठहराए गए एवं जेल में बंद इमरान ने आठ फरवरी को होने वाले चुनाव के लिए नामांकन पत्र दाखिल किया

लाहौर। पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान ने आठ फरवरी को आम चुनाव के लिए शुक्रवार को पंजाब प्रांत स्थित अपने गृह निर्वाचन क्षेत्र मियांवाली में अपना नामांकन पत्र दाखिल किया। अयोग्य ठहराए गए और जेल में बंद 71-वर्षीय खान को इस साल पांच अगस्त को तोशाखाना भ्रष्टाचार मामले में दोषी ठहराया गया था, जिसके बाद उन्हें पांच साल के लिए कोई भी चुनाव लड़ने के लिए अयोग्य घोषित कर दिया गया था। पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ के संस्थापक खान ने इस्लामाबाद उच्च न्यायालय में एक याचिका दायर की, लेकिन उन्हें वहां से राहत नहीं मिली और उसके बाद उन्होंने सर्वोच्च न्यायालय का रुख किया। क्रिकेटर से नेता बने इमरान खान को शीर्ष अदालत से जमानत तो मिल गई, लेकिन वह दो अन्य मामलों में गिरफ्तारी के कारण जेल में बंद हैं।

पाकिस्तान के सुप्रीम कोर्ट ने गोपनीय दस्तावेज लीक मामले में खान एव कुरैशी को जमानत दी

भाषा। इस्लामाबाद

पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान को राहत प्रदान करते हुए पाकिस्तान के उच्चतम न्यायालय ने सरकारी गोपनीय दस्तावेज लीक मामले में शुक्रवार को उनके और उनके करीबी शाह महमूद कुरैशी को जमानत दे दी डॉन अखबार की खबर के अनुसार शीर्ष अदालत ने पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) के इन नेताओं को 10-10 लाख रुपए का मुचलका बांड भी भरने का निर्देश दिया। न्यायमूर्ति सरदार तारिक मसूद की अगुवाई वाली तीन न्यायाधीशों की एक पीठ ने पीटीआई की याचिकाओं पर यह आदेश जारी किया। न्यायमूर्ति अतहर मिनाल्लाह और न्यायमूर्ति सैयद मंसूर अली शाह पीठ में अन्य दो न्यायाधीश हैं यह मामला इस आरोप पर आधारित है कि पिछले साल मार्च में पाकिस्तान दूतावास द्वारा भेजे गए राजनयिक दस्तावेज को खान (71) और कुरैशी (67) ने उचित ढंग से नहीं संभाला और उन्होंने देश की गोपनीयता कानूनों का उल्लंघन किया हालांकि खान जेल में ही रहेंगे क्योंकि उन्हें तोशाखाना भ्रष्टाचार मामले में दोषी करार दिया गया है संघीय जांच एजेंसी के आरोपपत्र में आरोप लगाया गया है कि खान ने यह दस्तावेज कभी लौटाया ही नहीं। पीटीआई पहले से कहती आई है कि इस दस्तावेज में अमेरिका की ओर से खान को प्रधानमंत्री के पद से हटाने की धमकी दी गई थी।पिछले सप्ताह अडियाला जेल में विशेष अदालत (सरकारी गोपनीयता अधिनियम) ने नए सिरे से मामले की सुनवाई शुरू की थी। उससे पहले खान और कुरैशी को 13 दिसंबर को इस मामले में दूसरी बार अभ्यारोपित किया गया था। कुरैशी भी जेल में हैं इमरान और कुरैशी को पहली बार 23 अक्टूबर को अभ्यारोपित किया गया था। दोनों ने अपना गुनाह नहीं कबूला था। अडियाला जेल में सुनवाई चल रही थी और चार गवाह अपनी गवाही दे भी चुके थे। इसी बीच इस्लामाबाद उच्च न्यायालय ने जेल में सुनवाई संबंधी सरकार की अधिसूचना को त्रुटिपूर्ण करार दिया और पूरी कार्यवाही खारिज कर दी। इस्लामाबाद उच्च न्यायालय ने खान के अभ्यारोपण पर मुहर लगाई थी और मामला खारिज करने की उनकी गुजारिश अस्वीकार कर दी थी।

क्विक न्यूज

उत्तर कोरिया के बम बनाने की सामग्री तैयार करने से जुड़ी नई सुविधा स्थापित करने में जुटने के संकेत

सियोल। संयुक्त राष्ट्र की परमाणु एजेंसी और बाहरी विशेषज्ञों ने कहा है कि उत्तर कोरिया ने बम बनाने की सामग्री तैयार करने के लिए एक नई सुविधा स्थापित करने के संभावित प्रयास के तहत अपने मुख्य परमाणु परिसर में एक हल्के जल रिएक्टर का परिचालन शुरू कर सकता है। यदि इसमें सच्चाई है तो आकलन से पता चलेगा कि उत्तर कोरिया ने अपने नेता किम जोंग उन की अधिक से अधिक परमाणु हथियार बनाने के संकल्प को लागू करने के लिए यह कदम उठाया है और इसे अमेरिका की ओर से बढ़ते सैन्य खतरों के जवाब के रूप में देखा जा रहा है। अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी (आईएईए) के महानिदेशक राफेल ग्रॉसी ने बृहस्पतिवार को कहा कि योंगब्योन परमाणु परिसर में और इसके आसपास गतिविधियां तेज होते तथा अक्टूबर के मध्य से इसकी शीतलन प्रणाली से पानी का तेज बहाव देखा गया है। ग्रॉसी ने कहा कि टिप्पणियां रिएक्टर चालू होने के अनुरूप थी। आईएईए ने कहा है कि वह उत्तर कोरिया के परमाणु कार्यक्रम विकास की निगरानी के लिए उपग्रह इमेजरी और ओपन सोर्स जानकारी का उपयोग करता है।हल्के जल रिएक्टर का निर्माण एक दशक पहले शुरू हुआ था। दक्षिण कोरिया के विज्ञान और प्रौद्योगिकी नीति संस्थान के मानद अनुसंधान साथी ली चून ग्यून के अनुसार, यह पांच मेगावाट रिएक्टर की तुलना में बड़ी क्षमता के लिए जाना जाता है, जिसका अर्थ है कि यह अधिक बम बनाने की सामग्री का उत्पादन कर सकता है। ट्रम्प के साथ अपनी कूटनीतिक विफलता के बाद, किम ने अपने परमाणु शस्त्रागार को बढ़ाने तथा अधिक उच्च तकनीक वाले हथियार बनाने पर ध्यान केंद्रित किया है।

विंटर परिधानों की ग्लोबल मांग

ग्लोबल। आइकोनिक विंडप्रूफलाइटर ब्रांड ज़िप्पो जो अपने सिग्नेचर डिजाइन और लंबे समय तक चलने वाली लौ के लिए जाना जाता है, फैशन एक्सेसरीज में एक नए ट्रेंड को प्रज्वलित करने के लिए कार्यक्षमता से परे जाता है।भारीय परिधान का ग्लोबल मार्केटिंग होगा। इस सर्दी में पहली बार ज़िप्पो लाइटर और इंडियन फ्यूज़न का अद्वितीय कॉम्बिनेशन देखने को मिलेगा। व्यक्तिगत स्टाइल और आत्मविश्वास को दूसरे स्तर पर ले जाते हुएए ब्रांड भारतीय एथनिसिटी के निर्विवाद रूप से शक्तिशाली स्थान से प्रेरणा लेता हैए जो वैश्विक ट्रेंड्स को प्रभावित करता है। लुकास जॉनसन, एसोसिएट वाइस प्रेसिडेंटए ज़िप्पो ग्लोबल मार्केटिंग के अनुसार, जैसे-जैसे फैशन लोगों के दिमागों को प्रभावित करता जा रहा है, इसलिए बदलते समय के साथ नए ट्रेंड्स को सार्थक तरीके से अपनाना महत्वपूर्ण है। जैसा कि हम जानते ह, फैशन एक्सेसरीज़ की दुनियाए ज़रूरत आधारित खरीदारी से हटकर व्यक्तिगत स्टाइल और व्यक्तित्व की अभिव्यक्ति की ओर बढ़ गई है। हम इसे ज़िप्पो को भारतीय फैशन के साथ मिश्रित करनेए नई स्टाइल्स को पेश करने ए अधिक सांस्कृतिक एकीकरण लाने और दर्शकों के साथ अपने जुड़ाव को गहरा करने के एक महान समय और अवसर के रूप में देखते हैं।

उत्तरी मध्य अफ्रीकी गणराज्य में विद्रोहियों के हमले में कम से कम 20 ग्रामीणों की मौत

बंगुई (मध्य अफ्रीकी गणराज्य)। मध्य अफ्रीकी गणराज्य में विद्रोहियों द्वारा एक सुरक्षा चौकी और एक गांव को निशाना बनाकर किए गए हमले में बच्चों और एक सैनिक समेत कम से कम 21 लोगों की मौत हो गई। स्थानीय अधिकारियों ने यह जानकारी दी।नजाकाउंडो का प्रतिनिधित्व करने वाले सांसद अर्नेस्ट बोनांग ने कहा, विद्रोहियों ने पहले सेना की जांच चौकियों पर हमला कर एक व्यक्ति की हत्या कर दी और कई अन्य लोगों को घायल कर दिया। उसके बाद उन्होंने आम लोगों को निशाना बनाया, जिसमें करीब 20 लोगों की मौत हो गई। बोनांग ने कहा, हमलावरों ने गांव के कई घरों में आग लगा दी, जिससे वहां रहने वाले लोग अपने घरों को छोड़कर भाग गए। किसी भी समूह ने हालिया हमले की तत्काल जिम्मेदारी नही ली लेकिन स्थानीय लोगों ने इस हमले के लिए रिटर्न, रिक्लेमेशन, रिहैबिलिटेशन समूह को जिम्मेदार ठहराया है। इसे समूह को 3आर के नाम से भी जाना जाता है, जो उत्तरी मध्य अफ्रीकी गणराज्य में मौजूद कई मिलिशिया समूहों में से एक है।

पाकिस्तान निर्वाचन आयोग ने नामांकन दाखिल करने की समयसीमा दो दिन के लिए बढ़ाई

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के निर्वाचन आयोग ने आठ फरवरी को होने वाले आम चुनाव के लिए नामांकन पत्र दाखिल करने की समयसीमा शुक्रवार को दो और दिन के लिए बढ़ा दी। प्रमुख राजनीतिक दलों ने नामांकन पत्र दाखिल करने के लिए और समय देने की मांग की थी। पाकिस्तान निर्वाचन आयोग (ईसीपी) द्वारा जारी कार्यक्रम के अनुसार, संभावित उम्मीदवारों को 20 से 22 दिसंबर तक नामांकन पत्र दाखिल करना था। आयोग ने बुधवार से संभावित उम्मीदवारों से नामांकन पत्र स्वीकार करना शुरू कर दिया। नामांकन पत्र दाखिल करने की समयसीमा शुक्रवार शाम साढ़े चार बजे तक थी। निर्वाचन आयोग ने शुक्रवार सुबह एक प्रेस विज्ञप्ति में घोषणा की कि नामांकन पत्र 24 दिसंबर (रविवार) तक दाखिल किए जा सकते हैं। उसने कहा कि यह फैसला राजनीतिक दलों के अनुरोध और नामांकन प्रक्रिया आसान बनाने के लिए किया गया है। इसमें कहा गया है, राजनीतिक दलों को विशिष्ट सीटों के लिए प्राथमिकता सूची निर्धारित समयसीमा के भीतर निर्वाचन अधिकारियों को सौपनी होगी।

जापान के मंत्रिमंडल ने 2024 के लिए रिकॉर्ड 56 अरब डॉलर के रक्षा बजट को मंजूरी दी

तोक्यो। जापान के मंत्रिमंडल ने 2024 के लिए 56 अरब अमेरिकी डॉलर की रक्षा बजट योजना को शुक्रवार को मंजूरी दे दी है, जो पिछले साल के मुकाबले करीब 16 प्रतिशत से अधिक है। मार्च से शुरू होने वाले वित्त वर्ष के लिए 7.95 हजार अरब एन के बजट से उत्तर कोरिया और चीन तक मार करने में सक्षम लंबी दूरी की मिसाइलों की तैनाती में तेजी आएगी और सेना एफ-35 स्टील्थ लड़ाकू विमान और अन्य अमेरिकी हथियारों के साथ अपनी ताकत को मजबूत कर सकेगी। जापान की सेना अपने सहयोगियों के साथ मिलकर और आक्रमक रुख अपना रही है। जापान का वित्तवर्ष मार्च से शुरू होता है और प्रधानमंत्री फुमियो किशिदा सरकार ने पांच साल के सैन्य शक्ति निर्माण कार्यक्रम की घोषणा की थी। वित्त वर्ष 2024 इस योजना का दूसरा साल होगा। जापान केवल आत्मरक्षा के लिए सैन्य बल की नीति पर चल रहा था जिसे बदलकर अब वह अपनी ताकत को मजबूत कर रहा है। जापान ने अपनी सैन्य शक्ति बढ़ाने के लिए 2027 तक 43 हजार अरब एन (300 अरब अमेरिकी डॉलर) खर्च करने की योजना बनाई है।

पूर्व सहायिका ने विन डीजल पर यौन शोषण का मुकदमा दर्ज कराया

लॉस एंजिलिस। फास्ट एंड फ्यूरियस स्टार विन डीजल पर उनकी पूर्व सहायिका एस्टा जोनासन ने यौन शोषण का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि यह घटना वर्ष 2010 की है जब वह अभिनेता के साथ काम कर रही थी। एस्टा जोनासन ने बृहस्पतिवार को लॉस एंजिलिस में एक मुकदमा दायर कर आरोप लगाया कि डीजल ने 2010 में अटलांटा के एक होटल में उसका यौन शोषण किया था। मुकदमे में आरोप लगाया गया है कि उसने होटल के कमरे से भागने की कोशिश की लेकिन अभिनेता ने उसे दबोच लिया तथा उसके साथ जबरदस्ती की। इस घटना के कुछ घंटों बाद डीजल की बहन सामंथा विंसेंट ने जोनासन को नौकरी से निकाल दिया था। मुकदमे में कहा गया है कि जोनासन को लगा कि वह कचरे का एक टुकड़ा है और उनका आत्म सम्मान पूरी तरह चकनाचूर हो गया था। मुकदमे में आरोप लगाया गया है, यह स्पष्ट है कि उन्हें इसलिए नौकरी से निकाला गया था कि अब उनका कोई काम नही रहा - विन डीजल ने अपनी यौन इच्छाओं को पूरा करने के लिए उनका इस्तेमाल किया।

अमेरिका: कर चोरी के मामले में भारतीय मूल के टीआरपी को दो साल की जेल

वाशिंगटन। अमेरिका में करदाताओं को रिटर्न भरने में मदद करने वाले (ट्रैक्स रिटर्न प्रीपेरर या टीआरपी) भारतवंशी समीर पटेल को अपना कर नही देने के मामले में दो साल कारावास की सजा सुनाई गई है। अदालत ने 56 वर्षीय पटेल को छह लाख अमेरिकी डॉलर (करीब 4.98 करोड़ रुपए) का कर भुगतान करने और 95 हजार डॉलर (करीब 79 लाख) रुपए का जुर्माना देने का भी आदेश दिया है। जॉर्जिया के दक्षिणी जिले के अटॉर्नी जिल ई. स्टेइनबर्ग ने बताया कि जॉर्जिया राज्य के स्टेट्सबोरो निवासी पटेल को कर चोरी का दोषी करार दिए जाने के बाद 19 दिसंबर को सुजा सुनाई गई। जॉर्जिया के दक्षिणी जिले के अर्टानी कार्यालय ने एक बयान में बताया कि यूएस डिस्ट्रिक्ट कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश जे रैंडल हाल ने दो साल की सजा पूरी करने के बाद पटेल को तीन साल तक निगरानी में भी रखने का आदेश दिया है।

भारतीय किरदारों को देखेगी दुनिया

हालीवुड। भारत के स्वदेशी किड्स एंटरटेनमेन्ट चैनल पोगो दो आइकोनिक कैरेक्टर्स लिटल सिंघम और छोटा भीम को एक्सक्लुज़िव फि ल्म आग और पानी की टक्करमें एक साथ ला रहे हैं। फिल्म का प्रीमियर रविवार 31 दिसम्बर को दोपहर 1 बजे हिंदी, तमिल, तेलुगु, कन्नड, मलयालम और मराठी में किया जाएगा। यह ब्लॉकबस्टर आयोजन दर्शकों को एडवेंचर का रोमांचक अनुभव प्रदान करेगा। हैड ऑफ किड्स क्लस्टर साउथ एशिया,वार्नर ब्रदर्स, डिस्कवरी, उत्तम पाल सिंह ने कहा कि टोरीटैलर्स के रूप मेंए हमें दर्शकों के दो पसंदीदा कैरेक्टर्स लिटल सिंघम और छोटा भीम को एक साथ लाते हुए बेहद खुशी का अनुभव हो रहा है। जो साल की शानदार फिल्म आग और पानी की टक्कर में एक साथ नज़र आएंगे। यह फिल्म एनिमेशन की दुनिया के सर्वश्रेष्ठ कलाकारों रिलायन्स एनिमेशन्स रोहित शेट्टी और ग्रीन गोल्ड एनिमेशन की अनूठी पहल है, जो टूनवर्ल्ड के टाइटन्स के साथ पोगो के प्रशंसकों को अभूतपूर्व अनुभव प्रदान करेगी।

पीटीआई की चिंताओं को दूर करने का निर्देश

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के उच्चतम न्यायालय ने शुक्रवार को निर्वाचन आयोग को आगामी आठ फरवरी को होने वाले आम चुनावों में समान अवसर नही देने संबंधी पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की पार्टी की चिंताओं को दूर करने का निर्देश दिया।इमरान खान भ्रष्टाचार के मामले में इस समय जेल में बंद है। तीन सदस्ईय पीठ ने खान की पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) पार्टी द्वारा दायर याचिका पर यह आदेश जारी किए।

अमेरिका असमान मांगों के साथ कैदियों की अदला-बदली में बाधा डाल रहा : रूसी अधिकारी

मॉस्को। रूसी उप विदेश मंत्री सर्गेई रयाबकोव ने कहा है कि रूस में बंद अमेरिकी नागरिकों को मुक्त कराने के लिए दोनों देशों के बीच बातचीत अमेरिकी प्रचार और वार्ता को लेकर उसके रुख में कथित असमानता के कारण बाधित हो रही है। अमेरिकी विदेश विभाग ने पिछले हफ्ते कहा था कि रूस ने जासूसी के दोषी अमेरिकी पॉल व्हेलन तथा वॉल स्ट्रीट जर्नल के रिपोर्टर इवान गेर्शकोविच को रिहा करने के कई प्रस्तावों को खारिज कर दिया है। गेर्शकोविच को मार्च में हिरासत में लिया गया था और उनके खिलाफ भी जासूसी के आरोप हैं। रयाबकोव ने इंटरफैक्स समाचार एजेंसी के साथ एक साक्षात्कार में कहा, कई अन्य क्षेत्रों की तरह यहां भी हमने खुद के लिए अधिक पाने एवं दूसरे पक्ष को कम से कम देने की अमेरिका की चाहत को महसूस किया है। यह साक्षात्कार शुक्रवार को प्रकाशित हुआ। अमेरिका ने यह घोषणा की है कि व्हेलन और गेर्शकोविच दोनों को गलत तरीके से हिरासत में लिया गया और इस प्रकार इन मामलों की ओर मीडिया का पर्याप्त ध्यान आकर्षित हुआ है। रयाबकोव ने आरोप लगाया, अमेरिकी मीडिया वर्तमान (बाइडन) प्रशासन की शह पर इन कहानियों को चटखारे के साथ प्रकाशित कर रहा है। बंद दरवाजों के भीतर आयोजित होने के बावजूद यह बहुत ही कठिन प्रक्रिया है। उन्होंने कहा, यह दिलचस्प है कि अमेरिकी पक्ष की ओर से वार्ता में भाग लेने वाले अपनी पूर्ण गोपनीयता पर जोर देते हैं। हम भी इस नीति का पालन करते हैं, लेकिन तब कुछ ऐसे मोड़ आते हैं, जब व्हाइट हाउस नियमित रूप से (जानकारियां) लीक करता है और सार्वजनिक स्थान पर संवेदनशील मुद्दों पर चर्चा शुरू कर देता है। रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने पिछले हफ्ते कहा था कि मॉस्को व्हेलन और गेर्शकोविच को मुक्त करने के मुद्दे पर अमेरिका के साथ बातचीत कर रहा है और क्रेमलिन को समाधान मिलने की उम्मीद है। मिशिगन के कॉर्पोरेट सुरक्षा कार्यकारी व्हेलन को जासूसी के आरोप के तहत रूस में दिसंबर 2018 में गिरफ्तारी के बाद से जेल में रखा गया है। हालांकि व्हेलन और अमेरिकी सरकार इस आरोप को खारिज करते हैं। उन्हें 16 सालजेल की सजा सुनाई गई थी। गेर्शकोविच को मार्च में मॉस्को से लगभग 2,000 किलोमीटर पूर्व में रूसी शहर एकातेरिनबर्ग की यात्रा के दौरान हिरासत में लिया गया था। उन पर भी जासूसी का आरोप लगाया गया था।

इजराइल-हमास युद्ध में 20,000 से अधिक फलस्तीनियों की मौत : स्वास्थ्य अधिकारी

भाषा। रफाह (गाजा पट्टी)

हमास शासित गाजा पट्टी में स्वास्थ्य अधिकारियों ने कहा कि इजराइल और हमास के बीच युद्ध में 20,000 से अधिक फलस्तीनियों की मौत हो गई है। यह संख्या दिखाती है कि लोगों को युद्ध का कितना खमियाजा उठाना पड़ रहा है। महज 10 हफ्तों से अधिक समय पहले शुरू हुई लड़ाई में गाजा के 80 फीसदी से अधिक लोग विस्थापित हो गए और एक बड़ा हिस्सा तबाह हो गया है। मृतकों की यह संख्या क्षेत्र की युद्ध से पहले की आबादी का एक प्रतिशत है। गाजा के स्वास्थ्य मंत्रालय ने शुक्रवार को कहा कि उसने लड़ाई में 20,057 लोगों की मौत दर्ज की है। इसमें लड़ाकों और नागरिकों की मौत के आंकड़े अलग-अलग नहीं हैं। उसने पहले बताया था कि तकरीबन दो तिहाई मृतकों में महिलाएं या नाबालिग शामिल हैं।

कनाडा ने गाजा के नागरिकों को अस्थाई वीजा देने की घोषणा की

ओटावा (ओंटारियो)। कनाडा ने गाजा पट्टी के उन लोगों को अस्थाई वीजा देने की घोषणा की है जिनके रिश्तेदार कनाडा में रहते हैं। कनाडा के आव्रजन मंत्री मार्क मिलर ने बृहस्पतिवार रात इस संबंध में जानकारी देते हुए कहा कि यह अभियान नौ जनवरी तक शुरू हो सकता है।

गाजा में सहायता पहुंचाने के प्रस्ताव पर संयुक्त राष्ट्र में मतदान में फिर देरी

संयुक्त राष्ट्र। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में गाजा तक अत्यावश्यक मदद पहुंचाने के लिए पेश एक संशोधित प्रस्ताव पर बृहस्पतिवार को फिर मतदान में देरी हुई। प्रस्ताव में संशोधन का अमेरिका ने समर्थन किया है जबकि अन्य देशों ने और कड़े प्रस्ताव का समर्थन किया है जिसमें इजराइल और हमास के बीच शत्रुता तत्काल खत्म करने का आह्वान शामिल है। हालांकि इसे अब हटा दिया गया है। संशोधित मसौदा प्रस्ताव पर परिषद के सदस्यों ने करीब एक घंटे तक बंद कमरे में बातचीत की। काफी बदलाव होने के कारण कई सदस्यों ने कहा कि उन्हें मतदान से पहले अपनी सरकार से विचार-विमर्श करने की आवश्य ता है। अब इस पर शुक्रवार को मतदान होने की संभावना है। अमेरिका की राजदूत लिंडा थॉमस-ग्रीनफील्ड ने चर्चा के बाद पत्रकारों से कहा कि अमेरिका नए पाठ का समर्थन करता है और अगर उसे मतदान के लिए पेश किया जाता है तो अमेरिका उसका समर्थन करेगा।

अयोध्या के राममंदिर में रामलला की प्राण प्रतिष्ठा पर अमेरिका के मंदिरों में एक सप्ताह तक उत्सव

भाषा। वाशिंगटन

अयोध्या में रामजन्मभूमि पर बने भव्य मंदिर में 22 जनवरी को रामलला के प्राण प्रतिष्ठा का उत्सव सात समुद्र पार अमेरिका के मंदिरों में भी मनाया जाएगा और एक सप्ताह तक उत्सव मनाने के लिए बड़े पैमाने पर तैयारियां की जा रही हैं। मंदिरों का प्रतिनिधित्व करने वाली एक शीर्ष अधिकारी ने यह जानकारी दी। हिंदू मंदिर इम्पाउअर्मन्ट काउंसिल (एचएमईसी) की तेजल शाह ने पीटीआई-भाषा से सोमवार को की गई बातचीत में कहा, यह हमारा सौभाग्य और आशीर्वाद है कि हम इस घटना का हिस्सा हैं और हमारे सपनों का मंदिर सदियों के इंतजार और संघर्ष के बाद साकार हो रहा है। अमेरिका और कनाडा में सभी भावुक हैं। सभी के मन में श्रद्धा का भाव है और वे भगवान श्री राम के उनके मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा का इंतजार कर

रहे हैं। एचएमईसी अमेरिका में।,100 हिंदू मंदिरों का शीर्ष निकाय है। उन्होंने कहा कि उत्तरी अमेरिका के छोटे- बड़े मंदिरों में सप्ताह भर चलने वाला उत्सव 15 जनवरी को शुरू होगा और अयोध्या से राम मंदिर उद्घाटन के सीधे प्रसारण के साथ संपन्न होगा।अयोध्या में राम जन्मभूमि पर बन रहे भव्य मंदिर में रामलला (भगवान राम के बाल स्वरूप) की प्राण प्रतिष्ठा 22 जनवरी को होगी। एचएमईसी की अध्यक्ष शाह ने कहा कि अब तक जो प्रतिक्रिया मिली है उससे उम्मीद की जा रही है कि प्राण प्रतिष्ठा समारोह को हजारों लोग देखेंगे। उन्होंने कहा, कार्यक्रम के अंत में हम सभी संकल्प लेंगे। हमारे लिए अमेरिका के पूर्वी तट समयानुसार 21 जनवरी रात 11 बजे का समय होगा। इसलिए हम उस रात भगवान राम के प्राण प्रतिष्ठा समारोह में ऑनलाइन माध्यम से शामिल होंगे। उन्होंने बताया कि अब तक उत्तरी अमेरिका में दर्जनों मंदिरों ने 15 जनवरी को पुजारियों द्वारा कीर्तन शुरू कराने की सहमति दी है। उन्होंने कहा, आधे से अधिक मंदिरों ने 21-22 जनवरी को होने वाले मुख्य कार्यक्रमों के लिए सहमति दी है। शाह ने कहा, हर हफ्ते 100 से अधिक मंदिर आयोजनों के लिए पंजीकरण करा रहे हैं। उन्होंने कहा कि 15 जनवरी का कार्यक्रम पुजारियों द्वारा राम नाम संकीर्तन के जाप के साथ शुरू होगा। राम नाम संकीर्तन, वाल्मिकी रामायण में प्रयुक्त भगवान राम के 108 नामों का जाप है। इसके बाद अटलांटा के प्रसिद्ध कलाकार विनोद कृष्णन द्वारा भजन पाठ किया जाएगा। वह भगवान राम के कुछ लोकप्रिय नए भजन गाएंगे।शाह ने बताया कि 21 जनवरी को मंदिरों में रोशनी की जाएगी। मंदिरों में अयोध्या में संपन्न होने वाले प्राण प्रतिष्ठा समारोह का सीधा प्रसारण करने और प्राण प्रतिष्ठा के मुख्य क्षण में शंखनाद करने की योजना है जिसके बाद प्रसाद का वितरण किया जाएगा। आयोजन में भाग लेने वाले प्रत्एक मंदिर को श्री राम जन्म भूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट से भागीदारी का प्रमाण पत्र और प्रसाद प्राप्त होगा।

इस्लामिक स्टेट से संबंधों के संदेह में 304 को हिरासत में लिया गया : तुर्किए

अंकारा। तुर्की के सुरक्षा बलों ने पूरे तुर्किए में एक साथ छापे मारकर इस्लामिक स्टेट चरमपंथी समूह से जुड़े होने के संदेह में 304 लोगों को हिरासत में लिया है। गृह मंत्री ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। ली एरलिकाया ने कहा कि संदिग्धों को 32 प्रांतों में हिरासत में लिया गया था, लेकिन उनमें से अधिकांश तुर्किए के तीन सबसे बड़े शहरों, इस्तांबुल, अंकारा और इजमिर में थे।इस अभियान को कूट नाम हीरोज 34 दिया गया। एरलिकाया ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर कहा कि इस अभियान को पुलिस, खुफिया इकाई और आतंकवाद विरोधी दस्तों द्वारा संयुक्त रूप से अंजाम दिया गया। संदिग्धों की राष्ट्रीयता के बारे में कोई जानकारी नहीं दी गई है। आतंकवादी समूह ने तुर्की में कई घातक हमलों को अंजाम दिया है, जिसमें एक जनवरी, 2017 को इस्तांबुल नाइट क्लब में की गई गोलीबारी भी शामिल है जिसमें नए साल के जश्न के दौरान 39 लोग मारे गए थे।

दीप्ति और पूजा की शतकीय साझेदारी

भारत ने ऑस्ट्रेलिया पर शिकंजा कसा

भाषा। मुंबई

दीप्ति शर्मा (नाबाद 70) और पूजा वस्त्राकर (नाबाद 33) के बीच 102 रन की अटूट साझेदारी की मदद से भारतीय महिला टीम ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ एकमात्र टेस्ट क्रिकेट मैच के दूसरे दिन शुक्रवार को यहां 157 रन की बढ़त हासिल करके अपनी स्थिति मजबूत कर ली। भारत ने ऑस्ट्रेलिया के 219 रन के जवाब में दूसरे दिन का खेल समाप्त होने तक सात विकेट पर 376 रन बनाए थे। भारत की चार बल्लेबाजों ने अर्धशतक लगाए, जिनमें दीप्ति के अलावा स्मृति मंधाना (74), जेमिमा रोड्रिग्स (73) और अपना पहला टेस्ट मैच खेल रही रिचा घोष (52) शामिल हैं। दीप्ति और वस्त्राकर ने तब जिम्मेदारी संभाली जब भारत ने 14 रन के अंदर चार विकेट गंवा दिए थे। ऑस्ट्रेलिया ने आठ गेंदबाजों का उपयोग किया लेकिन केवल ऑफ स्पिनर एश्ले गार्डनर (100 रन देकर चार विकेट) ही अपना प्रभाव छोड़ पाई। महिला एशेज टेस्ट में आठ विकेट लेने वाली गार्डनर ने भारतीय बल्लेबाजों को लगातार परेशान किया तथा अच्छी लाइन और लेंथ से गेंदबाजी करके महत्वपूर्ण विकेट लिए। भारत का स्कोर एक समय सात विकेट पर 174 रन था लेकिन दीप्ति और वस्त्राकर के बीच आठवें विकेट के लिए शानदार साझेदारी से वह मैच पर अपनी पकड़ मजबूत करने में सफल रहा। दीप्ति और वस्त्राकर भारत की तरफ से आठवें विकेट के लिए सर्वश्रेष्ठ साझेदारी का रिकॉर्ड बनाने से केवल पांच रन दूर हैं। दीप्ति ने अभी तक 147 गेंद का सामना करके नौ चौके लगाए हैं जबकि पहले दिन 53 रन देकर चार विकेट लेने वाली वस्त्राकर ने 115 गेंद का सामना करके चार चौके जड़े हैं। भारत की पारी का आकर्षण हालांकि युवा रिचा घोष और जेमिमा के बीच चौथे विकेट के लिए 113 रन की साझेदारी रही। यह भारत की तरफ से चौथे विकेट के लिए दूसरी सर्वश्रेष्ठ साझेदारी है। टेस्ट क्रिकेट में पहली बार बल्लेबाजी कर रही घोष ने आक्रमण और संयम का शानदार नमूना पेश किया। उन्होंने अपनी पारी में 104 गेंद का सामना करके सात चौके लगाए। घोष को 14 रन के निजी योग पर जीवनदान भी मिला जब एलिस पेरी ने गार्डनर की गेंद पर मिड ऑफ पर उनका आसान कैच छोड़ दिया था। घोष इसका फायदा उठाकर अपने पदार्पण मैच में अर्धशतक जड़ने वाली भारत की 14वीं बल्लेबाज बनी। जेमिमा और शुभा सतीश ने हाल में यह उपलब्धि हासिल की थी। जेमिमा ने स्वीप शॉट लगाने के अपने कौशल का अच्छा नमूना पेश किया। उन्होंने अपने अधिकतर रन (63 प्रतिशत) लेग साइड में बटोरे। जेमिमा की 121 गेंद की पारी में नौ चौके शामिल हैं। लगातार दूसरे मैच में अर्धशतक बनाने वाली जेमिमा अपने पहले टेस्ट शतक की तरफ बढ़ रही थी लेकिन तभी उन्होंने गार्डनर की गेंद पर एनाबेल सदरलैंड को एक्स्ट्रा कवर पर आसान कैच दे दिया। भारतीय कप्तान हरमनप्रीत कौर अपना खाता भी नहीं खोल पाई और केवल दो गेंद खेल कर पवेलियन लौट गई। गार्डनर ने उन्हें पगबाधा आउट किया। गार्डनर ने इसके तुरंत बाद यास्तिका भाटिया (01) को भी आउट किया। इससे पहले भारत ने सुबह एक विकेट पर 98 रन से अपनी पारी आगे बढ़ाई। मंधाना और स्नेह राणा (09) ने अर्धशतकीय साझेदारी पूरी की। गार्डनर ने राणा को बोल्ड करके यह साझेदारी तोड़ी। मंधाना रन आउट होकर पवेलियन लौटी। भारतीय उप कप्तान ने 106 गेंद का सामना किया तथा 12 चौके लगाए।

डब्ल्यूएफआई का यूडब्ल्यूडब्ल्यू से निलंबन हटाने का आग्रह

सीनियर राष्ट्रीय चैंपियनशिप 28 जनवरी से

भाषा। नई दिल्ली

भारतीय कुश्ती महासंघ (डब्ल्यूएफआई) की नवनियुक्त संस्था ने शुक्रवार को विश्व संचालन संस्था यूडब्ल्यूडब्ल्यू से उस पर लगा निलंबन हटाने का आग्रह किया और इसके साथ ही घोषणा की कि सीनियर राष्ट्रीय चैंपियनशिप 28 जनवरी से महाराष्ट्र के अहमदनगर में खेली जाएगी। महासंघ का कार्यभार संभालने के एक दिन बाद अध्यक्ष संजय सिंह ने कहा कि प्रतियोगिताओं की बहाली नई संस्था की प्राथमिकता होगी। महासंघ के नए पदाधिकारियों ने गुरुवार को चुनाव जीतने के तुरंत बाद उत्तर प्रदेश के गोंडा में अंडर-15 और अंडर-20 राष्ट्रीय चैंपियनशिप का आयोजन करने का फैसला किया था। संजय सिंह ने पीटीआई से कहा, हमने आज यूडब्ल्यूडब्ल्यू को पत्र लिखकर डब्ल्यूएफआई पर लगाया गया प्रतिबंध हटाने के लिए कहा क्योंकि लोकतांत्रिक तरीकों से चुनाव संपन्न हो गए हैं। मुझे पूरा विश्वास है कि निलंबन जल्द ही समाप्त हो जाएगा। यूनाइटेड वर्ल्ड रेसलिंग (यूडब्ल्यूडब्ल्यू) ने सही समय पर चुनाव नहीं कराने के कारण 23 अगस्त को डब्ल्यूएफआई को निलंबित कर दिया था। संजय सिंह ने कहा, जूनियर और सीनियर दोनों वर्ग के पहलवानों को प्रतियोगिताओं का आयोजन नहीं होने से पिछले कुछ महीनो में काफी नुकसान हुआ। हमारी प्राथमिकता प्रतियोगिताओं को फिर से शुरू करना है। हम इस दिशा में काम कर रहे हैं। सीनियर राष्ट्रीय चैंपियनशिप की मेजबानी महाराष्ट्र करेगा। राज्यों ने पहले ही सीनियर राष्ट्रीय चैंपियनशिप के लिए अपने ट्रायल्स की घोषणा कर दी है।

पद्मश्री लौटाना बजरंग पूनिया का निजी फैसला: खेल मंत्रालय

नई दिल्ली। खेल मंत्रालय ने शुक्रवार को कहा कि भारतीय कुश्ती महासंघ (डब्ल्यूएफआई) के अध्यक्ष पद के लिए संजय सिंह के चुनाव के विरोध में बजरंग पूनिया का पद्मश्री पुरस्कार लौटाने का फैसला व्यक्तिगत है लेकिन फिर भी उन्हें इस कदम पर दोबारा विचार करने के लिए समझाने का प्रयास किया जाएगा। ओलंपिक पदक विजेता पहलवान पूनिया ने बृजभूषण शरण सिंह के विश्वासपात्र संजय सिंह के डब्ल्यूएफआई में शीर्ष पद के लिए चुने जाने के एकदिन बाद पद्मश्री सम्मान लौटाने का फैसला किया।

हरमीत ने दूसरा राष्ट्रीय खिताब जीता, पोयमंती को पहली ट्रॉफी

पंचकुला। शीर्ष वरीय हरमीत देसाई ने शुक्रवार को यहां ताऊ देवी लाल इंडोर स्टेडियम में 85वी यूटीटी सीनियर राष्ट्रीय और अंतरराज्ईय टेबल टेनिस चैम्पियनशिप में दूसरे वरीय जी साथियान को 4-3 से हराकर अपना दूसरा पुरुष एकल खिताब हासिल किया। महिला एकल वर्ग का खिताब पोयमंती बैस्य ने हासिल किया। रेलवे की इस खिलाड़ी ने अयहिका मुखर्जी को 4-2 से पराजित किया। पैट्रोलियम खेल संवर्धन बोर्ड के हरमीत ने पिछले सत्र में जम्मू में अपना पहला राष्ट्रीय खिताब जीता था। उनके और साथियान के समान दो राष्ट्रीय खिताब हैं। महिलाओं के वर्ग में गत चैम्पियन श्रीजा अकुला सेमीफाइनल में युवा पोयमंती से 2-4 से हारकर बाहर हो गई थी।

भुल्लर ने दो शॉट की बढ़त

जमशेदपुर। भारत के स्टार गोल्फर गगनजीत भुल्लर ने शुक्रवार को यहां तीन करोड़ रुपए की पुरस्कार राशि की टाटा स्टील टूर चैम्पियनशिप के दूसरे दौर में छह अंडर 66 का कार्ड खेलकर दो शॉट की बढ़त हासिल की। भुल्लर ने पहले दौर में 64 का कार्ड खेला था जिससे उनका कुल स्कोर 14 अंडर 130 का है। राहिल गंगजी ने 10 अंडर 62 का व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया जिससे वह 21 पायदान के फायदे से 12 अंडर 132 के कुल स्कोर स्कोर से संयुक्त रूप से दूसरे स्थान पर पहुंच गए। अंगद चीमा संयुक्त रूप से दूसरे स्थान पर चल रहे है, उन्होंने लगातार दूसरे दिन 66 का कार्ड खेला।

सोनिया और क्लेवानी की मुक्केबाजी में जीत से शुरुआत

ग्रेटर नोएडा। विश्व चैंपियनशिप की रजत पदक विजेता रेलवे खेल संवर्धन बोर्ड (आरएसपीबी) की सोनिया लाठेर और तमिलनाडु की एस क्लेवानी ने महिला राष्ट्रीय मुक्केबाजी चैंपियनशिप के पहले दिन शुक्रवार को यहां जीत से शुरुआत की। सोनिया ने 57 किग्रा के पहले दौर के मैच में मध्य प्रदेश की माही लामा के खिलाफ आक्रामक शुरुआत की और 5-0 से आसान जीत हासिल की। पिछले बार की रजत पदक विजेता क्लेवानी ने 48 किग्रा भार वर्ग में केरल की मिलानो एमजे को आसानी से हराया। क्लेवानी के आक्रामक रवैए के कारण रेफरी को तीसरे राउंड के बीच में ही मुकाबला रोकना पड़ा था।

प्रियंका ने पहलवान साक्षी और बजरंग को आश्वासन दिया

नई दिल्ली। पहलवान साक्षी मलिक और बजरंग पूनिया ने शुक्रवार को कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी वाड्रा से मुलाकात की जिन्होंने न्याय के लिए उनकी लड़ाई में हर तरह से समर्थन करने का आश्वासन दिया। प्रियंका ने कहा कि पूरी दुनिया में देश का नाम रोशन करने वाली महिला पहलवानो ने भाजपा सांसद पर यौन उत्पीड़न का आरोप लगाया था लेकिन सरकार ने उनके खिलाफ कोई कार्वाई नही की। कांग्रेस महासचिव ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) अब भी आरोपी के साथ खड़ी है और देश की महिलाएं इन अत्याचारो को देख रही है। जब पहलवान प्रियंका गांधी से मिलने गए तो कांग्रेस नेता दीपेंद्र हुड्डा भी उनके साथ थे। दीपेंद्र हुड्डा ने इससे पहले साक्षी मलिक और बजरंग पूनिया से अपने आवास पर मुलाकात की, जहां हरियाणा के पूर्व मुख्यमंत्री भूपिंदर सिंह हुड्डा भी मौजूद थे। दीपेंद्र हुड्डा ने एक्स पर लिखा, भारत की एकमात्र ओलंपिक पदक विजेता महिला पहलवान साक्षी मलिक ने खुद के साथ हुए अन्याय के कारण कुश्ती से संन्यास ले लिया और केंद्र ने अपने वादो को पूरा नही किया। जहां तक देश की महिलाओ के सम्मान और खेलो का संबंध है तो यह अच्छा संकेत नही है। मैंने आज सुबह साक्षी मलिक और उनके पति सत्यव्रत कादियान से मुलाकात की।

आईसीसी से मिली फटकार को चुनौती देंगे ख्वाजा

मेलबर्न। पाकिस्तान के खिलाफ पहले टेस्ट में बांह पर काली पट्टी बांधने के कारण आईसीसी से फटकार झेलने वाले आस्ट्रेलिया के बल्लेबाज उस्मान ख्वाजा ने शुक्रवार को कहा कि वह इसे चुनौती देंगे क्योंकि उन्होंने आईसीसी को बताया था कि ऐसा उन्होंने निजी शोक के कारण किया है। ख्वाजा ने पर्थ में पिछले सप्ताह पाकिस्तान पर 360 रन से मिली जीत के दौरान बांह पर काली पट्टी बांधी थी। वह 13 दिसंबर को अभ्यास सत्र के लिए उतरे तो उनके बल्लेबाजी के जूतों पर आल लाइव्स आर इकवल और फ्रीडम इज ह्यूमन राइट लिखा हुआ था।ख्वाजा ने कहा , आईसीसी ने पर्थ टेस्ट के दूसेर दिन मुझसे पूछा था कि काली पट्टी क्यो बांधी है और मैने कहा था कि यह निजी शोक के कारण है। मैने इसके अलावा कुछ नहीं कहा था। मैं आईसीसी और उसके नियमों का सम्मान करता हूं। मैं इस फैसले को चुनौती दूंगा। जूतों का मसला अलग था। मुझे वह कहकर अच्छा लगा लेकिन आर्मबैंड को लेकर फटकार का कोई मतलब नहीं है।

पारिवारिक इमरजेंसी के कारण भारत लौटे कोहली

गायकवाड़ टेस्ट श्रृंखला से बाहर

भाषा। सेंचुरियन

विराट कोहली पारिवारिक इमरजेंसी के कारण भारत लौट गए हैं लेकिन दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ 26 दिसंबर से शुरू हो रहे पहले टेस्ट से पूर्व उनके लौट आने की उम्मीद है। कोहली दो टेस्ट मैचों की श्रृंखला के लिए दक्षिण अफ्रीका में थे। बीसीसीआई के एक सूत्र ने शुक्रवार को पीटीआई को बताया , विराट कोहली पारिवारिक इमरजेंसी के कारण भारत लौट गए हैं लेकिन पहले टेस्ट से पूर्व लौट आएंगे। समझा जाता है कि कोहली ने बीसीसीआई अधिकारियों से इस लघु अवकाश के लिए अनुमति ले ली थी। सूत्र ने कहा , विराट बृहस्पतिवार को रवाना हो गए और यह पहले से तय था। उन्होंने टीम के भीतर तीन दिवसीय मैच में हिस्सा नहीं लिया जिसमें भारत और भारत ए के खिलाड़ियों ने भाग लिया। बीसीसीआई में से किसी से यह पुष्टि नहीं हो सकी है कि इमरजेंसी क्या थी। कोहली पिछली बार भी दक्षिण अफ्रीका में कमर में चोट के कारण एक टेस्ट से बाहर रहे थे। वह 24 दिसंबर को लौट आएंगे और मैच से पूर्व अभ्यास में हिस्सा लेंगे। इस बीच भारतीय बल्लेबाज रूतुराज गायकवाड़ भी उंगली में फ्रेक्चर के कारण दो टेस्ट मैचों की श्रृंखला नहीं खेल सकेंगे। यह श्रृंखला विश्व टेस्ट चैंपियनशिप चक्र का हिस्सा है। गायकवाड़ के स्थान पर अभिमन्यु ईश्वरन को मुख्य टीम में शामिल किया गया है। उन्होंने टीम के बीच आपस में खेले जा रहे मैच में अच्छा प्रदर्शन किया। सूत्र ने कहा , रूतुराज गायकवाड़ उंगली में फ्रेक्चर के कारण दो टेस्ट मैचों की श्रृंखला से बाहर हैं। गायकवाड़ को दूसरे वनडे में कैच लपकने के दौरान उंगली में चोट लगी थी।

भारत को शमी की कमी खलेगी, लेकिन फिर भी वह जीत का दावेदार: फैनी डिविलियर्स

सेंचुरियन। दक्षिण अफ्रीका के पूर्व तेज गेंदबाज फैनी डिविलियर्स ने गुरुवार को कहा कि भारत को आगामी टेस्ट श्रृंखला मे मोहम्मद शमी की कमी खलेगी, लेकिन इसके साथ ही उन्होंने जोड़ा कि रोहित शर्मा की अगुवाई वाली टीम जीत के प्रबल दावेदार के रूप में शुरुआत करेगी। एक समय एलन डोनाल्ड के साथ खतरनाक जोड़ी बनाने वाले डिविलियर्स ने भारत के तेज गेंदबाजो जसप्रीत बुमराह, शमी और मोहम्मद सिराज की प्रशंसा की और कहा कि वे तेज गेंदबाजो के लिए अनुकूल परिस्थितियों में लेंथ के बजाय लाइन का महत्व समझते हैं। डिविलियर्स ने 26 दिसंबर से शुरू होने वाले पहले टेस्ट मैच से पूर्व पीटीआई से कहा, भारतीय टीम दक्षिण अफ्रीका में श्रृंखला जीतने के सर्वश्रेष्ठ मौके के साथ पहुंची है। पहली बार उनके पास ऐसे तेज गेंदबाज हैं जो कि केवल लेंथ ही नही सही लाइन पर गेंदबाजी कर सकते हैं। वे ऑफ स्टंप पर पांचवें और छठे विकेट की लाइन मे गेंदबाजी कर सकते है। अगर आप इस लाइन पर कम से कम चार गेंद भी कर देते है तो फिर आप टेस्ट मैच जीत सकते है। भारत कई वर्षो से दक्षिण अफ्रीका का दौरा करता रहा है लेकिन उसके कुछ तेज गेंदबाज ही सही लाइन से गेंदबाजी करते थे। लेकिन अब आपके पास बुमराह और सिराज है। हां मै इस बात को स्वीकार करता हूं कि शमी के नही खेलने से बड़ा अंतर पैदा होगा। लेकिन सिराज और बुमराह ऐसे गेंदबाज है जो लाइन पर गेंदबाजी कर सकते हैं जबकि दक्षिण अफ्रीका के गेंदबाज ऑफ स्टंप से लेग स्टंप की तरफ गेंदबाजी करते है। दक्षिण अफ्रीका के तेज गेंदबाज युवा है और वह अधिक से अधिक गति से गेंदबाजी करने पर ध्यान दे रहे है। केवल रबाडा ही अच्छी लाइन पर गेंदबाजी कर सकता है। मेरा मानना है कि भारत के पास दक्षिण अफ्रीका में श्रृंखला जीतने का यह बहुत अच्छा मौका है। डिविलियर्स से जब पूछा गया कि शमी की अनुपस्थिति के कारण दोनो टीम के पास श्रृंखला जीतने का बराबरी का मौका है, उन्होने कहा, मेरा मानना है कि भारत के पास श्रृंखला जीतने का 65 प्रतिशत मौका है।

भारत के खिलाफ टेस्ट श्रृंखला के बाद अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से विदा लेंगे दक्षिण अफ्रीका के एल्गर

जोहानिसबर्ग। दक्षिण अफ्रीका के पूर्व कप्तान डीन एल्गर ने शुक्रवार को कहा कि भारत के खिलाफ 26 दिसंबर से शुरू हो रही दो टेस्ट मैचो की आगामी श्रृंखला के बाद वह अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट को अलविदा कह देंगे। एल्गर ने 2012 में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मे पदार्पण के बाद से 84 टेस्ट खेले है। उन्होंने 13 शतक और 23 अर्धशतकों की मदद से 5146 रन बनाए हैं। क्रिकेट दक्षिण अफ्रीका ने एक बयान में कहा , एल्गर दो टेस्ट मैचो की श्रृंखला के बाद क्रिकेट को अलविदा कहेंगे। पहला टेस्ट उनके शहर सेंचुरियन में 26 से 30 दिसंबर तक खेला जाएगा। दूसरा केपटाउन में तीन से सात जनवरी के बीच होगा जहां उन्होंने पहला टेस्ट रन बनाया था। एल्गर ने आठ वनडे भी खेले है और आखिरी वनडे 2018 मे खेला था। , बारह साल तक अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट खेलने के बारे मे मैने कभी सोचा भी नही था। यह अद्भुत सफर रहा है और मै बहुत खुशकिस्मत हूं। लेकिन हर अच्छी चीज का अंत होता है और भारत के खिलाफ यह श्रृंखला मेरी आखिरी होगी। मैने इस खूबसूरत खेल से विदा लेने का फैसला कर लिया है। उन्होंने कहा , केपटाउन टेस्ट मेरा आखिरी होगा।

पिछले तीन चार महीने मानसिक रूप से चुनौतीपूर्ण थे, शुक्र है कि शतक बना सका : सैमसन

पार्ल। भारतीय विकेटकीपर बल्लेबाज संजू सैमसन ने कहा कि पिछले तीन चार महीने उनके लिए मानसिक रूप से चुनौतीपूर्ण थे लेकिन उन्होंने खुद पर काफी मेहनत की और पहला वनडे शतक बनाकर वापसी कर सके। भारत मे इस साल हुए वनडे विश्व कप के लिए सैमसन टीम में जगह नही बना सके थे क्योंकि चयनकर्ताओं ने ईशान किशन और सूर्यकुमार यादव को तरजीह दी। संजू ने तीसरे वनडे में 78 रन से मिली जीत के बाद कहा , पिछले तीन चार महीने मानसिक रूप से चुनौतीपूर्ण थे। उन सबसे गुजरकर यहां आकर शतक जमाना काफी बड़ी बात है। मै बहुत खुश हूं। सैमसन को एशियाई खेलो के लिए भी टीम में नही चुना गया था। सैमसन ने कहा , खेल मेरे खून में है। मेरे पिता भी खिलाड़ी रहे हैं लिहाजा हर झटके के बाद वापसी करने के अलावा कोई विकल्प नही है। खुद पर मेहनत करते रहो और मजबूती से वापसी का प्रयास करो। अपनी 108 रन की पारी के बारे मे उन्होंने कहा , मै स्कोर कार्ड देख ही नही रहा था। मै सिर्फ गेंद को देखकर उसके हिसाब से खेल रहा था। मेरा ध्यान प्रक्रिया और गेंद दर गेंद फोकस करने पर था।तिलक वर्मा के आने के बाद पहले चार पांच ओवर कठिन रहे लेकिन उसके बाद हमने सहज होकर खेला।

गेंद के अनुसार खेलने से भारत को आस्ट्रेलिया पर बढ़त बनाने में मदद मिली : घोष

मुंबई। भारतीय विकेटकीपर बल्लेबाज रिचा घोष ने शुक्रवार को कहा कि गेंद के मुताबिक खेलने और समझदारी से बल्लेबाजी करने से मेजबान टीम को यहां चल रहे एकमात्र टेस्ट में आस्ट्रेलिया पर बढ़त बनाने मे मदद मिली। भारत ने दो दिन के खेल के बाद आस्ट्रेलिया पर पहली पारी के हिसाब से 157 रन की बढ़त हासिल कर ली है। भारत ने आस्ट्रेलिया के पहली पारी के 219 रन के स्कोर के जवाब में दूसरे दिन स्टंप तक सात विकेट पर 376 रन बना लिए थे जिसमें पदार्पण करने वाली घोष ने अपना पहला अर्धशतक जड़ा और जेमिमा रोड्रिग्स के साथ 113 रन की साझेदारी निभाई। घोष ने वानखेड़े स्टेडियम में दिन का खेल समाप्त होने के बाद मीडिया से कहा, हम गेंद के हिसाब से खेलना चाहते थे। उन्होने कहा, अगर गेंद ऐसी होती जिस पर हम स्वीप शॉट लगा पाते तो हमने इस पर स्वीप शॉट लगाया, वर्ना हमने रक्षात्मक होने पर ध्यान लगाया। घोष ने कहा, जब जेमिमा आई तो हमारा एकमात्र लक्ष्य भागीदारी बनाने का था कि इसे कैसे आगे बढ़ाएं जिससे मुझे प्रेरणा मिली। उन्होने साथ ही कहा कि बचे हुए खेल में स्पिनरो की भूमिका अहम होने वाली है। घोष ने कहा, हमने देखा कि कुछ गेंद नीची रह रही थी जबकि कुछ उछल रही थी। अगर स्पिनरों को कुछ टर्न मिल जाता है तो बल्लेबाजों के लिए खेलना मुश्किल हो जाएगा।

दुर्भाग्य है कि तीसरे नंबर पर सैमसन को मौका नहीं दे सका : केएल राहुल

पार्ल। भारतीय कप्तान केएल राहुल ने स्वीकार किया कि टीम मे प्रमुख स्थानो पर दिग्गजो के रहने से संजू सैमसन के लिए जगह बनाना मुश्किल हो रहा था लेकिन उन्होने खुशी जताई कि मौका मिलने पर सैमसन ने बेहतरीन प्रदर्शन किया। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ तीसरे और आखिरी वनडे मे तीसरे नंबर पर उतरे सैमसन ने पहला वनडे शतक जड़ा जिसके दम पर भारत ने 78 रन से जीत दर्ज करके श्रृंखला अपने नाम की। राहुल ने मैच के बाद कहा , मै संजू के लिए खुश हूं। उसने इतने साल आईपीएल में शानदार प्रदर्शन किया है। दुर्भाग्य की बात है कि हम उसे तीसरे नंबर पर मौका नही दे पा रहे। इस क्रम पर हमारे पास वनडे मे दिग्गज खिलाड़ी है। लेकिन मुझे खुशी है कि यहां उसने मौके को भुनाया। राहुल ने कहा , जीत का जश्न मनाने के बाद अब फोकस टेस्ट श्रृंखला पर होगा। प्लेयर आफ द मैच सैमसन ने कहा , मुझे इस शतक पर गर्व है क्योंकि हम मैच जीत भी गए। मैने काफी मेहनत की है। इस प्रारूप मे विकेट और गेंदबाज को समझने के लिए अतिरिक्त समय मिल जाता है। शीर्षक्रम पर खेलने से 10 . 20 गेंद ज्यादा मिलती है। प्लेयर आफ द सीरिज अर्शदीप सिंह ने कहा कि आईपीएल के अनुभव ने उन्हे बेहतर क्रिकेटर बनाया।

कार्यभार प्रबंधन के लिए आस्ट्रेलिया के खिलाफ तीसरे टेस्ट से बाहर रह सकते हैं शाहीन

कराची। पाकिस्तान के तेज गेंदबाज शाहीन शाह अफरीदी को कार्यभार प्रबंधन के लिए आस्ट्रेलिया के खिलाफ सिडनी मे तीसरे और आखिरी टेस्ट से बाहर रखा जा सकता है। खुर्म शहजाद को पसलियों में गंभीर चोट लगने के कारण पीसीबी की काफी आलोचना हो रही है। टीम के एक सूत्र ने बताया कि टीम प्रबंधन तेज गेंदबाजो के कार्यभार मे संतुलन चाहता है , खासकर अफरीदी के क्योंकि टी20 विश्व कप मे छह महीने से भी कम समय रह गया है। सूत्र ने कहा , खुर्म के कार्यभार को लेकर जिस तरह बोर्ड और प्रबंधन की आलोचना हो रही है, उससे सबक लेना जरूरी है। इसके अलावा शाहीन का खराब फॉर्म भी चिंता का सबब है। पाकिस्तान के प्रमुख तेज गेंदबाज नसीम शाह कंधे की सर्जरी के बाद अभी तक वापसी नही कर सके है।

इंग्लैंड को हराकर वेस्टइंडीज ने टी20 श्रृंखला जीती

तारोबा (त्रिनिदाद)। वेस्टइंडीज ने बेहद करीबी मुकाबले में आखिरी ओवर मे विश्व चैम्पियन इंग्लैंड को चार विकेट से हराकर टी20 श्रृंखला 3 . 2 से जीत ली। सिर्फ 132 रन पर आउट हुई इंग्लैंड टीम ने डैथ ओवरो मे शानदार गेंदबाजी करके मुकाबले को करीबी बना दिया। तेज गेंदबाज रीसे टॉपले ने 17वें ओवर मे सिर्फ दो रन दिए और वेस्टइंडीज के कप्तान रोवमैन पॉवेल का विकेट लिया। मध्यम तेज गेंदबाज सैम कुरेन ने 19वें ओवर मे सिर्फ दो रन देकर आंद्रे रसेल को आउट किया। आखिरी ओवर मे वेस्टइंडीज को नौ रन की जरूरत थी। जैसन होल्डर ने क्रिस वोक्स की पहली गेंद पर तीन रन निकाले। इसके बाद शाइ होप ने डीप प्वाइंट के ऊपर से छक्का जड़ दिया। वेस्टइंडीज ने छह विकेट पर 133 रन बनाकर चार विकेट से जीत दर्ज की। मेजबान टीम ने वनडे श्रृंखला भी 2 . । से जीती थी। होप ने 43 गेंद मे 43 रन बनाए। पिछले मैच मे तीन विकेट पर 267 रन बनाकर श्रृंखला मे बराबरी करने वाली इंग्लैंड टीम उस लय को कायम नही रख सकी। फिल साल्ट ने 22 गेंद में 38 रन बनाए जबकि मोईन अली ने 23 और लियाम लिविंगस्टोन ने 28 रन की पारी खेली।

सिफ्त व रिदम निशानेबाजी ट्रायल्स में फिर जीती

भाषा। नई दिल्ली

सिफत कौर सामरा और रिदम सांगवान यहां चल रहे राष्ट्रीय चयन ट्रायल्स मैच में शुक्रवार को यहां क्रमश: महिला 50 मीटर राइफल थ्री पोजिशन और महिला 25 मीटर पिस्टल स्पर्धा में जीत हासिल करने में सफल रहीं। सिफत और रिदम इस तरह दोनों ट्रायल मैच जीतने वाली तीसरी और चौथी निशानेबाज बन गईं। नौसेना के किरण अंकुश जाधव ने पुरुष वर्ग के 10 मीटर एयर राइफल टी2 ट्रायल में जीत हासिल की। सिफत शानदार फॉर्म में हैं, उन्होंने आठ महिलाओं के फाइनल में 464.8 अंक से ओलंपियन और सीनियर अंजुम मौदगिल को पछाड़ते हुए पहला स्थान हासिल किया। मौदगिल 461.7 अंक से दूसरे स्थान पर रहीं। सेना की प्रिया ने तीसरा स्थान हासिल किया। महिलाओं की 25 मीटर पिस्टल टी2 ट्रायल में रिदम ने 35 अंक से मनु भाकर को पछाड़ते हुए शीर्ष स्थान प्राप्त किया। मनु 32 अंक से दूसरे और पूर्व विश्व कप फाइनल की स्वर्ण पदक विजेता हीना सिद्धू 27 अंक से तीसरे स्थान पर रहीं।

भारतीय निशानेबाजी टीम सत्र के शुरूआती काहिरा विश्व कप में हिस्सा नहीं लेगी

नई दिल्ली। भारत 24 जनवरी से काहिरा में शुरू होने वाले सत्र के शुरूआती आईएसएसएफ विश्व कप में हिस्सा नहीं लेगा क्योंकि राष्ट्रीय महासंघ अपने निशानेबाजों को कुछ आराम देना चाहता है और व्यस्त रहने वाले वर्ष में उन्हें थकाना नहीं चाहता। वर्ष 2024 में कुछ पेरिस ओलंपिक क्वालीफिकेशन प्रतियोगिताएं भी हैं। टूर्नामेंट में हिस्सा नहीं लेने का फैसला हाल में ही लिया गया है जिससे कुछ शीर्ष निशानेबाज दुविधा में पड़ गए हैं क्योंकि उन्होंने पहले से ही टूर्नामेंट के लिए योजना बनाई हुई थी। भारतीय राष्ट्रीय राइफल संघ (एनआरएआई) महासचिव सुल्तान सिंह ने कहा कि इस मामले पर कोच, खेल विज्ञान टीम और हर किसी से चर्चा की गई थी और इसी के अनुसार ही यह फैसला लिया गया।

डब्ल्यूएफआई चुनावों के बाद राहत, रुकी हुई राष्ट्रीय प्रतियोगिताएं शुरू होंगी

नई दिल्ली। कुश्ती जगत ने अब राहत की सांस ली है कि राष्ट्रीय शिविर और प्रतियोगिताएं आखिरकार नए महासंघ के गठन के बाद शुरू हो जाएंगी और यह मायने नहीं रखता कि बृज भूषण शरण सिंह फैसले लेना जारी रखेंगे। विनेश फोगाट, बजरंग पूनिया और साक्षी मलिक सहित देश के शीर्ष पहलवान चाहते थे कि कोई महिला अध्यक्ष भारतीय कुश्ती महासंघ (डब्ल्यूएफआई) के अध्यक्ष पद पर काबिज हो लेकिन बृजभूषण के विश्वस्त संजय सिंह गुरुवार को हुए चुनाव में विजेता रहे। बृजभूषण को अलग रहने के लिए कहा गया था और महासंघ के रोजमर्रा के काम संभालने के लिए एक तदर्थ समिति गठित की गई थी जिससे 2023 में राष्ट्रीय शिविर और राष्ट्रीय चैम्पियनशिप आयोजित नहीं हो पाई। इससे कई पहलवान प्रभावित हुए क्योंकि नौकरी के आवेदन के लिए राष्ट्रीय चैम्पियनशिप में जीते गए पदक और भाग लेने का प्रमाण पत्र जरूरी होता है। सैकड़ो पहलवानों पर इसका असर पड़ा क्योंकि इनमें से कईयों ने जूनियर वर्ग में पिछले साल पदक जीते थे। रोहतक में मशहूर छोटू राम स्टेडियम के एक कोच जगदीश ढांडा ने कहा, कौन जीता है, यह कैसे मायने रखता है? चुनाव उच्चतम न्यायालय के हस्तक्षेप के बाद किए गए थे। कोई जबरदस्ती नहीं हुई। सरकार भी इस मामले को देख रही थी। पिछले 11 महीनों में कुश्ती खेल लगभग रूक सा ही गया था। अच्छा है कि नई संस्था के गठन के तुरंत बाद ही गतिविधियां शुरू हो गई हैं। अब राष्ट्रीय शिविर कराए जाएंगे और प्रतियोगिताएं आयोजित होंगी। आप पिछले 11 महीने के नुकसान का अंदाजा नहीं लगा पाओगे।

जाफर के ऑलराउंडर खेल से गांधी हाउस बना चैम्पियन

लखनऊ। मैन ऑफ्द मैच अली जाफर 23 रन की बल्लेबाजी के बाद कीमती तीन विकेट की बदौलत गांधी हाउस ने यूनिटी कालेज इंटर हाउस क्रिकेट टूर्नामेंट के खिताबी मुकाबले में सर सैयद हाउस को यूनिटी कालेज मैदान पर 87 रन से हरा कर खिताब पर कब्जा कर लिया। गांधी हाउस ने टॉस जीत कर पहले बल्लेबाजी करते हुए सीमित 12 ओवर में तीन विकेट के नुकसान पर 147 रन बनाये। सलामी बल्लेबाज काजिम 25 रन और इब्राहीम 8 रन के बाद कायम अब्बास ने 18 रनए अली जाफर ने 25 रन और अब्बास ने सर्वाधिक 29 रन की पारी खेली। सर सैयद हाउस से बाकर को दो विकेट और वकार को एक विकेट मिले।जवाबी बल्लेबाजी में सर सैयद हाउस की टीम मात्र 9 ओवर में 60 रन के स्कोर पर ढेर हो गयी। इनकी ओर से सलामी बल्लेबाज अयान 6 रन के सस्ते स्कोर पर पवैलियन लौट गये।

गिरीश रतूड़ी का आलराउंड खेल, उत्तराखंड फाइनल में

शहीद मेजर अमिय त्रिपाठी क्रिकेट टूर्नामेंट

फाजिलनगर,कुशीनगर। क्रिकेट एसोसिएशन उत्तराखंड ने 17वीं ऑल इंडिया शहीद मेजर अमिय त्रिपाठी क्रिकेट टूर्नामेंट के दूसरे सेमीफाइनल में स्पोर्ट्स मंत्रा हरियाणा को रोमांचक मैच में एक विकेट से हराते हुए फाइनल में जगह बना ली। राजमालती स्टेडियम फाजिलनगर में खेले गए मुकाबले में टीम की दूसरी जीत में गिरीश रतूड़ी हीरो बनकर उभरे जिन्होंने लगातार दूसरे मैच में आलराउंड प्रदर्शन करते हुए उपयोगी तीन विकेट चटकाने के साथ 47 रन बनाते हुए टीम की जीत तय की। उन्हें मैन ऑफद मैच का पुरस्कार प्रदान कर सम्मानित किया गया। स्पोर्ट्स मंत्रा हरियाणा ने पहले बल्लेबाजी करते हुए निर्धारित 30 ओवर में 9 विकेट के नुकसान पर 240 रन बनाए। सलामी बल्लेबाज रोशन माधव ने 34 गेंदों पर 7 चौके व एक छक्के से 43 रन बनाए। दूसरी ओर अर्जुन व शिवम कुमार बिना खाता खोले आउट हो गए जिससे टीम 28 रन पर तीन विकेट गंवाकर मुश्किल में फंस गयी थी। इसके बाद दीपक खत्री ने 48 गेंदों पर 5 चौके व 9 छक्के से 93 रन की पारी खेली। दीपक खत्री ने रोशन माधव के साथ चौथे विकेट के लिए 59 रन और भारत सिंधवानी 14 के साथ पांचवें विकेट के लिए 53 रन की साझेदारी की। मोहित खत्री ने 40 और मंजुल दुबे ने 21 रन का योगदान किया। क्रिकेट एसोसिएशन उत्तराखंड से गिरीश रतूड़ी व आदित्य सेठी ने तीन.तीन विकेट हासिल किए। जगमोहन नागरकोटी को दो विकेट मिले। जवाब में क्रिकेट एसोसिएशन उत्तराखंड ने 9 विकेट के नुकसान पर 244 रन बनाकर मैच जीत लिया। विशाल कश्यप 38 और नीरज सिंह राठौर32 ने पहले विकेट के लिए 64 रन की साझेदारी की। इसके अलावा भानु पीण्सिंह ने 50 गेंदों पर 4 चौके व एक छक्के से 44 रन और गिरीश रतूड़ी ने 24 गेंदों पर 1 चौके व 6 छक्के से 47 रन की पारी खेली। दोनों ने सातवें विकेट के लिए 60 रन की साझेदारी की। वहीं स्पर्श जोशी ने 25 रन और आदित्य सेठी ने 19 रन जोड़े। स्पोर्ट्स मंत्रा हरियाणा से अभिषेक को दो विकेट मिले। टूर्नामेंट में 23 दिसंबर को क्रिकेट एसोसिएशन उत्तराखंड व हरि सिंह क्लब दिल्ली के बीच फाइनल मुकाबला खेला जाएगा।

लखनऊ गोल्फ क्लब में सीआईआई गोल्फ का आगाज करते प्रमुख सचिव गृह संजय प्रसाद

सीएमवाईके प्रिंटेक लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक शोबोरी गाँगुली द्वारा 100के, मिलाप भवन, 8/ए, बहादुर शाह ज़फ़र मार्ग, नई दिल्ली-110002, दूरभाष: 011-40110455 से प्रकाशित तथा बीएफएल इन्फोटेक लिमिटेड सी-9 सेक्टर-3, नोएडा-201301 (उ.प्र.) से मुद्रित। प्रधान संपादक : शोबोरी गाँगुली, स्थानीय सम्पादक: प्रदीप तिवारी। पाठकों को सुझाव दिया जाता है कि इस अखबार के किसी भी विज्ञापन पर प्रतिक्रिया करने से पहले पूरी तरह उसके बारे में दिए गए दावों, शर्तों और तथ्यों की जांच कर लें। पायनियर ग्रुप के मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक या उसका कोई भी कर्मचारी विज्ञापनदाता द्वारा उनके किसी उत्पाद तथा सेवा हेतु किए गए किसी दावे की सच्चाई का आश्वासन या उत्तरदायित्व नहीं लेता है। ऐसे विज्ञापनों के बाद किसी आर्थिक क्षति के लिए वे जिम्मेदार भी नहीं हैं। पत्रवार्ता ऑफिस- एफ-31, सेक्टर 6, नोएडा, गौतमबुद्धनगर-201301, उत्तर प्रदेश, दूरभाष- 120-4879900।